रांची, शनिवार
14.11.2026
वर्ष : 11, अंक : 340, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

क्वाड नेताओं की 17 नवंबर को मनीला में होगी बैठक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आगामी फिलीपींस यात्रा के दौरान भारत, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान से मिलकर बने हिन्द-प्रशांत से जुड़े चार देशों के समूह क्वाड के शीर्ष नेताओं की बैठक होने जा रही है। सूत्रों के अनुसार क्वाड नेताओं की बैठक 17 नवंबर को होगी। यह बैठक पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के बाद होगी। यह पहली बार है कि क्वाड नेताओं की बैठक इन देशों के बजाय किसी अन्य देश में हो रही है। साथ ही फिलीपींस हिन्द प्रशांत क्षेत्र के केंद्र में पड़ता है। क्वाड शिखरवार्ता सितंबर 2024 के बाद नहीं हुई। क्वाड देशों के शीर्ष नेता पिछली 21 सितंबर 2024 को अमेरिका के विलमिंगटन में साथ बैठे थे। इसके बाद से समूह की मंत्री स्तर की बातचीत ही होती रही है। उल्लेखनीय है कि भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया से मिलकर बना क्वाड एक स्वतंत्र, खुले और सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बनाए रखने पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री मोदी सोमवार सुबह तीन दिवसीय यात्रा पर मनीला रवाना होंगे। यहां वे वार्षिक भारत-आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इस शिखर सम्मेलन में समुद्री सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देने और व्यापार एवं निवेश संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है।

दो एसपीओ की हत्या के बाद वांटेड आतंकियों के पोस्टर जारी, 30 लाख का इनाम

किश्तवाड़। दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स (एसपीओ) की हत्या के बाद किश्तवाड़ जिला पुलिस ने वांटेड आतंकियों के पोस्टर जारी किए हैं। साथ ही उनकी गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने वाले को 30 लाख रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की है। इन आतंकियों की पहचान मोहम्मद अमीन उर्फ जहांगीर, रियाज अहमद उर्फ हजारी और मुदस्सिर हुसैन के रूप में हुई है। यह घोषणा तब की गई है, जब गुरुवार सुबह किश्तवाड़ में एसपीओ बबी चंद और रशपाल कुमार के गोलियों से छलनी शव मिले। ये दोनों बुधवार से लापता थे। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि अगर उन्हें इन आतंकियों के ठिकाने के बारे में कोई जानकारी हो, तो 9797900958 और 1995357494 नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जानकारी देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ लोक आस्था का 4 दिवसीय महापर्व छठ

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में लोक आस्था, पवित्रता और सूर्य उपासना का महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व को लेकर घरों से लेकर बाजारों तक धार्मिक माहौल बनने लगा है। सुबह से ही व्रतियों ने स्नान कर भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही शुद्धता और सात्विकता के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान की शुरूआत हुई।



नहाय-खाय के दिन व्रती विशेष रूप से कद्दू-भात और चने की दाल का प्रसाद तैयार करते हैं। पारंपरिक तरीके से तैयार इस भोजन को ग्रहण करने के साथ ही व्रती महापर्व का संकल्प लेते हैं। छठ पूजा में स्वच्छता और पवित्रता का विशेष महत्व होता है। शायद यही वजह है कि घरों में साफ-सफाई से लेकर प्रसाद तैयार करने तक हर काम पूरी श्रद्धा और नियम के साथ किया जाता है।

छठ महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को खरना होगा। इस दिन व्रती सुबह से निर्जला उपवास रखेंगे। दिनभर पूजा की तैयारी और प्रसाद बनाने की परंपरा निभाई जाएगी। शाम को स्नान के बाद व्रती भगवान सूर्य की पूजा करेंगे और गुड़ की खीर तथा रोटी का प्रसाद तैयार करेंगे। पूजा के बाद व्रती प्रसाद ग्रहण करेंगे और परिवार के सदस्यों तथा आसपास के लोगों के बीच भी प्रसाद वितरित किया जाएगा। खरना के साथ ही छठ व्रतियों का करीब 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जाएगा, जिसका समापन सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद होगा।

रविवार के दिन व्रती और उनके परिवार के सदस्य पूजा सामग्री के साथ छठ घाटों पर पहुंचेंगे। बांस के सूप और दउरा में ठेकुआ, नारियल, गन्ना, मौसमी फल और अन्य पूजन सामग्री सजाई जाएगी। शाम को नदी, तालाब और निर्धारित छठ घाटों पर व्रती पानी में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। इस साल 15 नवंबर को सूर्यास्त का अनुमानित समय शाम 5:27 बजे है।

4 दिवसीय महापर्व के अंतिम दिन 16 नवंबर को उषा अर्घ्य दिया जाएगा। सोमवार सुबह सूर्योदय से पहले ही व्रती और श्रद्धालु छठ घाटों पर पहुंचेंगे। उगते सूर्य को दूसरा अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही 4 दिनों तक चलने वाला कठिन अनुष्ठान संपन्न होगा। इस दिन सूर्योदय का अनुमानित समय सुबह 6:44 बजे है। अर्घ्य देने के बाद व्रती प्रसाद ग्रहण कर पारण करेंगे। इसके साथ ही परिवार और समाज के बीच प्रसाद वितरण की परंपरा निभाई जाएगी। छठ महापर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि परिवार, समाज और प्रकृति के प्रति आस्था का भी प्रतीक है। इसमें डूबते और उगते दोनों सूर्य की उपासना की जाती है।

कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा पर नाबालिग से दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में एक नाबालिग आदिवासी किशोरी के साथ कथित यौन उत्पीड़न का गंभीर मामला सामने आया है। सिमडेगा की रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी ने कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा पर दुष्कर्म, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। किशोरी के आवेदन के आधार पर रांची के विधानसभा थाना में विधायक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।



इस पूरे मामले में दो महिलाओं की भूमिका भी संदेह के घेरे में है, जिन पर किशोरी को बहला-फुसलाकर विधायक आवास तक लाने का आरोप है। घटना की जानकारी मिलते ही काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता रांची के धुर्वा थाना पहुंचे, जिससे थाने में काफी देर तक गहमागहमी का माहौल बना रहा।

पुलिस को दिए लिखित आवेदन में पीड़िता ने बताया कि मई 2026 में एमा बड़ा और जोसिमा खाखा नाम की दो महिलाएं उसे पढ़ाई कराने और स्कूल में नामांकन दिलाने का भरोसा देकर अपने साथ ले गई थीं। पहले उसे सिमडेगा स्थित विधायक आवास ले जाया गया और बाद में रांची लाया गया। किशोरी का आरोप है कि वहां उससे पढ़ाई कराने के बजाय घरेलू काम कराया जाने लगा. काम में जरा सी गलती या देरी होने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी, गालियां दी जाती थीं और ठीक से खाना भी नहीं दिया जाता था। किशोरी के अनुसार, दोनों स्थानों पर उसके साथ लगातार दुर्व्यवहार होता रहा और विरोध करने पर डराया जाता था। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि 5 अगस्त 2026 को रांची स्थित विधायक आवास संख्या-12 में दोपहर के समय विधायक भूषण बाड़ा ने उसके साथ जबरदस्ती की। विरोध करने के बावजूद उसका मुंह बंद कर उसके साथ दुष्कर्म किया गया।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि घटना के बाद किसी को कुछ भी बताने पर जान से मारकर फेंकवा देने की धमकी दी गई थी। भयभीत किशोरी अगले दिन किसी तरह वहां से निकलकर अपने गांव सिमडेगा पहुंची। घर लौटने के बाद शारीरिक प्रताड़ना के कारण उसकी तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद उसने परिजनों को पूरी आपबीती सुनाई।

हटिया डीएसपी नीरज ने बताया कि किशोरी को स्कूल में पढ़ाई और नामांकन कराने का भरोसा देकर रांची लाया गया था, जिसके बाद वह संबंधित आवास में रह रही थी। इसी दौरान उसके साथ दुष्कर्म की घटना होने का आरोप लगाया गया है। विधानसभा थाना में पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा और न्यायालय में धारा 164 के तहत बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। पुलिस सभी पहलुओं पर गंभीरता से अनुसंधान कर रही है और पीड़िता की सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

विधायक भूषण बाड़ा मामले में नाबालिग की दादी ने दर्ज करायी प्राथमिकी, गलत गवाही दिलवाने का आरोप

कांग्रेस के विधायक भूषण बाड़ा के खिलाफ दुष्कर्म का आरोप में प्राथमिकी दर्ज किए जाने के मामले में नया मोड़ आ गया है। जिस नाबालिग ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है, उसकी दादी ने सिमडेगा के पकड़टांड़ थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कराया है। इसमें उनकी पोती का अपहरण करने और बहला-फुसला कर गलत बयान दिलाने का आरोप लगाया गया है।

प्राथमिकी में दिलीप तिर्की नामक व्यक्ति समेत दो लोगों पर बच्ची को बहला-फुसलाकर गलत बयान देने और विधायक भूषण बाड़ा को बदनाम करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

असम के काजीरंगा में भीषण हादसा: ट्रक-ट्रैवलर की जोरदार भिड़ंत, 20 से अधिक लोगों की मौत

एजेंसी



काजीरंगा। असम के काजीरंगा नेशनल पार्क के पास शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। रोंगाजन के पास तेज रफ्तार ट्रक और पैसेंजर ट्रैवलर के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पैसेंजर गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार कई लोग अंदर ही फंस गए। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, ट्रैवलर में बड़ी संख्या में छात्र सवार थे।

जानकारी के मुताबिक, पैसेंजर ट्रैवलर बोकाखात से नागांव की ओर जा रही थी। इसी दौरान रोंगाजन के पास सामने से आ रहे ट्रक से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। गाड़ी के क्षतिग्रस्त होने से कई यात्री अंदर फंस गए। हादसे की भयावहता देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस के साथ बचाव कार्य में जुट गए।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और आपातकालीन राहत टीमें मौके पर पहुंचीं। क्षतिग्रस्त ट्रैवलर में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। घायलों को तत्काल कोहोरा मॉडल हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। कुछ घायलों की स्थिति को लेकर तत्काल जानकारी नहीं मिल सकी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ट्रैवलर में ज्यादातर युवा छात्र सवार थे। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक मृतकों की पहचान सार्वजनिक नहीं की है। प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर हालात पर नजर बनाए हुए हैं। राहत एवं बचाव कार्य के साथ यातायात व्यवस्था भी संभाली जा रही है।

पुलिस ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हादसा तेज रफ्तार, कम दृश्यता या किसी अन्य वजह से हुआ। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों और घायलों से जुड़ी विस्तृत जानकारी की पुष्टि के बाद साझा की जाएगी।

बेंगलुरु मेट्रो नेटवर्क 100 किलोमीटर के पार, पिंक लाइन के विस्तारित खंड का प्रधानमंत्री ने किया उद्घाटन

एजेंसी



बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि किसी भी देश की विकास यात्रा में बुनियादी ढांचे की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बेहतर संपर्क व्यवस्था से विकास, रोजगार और उद्योगों के नए अवसर पैदा होते हैं। जब इन अवसरों का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचता है तो गरीबी के खिलाफ लड़ाई भी मजबूत होती है। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में देश के करीब 50 करोड़ नागरिक भीषण गरीबी से बाहर आए हैं।

प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को बेंगलुरु में नम्मा मेट्रो की पिंक लाइन के कालेना अग्रहारा से तावरेकेरे तक विस्तारित खंड का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। इस विस्तार के साथ बेंगलुरु का मेट्रो नेटवर्क 100 किलोमीटर के पार पहुंच गया है और दिल्ली-एनसीआर तथा मुंबई के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाला देश का तीसरा शहर बन गया है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह उपलब्धि केवल परिवहन परियोजना का विस्तार नहीं है, बल्कि शहरवासियों का जीवन आसान बनाने और शहरी आवागमन को सुविधाजनक करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही कर्नाटक को राज्य की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मिली थी और अब गोवा को जोड़ने वाली वंदे भारत ट्रेन की सुविधा भी मिली है। भारत चिप निर्माण से लेकर जहाज निर्माण तक तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डेटा सेंटर और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे आधुनिक प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में वैश्विक नेतृत्व हासिल करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है।

कालेना अग्रहारा से तावरेकेरे तक पिंक लाइन का विस्तारित हिस्सा करीब 3,470 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। इसकी लंबाई 7.5 किलोमीटर है। इस खंड में छह स्टेशन बनाए गए हैं, जिनमें कालेना अग्रहारा, हुलिमावु, आईआईएमबी, जेपी नगर चौथा चरण, जयदेव अस्पताल और तावरेकेरे शामिल हैं।

योग बना भारत की वैश्विक पहचान का प्रवेश द्वार, आयुर्वेद के प्रति भी बढ़ा दुनिया का भरोसा : प्रधानमंत्री

एजेंसी



बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि योग आज भारत की वैश्विक पहचान का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। दुनिया योग के जरिए भारत की सभ्यता, संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और जीवन दर्शन को समझ रही है। योग के प्रति बढ़ती वैश्विक रुचि के साथ आयुर्वेद की स्वीकार्यता भी लगातार बढ़ रही है। विदेशों में 150 से अधिक आयुर्वेद प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को मान्यता मिलना भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति दुनिया के बढ़ते विश्वास का प्रमाण है।

प्रधानमंत्री शुक्रवार को बेंगलुरु के जिगनी स्थित प्रशांति कुटीरम में स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान (एस-व्यासा) के विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह एवं वरिष्ठ विचारक एच.वी. शेषाद्रि की जन्मशताब्दी स्मरणोत्सव के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के गोल्डन जुबली एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक की आधारशिला रखी और केरल के तिरुवनंतपुरम में एस-व्यासा के ऑफ-कैंपस केंद्र का शुभारंभ किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्नाटक की धरती सदियों से योग साधना और आध्यात्मिक परंपरा का केंद्र रही है। स्वामी विवेकानंद ने गुलामी के दौर में भारतीय युवाओं को योग और आध्यात्मिक चेतना का मार्ग दिखाया था। उनकी प्रेरणा से आगे बढ़ी योग की परंपरा आज दुनिया के कोने-कोने तक पहुंच रही है। कतर के शाही परिवार सहित अनेक देशों के लोग भारतीय योग पद्धति से जुड़ रहे हैं। दुनिया के बड़े नेताओं और उनके परिवारों में भी योग का अभ्यास बढ़ रहा है। इससे भारत के प्रति वैश्विक आकर्षण और आत्मीयता में वृद्धि हो रही है।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेद भी वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। विभिन्न देशों में 150 से अधिक आयुर्वेद प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को मान्यता मिलना भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धति की बढ़ती स्वीकार्यता को दशार्ता है।मोदी ने शेषाद्रि को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन व्यक्ति निर्माण और राष्ट्र निर्माण के मिशन को समर्पित कर दिया। वे समझते थे कि किसी देश को सफलता के शिखर तक पहुंचाने के लिए समर्पित, सक्षम और अनुशासित नागरिकों की आवश्यकता होती है। ऐसे नागरिकों के निर्माण के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया।

शेष पेज 11 पर

दिव्या, विदित, तेजस्विन, त्रिशा समेत 17 खिलाड़ी अर्जुन पुरस्कार से अलंकृत

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 प्रदान किए। शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख और विदित गुजराती, एथलीट तेजस्विन शंकर तथा बैडमिंटन खिलाड़ी त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद सहित 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से अलंकृत किया गया। फुटबॉल खिलाड़ी इसायाह अरुमनायगम को अर्जुन पुरस्कार की लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी में सम्मानित किया गया। वहीं, तीन प्रशिक्षकों को नियमित श्रेणी और दो प्रशिक्षकों को लाइफटाइम श्रेणी में द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान किए गए। भारतीय सेना के पैरा खेल केंद्र पुणे को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। इस बार किसी भी खिलाड़ी को देश का सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार नहीं मिला। वर्ष 2014 के बाद यह पहला अवसर है, जब किसी खिलाड़ी को खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित नहीं किया गया है।



राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में एथलेटिक्स कोच परवीर सिंह, मुक्केबाजी कोच छोटे लाल यादव और निशानेबाजी कोच नेहा नंदकुमार चव्हाण को द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं, कुश्ती कोच वीरेंद्र कुमार और मुक्केबाजी कोच धर्मेंद्र सिंह यादव को द्रोणाचार्य पुरस्कार की लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी में सम्मानित किया गया। इसके अलावा पुणे स्थित आर्मी पैरालंपिक नोड को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल दलजीत सिंह ने राष्ट्रपति से यह पुरस्कार ग्रहण किया।

अर्जुन पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों में शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख और विदित गुजराती, डेकाथलॉन एथलीट तेजस्विन शंकर, एथलीट मुहम्मद अजमल वी. और रेस वॉकर प्रियंका गोस्वामी शामिल हैं। बैडमिंटन में त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद, मुक्केबाजी में नरेंद्र, हॉकी में लालरेमसियामी और राजकुमार पाल, कबड्डी में सुरजीत और पूजा को यह सम्मान मिला। इनके अलावा पैरा निशानेबाज धनुष श्रीकांत और रुद्रांश खंडेलवाल, पैरा एथलीट एकता भ्यान, रोइंग खिलाड़ी अरविंद सिंह और निशानेबाज अखिल श्योराण भी अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किए गए। दिव्या देशमुख ने वर्ष 2025 में फिडे महिला विश्व कप जीतकर यह खिताब हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनने का गौरव प्राप्त किया था। इससे पहले वह वर्ष 2024 में शतरंज ओलंपियाड में भारतीय महिला टीम के साथ स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने इसी प्रतियोगिता में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक भी हासिल किया था। विदित गुजराती वर्ष 2024 में 45वें फिडे शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम का हिस्सा थे। उन्होंने वर्ष 2023 में फिडे ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट भी जीता था।

तेजस्विन शंकर ने वर्ष 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में ऊंची कूद में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद वर्ष 2023 के एशियाई खेलों में डेकाथलॉन स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। वर्ष 2025 की एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी उन्होंने डेकाथलॉन में रजत पदक जीता। मोहम्मद अजमल वी. वर्ष 2023 के एशियाई खेलों में पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले में स्वर्ण और मिश्रित रिले में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। प्रियंका गोस्वामी ने वर्ष 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में 10 किलोमीटर पैदल चाल में रजत पदक जीता था।

शेष पेज 11 पर

कैंसर की 137 दवाओं की कीमतों पर सरकार सख्त, ज्यादा पैसे वसूलने पर होगी कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। कैंसर मरीजों को राहत देने के लिए सरकार ने 137 कैंसर की दवाओं की कीमतों पर निगरानी बढ़ा दी है। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने सभी राज्यों के औषधि नियंत्रकों को निर्देश दिए हैं कि वे दवा कंपनियों, मेडिकल स्टोर और अस्पतालों में नई कीमतों का पालन सुनिश्चित करें।

इन दवाओं की नई कीमतें 9 नवंबर से लागू हो चुकी हैं। अब दवा कंपनियों, दुकानदारों और अस्पतालों को तय कीमत पर ही दवाएं बेचनी होंगी। साथ ही अपनी दुकानों और वेबसाइटों पर नई कीमतों की सूची भी लगानी होगी। प्राधिकरण ने साफ किया है कि अगर कोई दुकानदार या कंपनी तय कीमत से ज्यादा पैसे वसूलती है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसका मकसद कैंसर मरीजों को दवाएं सही और कम कीमत पर उपलब्ध कराना है।

दवाओं की ज्यादा कीमत वसूलने, कमी या उपलब्ध नहीं होने की शिकायत मरीज फार्मा सही दाम ऐप या पोर्टल पर कर सकते हैं। इसके अलावा 1800-111-255 हेल्पलाइन नंबर और वेबसाईट पर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। प्राधिकरण ने सभी राज्यों के औषधि नियंत्रकों को 16 नवंबर 2026 तक की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए हैं।

झारखंड में 12,500 किलोमीटर जीएसबी सड़कों के निर्माण का लक्ष्य तय : दीपिका

वीबी-जी राम जी योजना के तहत ग्रामीण इलाकों में मजबूत होगी सड़क कनेक्टिविटी- मुख्य सड़क से वंचित बसावटों को निर्माण में दी जाएगी प्राथमिकता

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की पहल पर राज्य के ग्रामीण इलाकों में सड़क कनेक्टिविटी मजबूत करने की दिशा में कदम उठाया गया है। विकसित भारत जी राम जी (वीबी जी राम जी) योजना के तहत राज्य में 12,500 किलोमीटर जीएसबी (ग्रेन्युलर सब-बेस) सड़कों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विभाग ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी।

विभाग के अनुसार, सड़क निर्माण कार्य में उन ग्रामीण बसावटों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो अब तक मुख्य सड़क मार्ग से नहीं जुड़ी हैं अथवा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत स्वीकृत नहीं हैं।

विभाग की ओर से बताया गया कि राज्य के सभी 24 जिलों में सड़क



निर्माण का लक्ष्य तय किया गया है। पूर्वी सिंहभूम में सर्वाधिक 1,400 किलोमीटर सड़क बनाई जाएगी। इसके अलावा पलामू में 1,100, गढ़वा में 1,000, चतरा में 850 और लातेहार में 800 किलोमीटर सड़क निर्माण का लक्ष्य है। पश्चिमी सिंहभूम में 750, जबकि हजारीबाग में 700 किलोमीटर सड़क बनाई जाएगी। बोकारो और गोड्डा में 600-600 किलोमीटर सड़क निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि ग्रामीण सड़कों का विस्तार सरकार की प्राथमिकता है। इससे किसानों को कृषि उपज, सब्जियां, फल और लघु वनोपज बाजार तक पहुंचाने में सहूलियत होगी। साथ ही परिवहन लागत और आवागमन का समय कम होगा तथा रोजगार और आजीविका के अवसर बढ़ेंगे।

उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सड़कों का निर्माण इस तरह किया जाए कि वे टिकाऊ हों और ग्रामीणों को लंबे समय तक इसका लाभ मिल सके।

मुरी-सिल्ली में नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ चार दिवसीय छठ महापर्व



बिभा संवाददाता

सिल्ली: मुरी, सिल्ली एवं आसपास के क्षेत्रों में छठ महापर्व चार दिवसीय नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ। इस अवसर पर महिलाओं ने सुबह उठकर स्नान किया, चूल्हा पूजा कर चूल्हा जलाया और अरवा चावल का भात, चना दाल, लौकी की सब्जी, बचका एवं पकौड़ी बनाई। छठ मैया के गीत गाते हुए पूजा करके पंक्ति में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। छठ महापर्व आस्था का पर्व है, जिसमें महिलाएं 36 घंटे का निर्जला उपवास रखकर डूबते और उगते सूर्य भगवान की पूजा करती हैं। मान्यता है कि जो व्रती श्रद्धा और आस्था के साथ छठ पूजा करती हैं, उनकी मनोकामना पूरी होती है और उन्हें वरदान प्राप्त होता है। पूरे क्षेत्र में छठ के गीतों और भक्तिमय माहौल से आस्था की छटा बिखरी रही।

हाकेदाग लैंप्स में पुराने सदस्यों को दोबारा मौका न देने की मांग, जिला सहकारिता पदाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

सिल्ली : हाकेदाग लेंम्पस में आगामी नई प्रबंधक समिति के गठन पूर्व समिति के सदस्य को दोबारा शामिल नहीं करने एवं नए योग्य सदस्यों को अवसर देने के संबंध में एक ज्ञापन विश्वनाथ माझी एवं बुद्धि लाल माझी के द्वारा जिला सहकारिता प्रसार पदाधिकारी सिल्ली को सौंपा गया। विश्वनाथ माझी ने बताया कि हाकेदाग लेंम्पस में पिछले वर्षों से कुछ व्यक्ति लगातार समिति में सदस्य के रूप में बने हुए हैं जिसके कारण पंचायत के अन्य योग किसानों एवं ग्रामीणों को समिति में प्रतिनिधित्व करने का अवसर नहीं मिल पा रहा है। हमारा उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष का विरोध करना नहीं है। बल्कि सहकारी व्यवस्था में पारदर्शिता निष्पक्ष एवं नए लोगों को भागीदारी सुनिश्चित करना है। आगामी लेम्पस प्रबंधन समिति के गठन एवं चुनाव में पूर्व में समिति के सदस्य रह चुके व्यक्तियों को दोबारा शामिल न करने के लिए नियमानुसार आवश्यक व्यवस्था की जाए ताकि योग्य किसानों एवं ग्रामीणों को प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिल सके साथ ही साथ इस संबंध में झारखंड सहकारिता समिति अधिनियम एवं लागू उपविधियों के तहत आवश्यक कानूनी प्रावधानों की जांच का उचित निर्णय लिया जाए।

संक्षिप्त खबरें

रुडसेट संस्थान सिल्ली में 12 दिवसीय फास्ट फूड स्टॉल उद्यमी प्रशिक्षण 17 नवंबर से

सिल्ली(बिभा): रूडसेट संस्थान सिल्ली में 12 दिवसीय फास्ट फूड स्टॉल उद्यमी प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 17 नवंबर 2026, से प्रारंभ होगा। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण युवक-युवतियों को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को फास्ट फूड के विभिन्न व्यंजन जैसे बर्गर, पिज्जा, सैंडविच, फ्रेंच फ्राई सहित अन्य लोकप्रिय आइटम बनाने, स्टॉल संचालन, ग्राहक व्यवहार, स्वच्छता, पैकेजिंग और व्यवसाय प्रबंधन की जानकारी दी जाएगी। संस्थान ने बताया कि इच्छुक प्रशिक्षु जिनकी उम्र 18 से 50 वर्ष के बीच है, वे जल्द से जल्द संस्थान आकर अपना नामांकन करा लें। सीटें सीमित हैं, इसलिए नामांकन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड / जॉब कार्ड, बैंक पास बुक, जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटो आवश्यक है।

नहाय-खाय पर विधायक सरयू राय ने विभिन्न छठ सामग्री का किया वितरण



जमशेदपुर(बिभा) : जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने शुक्रवार को लोकआस्था के महापर्व छठ के पहले दिन नहाय-खाय के अवसर पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित सेवा कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने छठव्रतियों और श्रद्धालुओं के बीच पूजन तथा प्रसाद निर्माण की सामग्रियों का वितरण किया और आयोजकों के सेवा कार्यों की सराहना की। विधायक श्री राय ने सबसे पहले मानगो चौक पर पूर्व सैनिक सेवा परिषद द्वारा संचालित थोक भाव के फल विक्रय केंद्र का उद्घाटन किया। इस केंद्र से श्रद्धालुओं को छठ पूजा के लिए उचित मूल्य पर फल उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा उन्होंने मानगो चौक पर प्रसाद निर्माण सामग्री वितरण कार्यक्रम में भी भाग लिया। इसके पश्चात श्री राय छायानगर (भुईंयाडीह) और बारीडीह चौक पर आयोजित समारोहों में शामिल हुए, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के बीच छठ पूजन व प्रसाद सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रमों की इसी कड़ी में वे भुईंयाडीह स्थित बार एसोसिएशन भी पहुंचे और अधिवक्ताओं से मुलाकात कर उन्हें आगामी रामार्चा पूजा का निमंत्रण पत्र सौंपा।

बाल्डविन फार्म एरिया हाई स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बाल दिवस



जमशेदपुर(बिभा)। बाल्डविन फार्म एरिया हाई स्कूल, कदमा, जमशेदपुर में बाल दिवस बड़े ही हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय की उप-प्राचार्या अर्चना बोस एवं प्रशासक सचिन कुमार शामिल हुए कार्यक्रम का शुरूआती उप-प्राचार्या, प्रशासक एवं शिक्षकों द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ राष्ट्र निर्माण में बच्चों की महत्वपूर्ण भूमिका और उनके उज्ज्वल भविष्य के प्रति पंडित नेहरू के विचारों को स्मरण किया गया इस अवसर पर डॉ. राजीव रंजन सिन्हा, प्रभास कुमार, सचिव; डॉ. अशोक सिंह, निदेशक (शैक्षणिक) एवं डॉ. शुभश्री सरकार ने विद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू के आदर्शों एवं विचारों को विद्यार्थियों तक पहुँचाने के इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए बच्चों को उनके प्रेम, शांति, शिक्षा एवं राष्ट्र निर्माण के संदेश को अपने जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया।

मानगो श्याम भवन में 20-21 नवंबर को सजेगा बाबा का भव्य दरबार

जमशेदपुर (बिभा): शहर की प्रमुख सामाजिक एवं धार्मिक संस्था श्री श्याम मित्र मंडल, मानगो की ओर से 20 और 21 नवंबर को दो दिवसीय 27वां श्री श्री श्याम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। मानगो न्यू पुरुलिया रोड स्थित श्री श्याम भवन में आयोजित होने वाले इस महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। उत्सव के लिए कोलकाता के विशेष कारीगरों द्वारा फूलों से बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष महावीर प्रसाद अग्रवाल एवं सचिव विजय खेमका ने बताया कि महोत्सव के पहले दिन 20 नवंबर (शुक्रवार) को शाम 7:15 बजे ज्योत प्रज्ज्वलन और पूजा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इसके बाद रात 8:15 बजे से भजनों की अमृत वर्षा होगी, जो बाबा की इच्छा तक देर रात चलेगी। इस दौरान अजमेर के प्रसिद्ध भजन गायक जॉन अजमेरी, कोलकाता की रितिका सेन और स्थानीय कलाकार लाला जोशी बाबा के चरणों में भजनों की प्रस्तुति देंगे। महोत्सव के दूसरे दिन 21 नवंबर (शनिवार) को सुबह 4:15 बजे मंगला आरती होगी। इसके पश्चात दोपहर 12:15 बजे बारस का पूजन एवं भोग लगाया जाएगा तथा दोपहर 1:15 बजे से महाप्रसाद का वितरण शुरू होगा। आयोजन को सफल बनाने में संस्था के सभी पदाधिकारी व सदस्य जुटे हुए हैं और समस्त श्याम प्रेमियों से सपरिवार पधारने की अपील की गई है।

अड़की की बदहाली पर दमयंती मुंडा ने उठाए सवाल, प्रशासन से मांगा जवाब

जेएलकेएम ने अड़की में किया धरना-प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

तमाड़। अड़की प्रखंड क्षेत्र की वर्षों से लंबित जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर शुक्रवार को जेएलकेएम के कार्यकताओं एवं ग्रामीणों ने प्रखंड कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी को 10 सूत्री मांग पत्र सौंपकर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई।

मांग पत्र में बियारगाढ़ा पुल की जर्जर स्थिति की मरम्मत, अड़की में डिग्री कॉलेज का निर्माण, कल्याण हॉस्पिटल के कर्मियों को नियमित वेतन भुगतान, स्वास्थ्य एवं शिक्षा व्यवस्था में सुधार, ग्रामीण सड़कों का निर्माण, नियमित बिजली आपूर्ति, वृद्धा, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन का नियमित भुगतान, युवाओं के लिए रोजगार तथा खेल सुविधाओं के विकास सहित अन्य



मांगें शामिल हैं।

धरना की अध्यक्षता सानिका मुंडा ने की, जबकि संचालन लोधरो मुंडा ने किया। धरना को संबोधित करते हुए जेएलकेएम महिला मोर्चा की केंद्रीय अध्यक्ष दमयंती मुंडा ने कहा कि अड़की की जनता आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है। उच्च शिक्षा के लिए गरीब आदिवासी बच्चों को दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। बेहतर इलाज के अभाव में मरीज परेशान हैं और युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जनता अपने अधिकारों की मांग कर रही है, कोई भीख नहीं मांग रही है। प्रशासन को बियारगाढ़ा पुल से लेकर डिग्री कॉलेज, अस्पताल और रोजगार तक के मुद्दों पर जवाब देना होगा। अब जनता खोखले आश्वासनों से संतुष्ट होने वाली नहीं है। सभी मांगों पर समयबद्ध कार्रवाई होनी चाहिए, अन्यथा जेएलकेएम जनहित के मुद्दों पर आंदोलन जारी रखेगी।

कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रामसभा रूमचु एवं ग्रामसभा गुंतुरा के ग्रामीणों की अहम भूमिका रही। मौके पर ललिता नाग, सत्यनारायण मुंडा, गोपाल मुंडा, सुनील मुंडा, जादु पहान, कुणाल राज, सरस्वती देवी, ललित हजाम, नारद महतो, अजय कुमार महतो, अशोक कुमार गुप्ता, मंटु गुप्ता, विद्याभूषण गुप्ता, मातवार स्वांसी, श्रीकांत सर, भगीरथ मुंडा, रतन लाल मुंडा, जयराम महतो, मुकेश कुमार महतो, प्रो. लखींद्र मुंडा, सुदर्शन महतो, कृष्णा मुंडा, सुशांत सिंह मुंडा, रविंद्र महतो, मनोज प्रामाणिक, भरत महतो, मदन अहीर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

खुखरा गांव में 26 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बेड़ो: प्रखंड क्षेत्र के खुखरा गांव में शुक्रवार को एक 26 वर्षीय युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान अजय लोहरा उर्फ नंदन लोहरा (26 वर्ष), पिता चैतु लोहरा, ग्राम खुखरा, थाना बेड़ो के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही बेड़ो थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतारकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए रांची स्थित रिम्स भेज दिया इस संबंध में बेड़ो थाना प्रभारी मो. कफिल अहमद ने बताया कि युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तेली साहू महासंगठन ने 201 छठ व्रती परिवारों को बांटे सूप, घाट पर लगेगा सेवा शिविर

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन, पूर्वी सिंहभूम की ओर से साकची स्थित भामाशाह चौक पर भव्य सूप वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष राकेश साहू के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान 201 छठ व्रती परिवारों के बीच पूजन सामग्री से युक्त पावन सूप का वितरण किया गया। समारोह में मुख्य संरक्षक रंगनाथ प्रसाद, रामगोपाल जायसवाल चंद्रिका प्रसाद तथा जिला संरक्षक मानकी गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों ने अपने हाथों से व्रतियों को सूप भेंट कर उन्हें महापर्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राकेश साहू ने कहा कि छठी मैया और व्रतियों की सेवा करना ही सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। महासंगठन हर वर्ष आस्था और



समर्पण के साथ ऐसे सेवा कार्य करता है और भविष्य में भी जनसेवा की यह मुहिम जारी रहेगी। उन्होंने आगे जानकारी दी कि 15 और 16 नवंबर को नदी घाट पर संगठन की ओर से विशेष सेवा शिविर लगाया जाएगा। इसके तहत संध्या अर्घ्य के समय शिविर में भजन संध्या का आयोजन होगा, जबकि उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद सुबह व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क चाय, बिस्किट और आलूचप के नाश्ते की व्यवस्था रहेगी। मौके पर उपस्थित लोगों ने महासंगठन के इस सेवा कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से जिला कार्यकारी अध्यक्ष शिवलोचन साहू, महासचिव अशोक साहू वरीय उपाध्यक्ष रंजीत कुमार साहू, जिला उपाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार जिला प्रवक्ता चंदन काशी, सागर साहू, प्रवीण कुमार, संजय साहू, क्षेत्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र साहू, अशोक साहू, गौतम साहू, जिला सचिव मनोज साहू, जिला संरक्षक अवधेश कुमार, शिवांश गुप्ता डॉ. ऋषिकेश कुमार, बागबेड़ा थाना क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रहलाद साव, इंद्र नारायण साहू अध्यक्ष पूजा साहू, नेहा देवी, रीता साहू, मधु साहू, कमलेश साहू, उपेंद्र साहू, रतन साहू, पप्पू साहू, रामकुमार साहू, विद्यानंद गुप्ता, गणेश साहू, सत्यदेव प्रसाद सहित संगठन के सैकड़ों सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया छठ महापर्व, आकर्षक झांकी ने मोहा मन

बिभा संवाददाता

बेड़ो। बिनय बगीचा स्थित डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल, बेड़ो में शुक्रवार को लोक आस्था का महापर्व छठ धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में भव्य एवं आकर्षक झांकी प्रस्तुत की गई। छात्र-छात्राओं ने छठ पूजा की पारंपरिक रीति-रिवाजों, सूर्य उपासना और अर्घ्यदान की परंपरा को मनमोहक ढंग से प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया।



कार्यक्रम की शुरूआत छठ मइया के पारंपरिक लोकगीतों के साथ हुई। छात्राओं ने छठ महापर्व से जुड़ी धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं को झांकी के माध्यम से जीवंत कर दिया। पूरे विद्यालय परिसर में भक्ति और आस्था का माहौल देखने को मिला।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक कैलाश कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि छठ महापर्व भारतीय संस्कृति, परंपरा और लोकआस्था का अनूठा प्रतीक है। उन्होंने छात्राओं द्वारा प्रस्तुत झांकी की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

उन्होंने छठ पर्व के संदेश को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि इस पर्व में पहले डूबते हुए सूर्य और फिर उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इससे हमें सीख मिलती है कि जीवन में निराशा और असफलता के बाद भी उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए। क्योंकि डूबने वाला सूर्य भी एक दिन फिर से उगता है। इसी तरह मनुष्य को कठिन परिस्थितियों में धैर्य और आत्मविश्वास बनाए रखते हुए निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने छठ पर्व को स्वच्छता, अनुशासन और सामाजिक समरसता का प्रतीक भी बताया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिकाओं सोमा सरकार, प्रियंका गगराई, अनिता कुमारी, निकिता चटर्जी, उषा कुमारी, आरती कुमारी, निर्मला लकड़ा, शिवानी कुमारी, रागिनी कुमारी, प्रियांशु केशरी, मल्लिका कुमारी महतो एवं कविता कुमारी तथा शिक्षकों श्रवण कुमार, जयंतो चौधरी, संदीप सिंह और रवि सिंह सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा। इस दौरान विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

टेल्को में मां काली की 22 फीट की प्रतिमा के विसर्जन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। टेल्को में आस्था, भक्ति और सामाजिक एकजुटता के साथ पांच दशक से अधिक समय से चली आ रही मां काली की पूजा शुक्रवार को भावुक माहौल में प्रतिमा विसर्जन के साथ संपन्न हुई। यंग बॉयज क्लब की ओर से स्थापित 22 फीट ऊंची मां काली की प्रतिमा को हजारों श्रद्धालु जयकारे लगाते हुए तार कंपनी सीटू तालाब तक लेकर पहुंचे। वहां पुरोहितों ने मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर मां काली की प्रतिमा का विसर्जन कराया। विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गयीं और पूरा क्षेत्र मां काली के जयकारों से गूंज उठा।

विसर्जन यात्रा में यंग बॉयज क्लब के अध्यक्ष पप्पू मिश्रा, संतोष प्रसाद, सुरेंद्र मिश्रा उर्फ टीपू मिश्रा, अनुराग सिंह, सोनू सिंह, राम राजन सिंह, एम. संतोष, धीरज मिश्रा, शशिकांत सिंह और नीरज पांडे समेत क्लब से जुड़े सदस्य शामिल रहे।





आयोजकों के अनुसार करीब पांच हजार श्रद्धालुओं ने प्रतिमा विसर्जन यात्रा में भाग लिया।? क्लब के सदस्य संतोष प्रसाद ने बताया कि यंग बॉयज क्लब की ओर से मां काली की पूजा की शुरूआत वर्ष 1978 में वरिष्ठ सदस्यों ने की थी। शुरूआती दौर में 15 फीट की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की जाती थी। समय के साथ पूजा का स्वरूप और श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती गयी तथा इस वर्ष मां काली की 22 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गयी। प्रतिमा का निर्माण कोलकाता से आए कारीगरों द्वारा किया जाता है।

उन्होंने बताया कि मां काली की पूजा की शुरूआत से जुड़ी एक धार्मिक मान्यता भी है। क्लब के एक वरिष्ठ सदस्य को स्वप्न में मां काली से पूजा करने की प्रेरणा मिली थी। इसके बाद शुरू हुई आराधना की परंपरा लगातार आगे बढ़ती रही। आज क्लब से जुड़े सदस्य देश के विभिन्न हिस्सों के अलावा विदेशों से भी काली पूजा में शामिल होने के लिए टेल्को पहुंचते हैं।

यंग बॉयज क्लब की पहचान केवल काली पूजा तक सीमित नहीं है। क्लब के सदस्य एक-दूसरे के सुख-दुख में परिवार की तरह साथ खड़े रहते हैं। उन्होंने बताया कि क्लब से जुड़े एक बच्चे को किडनी की गंभीर समस्या होने पर सभी सदस्यों ने आपस में सहयोग कर उसके इलाज की व्यवस्था की थी। आज वह बच्चा बड़ा होकर मोबाइल की दुकान चला रहा है और उसका परिवार भी हर वर्ष मां काली के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना करता है।

उन्होंने काली पूजा के आयोजन में श्रीराम सेना के संस्थापक सोनू सिंह के महत्वपूर्ण सहयोग का भी उल्लेख किया। संतोष प्रसाद के अनुसार पूजा को सफल बनाने में सोनू सिंह का सहयोग लगातार मिलता रहा है।

किसान सभा के 36वें राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए झारखंड के प्रतिनिधि तेलंगाना रवाना



बिभा संवाददाता

सिल्ली: अखिल भारतीय किसान सभा के 36वें राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए झारखंड राज्य किसान सभा के प्रतिनिधि धनबाद-एलेप्पी एक्सप्रेस से रांची स्टेशन से रवाना हुए। यह सम्मेलन 15 से 18 नवंबर तक नलगुंडा, तेलंगाना में आयोजित होगा। प्रतिनिधिमंडल में झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो, असिम सरकार, सुरजीत सिन्हा, स्वपन महतो, मदुवा कच्छप, प्रदीप गुड़िया, प्रफुल्ल लिंडा, शंकर उरांव, रीता स्वासी, मिला कुजुर, लगी सोरेन, बिसमबर महतो, राजू मुंडा, ललित मुंडा, सुखदेव महतो, सनातन देहरी और लखी मुर्मू शामिल हैं। झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव एवं अखिल भारतीय किसान सभा के केंद्रीय कमिटी सदस्य ने कहा कि 13 माह चले किसान आंदोलन में 750 किसानों की शहादत के बाद 10 दिसंबर 2021 को मोदी सरकार के साथ हुए लिखित समझौते में 3 माह के अंदर एमएसपी की कानूनी गारंटी सहित किसान मुद्दों को हल करने का आश्वासन आज तक लागू नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि देशभर में 4 लाख से ज्यादा किसान आत्महत्याएं, कृषि संकट, किसान विरोधी भारत-अमेरिका व्यापार समझौता, बीज और बिजली विधेयक, 4 लेबर कोड, मनरेगा का खात्मा, हाथियों का आतंक और जल, जंगल, जमीन, खनिज संपदा, सीएनटी-एसपीटी एक्ट की रक्षा पर मसौदा पारित किया जाएगा। शहीद बिरसा मुंडा जयंती 15 नवंबर को देश के सभी गांवों में किसान सभा के झंडोत्तोलन के साथ सम्मेलन का शुभारंभ होगा।

भाजपा ने कांग्रेस विधायक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धुर्वा थाना का किया घेराव

बिभा संवाददाता

रांची। कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा पर एक नाबालिग आदिवासी बच्ची की ओर से लगाए गए यौन शोषण के गंभीर आरोपों के विरोध में भाजपा रांची महानगर जिला के तत्वावधान में धुर्वा थाना का घेराव किया गया।

महानगर अध्यक्ष वरुण साहू के नेतृत्व में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों भाजपा कार्यकताओं ने शामिल होकर पीड़िता को न्याय दिलाने और आरोपित विधायक की अविलंब गिरफ्तारी की मांग को लेकर जोरदार आवाज बुलंद की।



भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सीमा सिंह ने कहा कि एक नाबालिग बच्ची के साथ यौन शोषण के लगाए गए आरोप अत्यंत गंभीर और संवेदनशील हैं। महिला सुरक्षा की बात करने वाली व्यवस्था को यह सुनिश्चित करना होगा कि पीड़िता को न्याय मिले, न कि उसे न्याय के लिए दर-दर भटकना पड़े। उन्होंने कहा कि बेटियों की अस्मिता और सुरक्षा किसी राजनीतिक दल की सीमा में बंधा विषय नहीं है। यह पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। दोषियों को किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाना चाहिए। भाजपा महिला मोर्चा पीड़िता को न्याय दिलाने की आवाज मजबूती से उठाता रहेगा।

भाजपा रांची महानगर जिला अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा कि एक नाबालिग आदिवासी बच्ची की ओर से लगाए गए गंभीर आरोप पूरे समाज को झकझोरने वाले हैं। यह मामला केवल एक बच्ची के साथ कथित अपराध का नहीं, बल्कि समाज में बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और न्याय व्यवस्था पर विश्वास का भी सवाल है। जब आरोप एक जनप्रतिनिधि पर लगे हों, तो पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की कि मामले में सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच करते हुए आरोपित विधायक की अविलंब गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए।

प्रदर्शन में शामिल कार्यकताओं ने एक स्वर में मांग की कि मामले में त्वरित कानूनी कार्रवाई हो, पीड़िता की पहचान गोपनीय रखी जाए, उसे सुरक्षा एवं उचित सहायता उपलब्ध कराई जाए। पीड़िता को न्याय मिलने और दोषियों पर कानून सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित होने तक भाजपा ने आंदोलन जारी रखने की बात कही। घेराव कार्यक्रम में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुबोध सिंह गुड्डू, बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, उमेश यादव, राजू सिंह, संकेत तिवारी, बीना मिश्रा, अनीता वर्मा, इंद्रजीत यादव, दिव्या साहू, शंकर दुबे, गीता गुप्ता सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राज्य स्थापना दिवस पर रांची में कल निकलेगी रन फॉर क्लीनलीनेस दौड़



बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य स्थापना दिवस के पावन अवसर पर राज्य सरकार के निदेर्शानुसार जिला प्रशासन, रांची की ओर से रविवार (15 नवंबर) को रन फॉर क्लीनलीनेस विशेष स्वच्छता दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। इस दौड़ की शुरूआत सुबह 7:00 बजे मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका से होगी, जो शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक तक जाएगी।

जिला प्रशासन के अनुसार, यह दौड़ केवल एक शारीरिक गतिविधि नहीं, बल्कि झारखंड की मिट्टी से जुड़ने, स्वच्छता के प्रति सामूहिक संकल्प लेने तथा राज्य के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी व्यक्त करने का माध्यम है। स्थापना दिवस के मौके पर नागरिकों को स्वच्छता अभियान से जोड़ने और 'स्वच्छ झारखंड-स्वस्थ झारखंड' की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। प्रशासन का मानना है कि स्वच्छता केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि जनसहभागिता से ही संभव है।

प्रशासन ने युवा, परिवार, छात्र-छात्राओं, अधिकारियों, कर्मचारियों सहित समाज के सभी वर्गों के नागरिकों को इस दौड़ में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। सभी इच्छुक प्रतिभागियों से निर्धारित समय से पूर्व बापू वाटिका, मोरहाबादी पहुंचकर स्वच्छता के इस सामूहिक संकल्प का हिस्सा बनने और समाज में स्वच्छता का संदेश फैलाने का अनुरोध किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

होटवार जेल में विचाराधीन कैदी से यौनाचार और मारपीट का आरोप, 19 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज



रांची(बिभा) : राजधानी रॉची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा से एक गंभीर मामला सामने आया है। जेल में बंद एक विचाराधीन कैदी के साथ अप्राकृतिक यौनाचार, मारपीट और जबरन नशीला पदार्थ पिलाने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में पीड़ित के पिता की शिकायत पर खेलगांव थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। एफआईआर में जेल के कई कैदियों के साथ जेल प्रशासन के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी आरोपी बनाया गया है। कुल 19 लोगों के नाम और पद का उल्लेख किया गया है। इनमें जेल अधीक्षक, वार्ड इंचार्ज और जेल अस्पताल के चिकित्साकर्मी भी शामिल हैं। मामले के सामने आने के बाद जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

होटवार जेल में बंदी से यौन हिंसा का मामला, बाबूलाल मरांडी ने आईजी को हटाने और सीबीआई जांच की मांग की

रांची(बिभा)। होटवार जेल में 20 वर्षीय विचाराधीन बंदी के साथ कथित सामूहिक यौन हिंसा का मामला सामने आया है। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस मामले में जेल आईजी सुदर्शन प्रसाद मंडल को पद से हटाकर निलंबित करने की मांग की है। मरांडी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि युवक के साथ तीन अलग-अलग अवसरों पर सामूहिक यौन हिंसा की गई। उसे जबरन नशीला पदार्थ पिलाया गया और शारीरिक प्रताड़ना दी गई। उन्होंने शिकायत फाड़ने, रक्तस्राव के बावजूद इलाज नहीं कराने और रिहाई के समय चिकित्सकीय जांच नहीं कराने के आरोपों का भी जिक्र किया। पीड़ित के पिता की शिकायत पर 12 नवंबर को खेलगांव थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मरांडी ने मई 2026 में इसी जेल की एक महिला बंदी से जुड़े कथित यौन शोषण के मामले का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उस मामले में झारखंड उच्च न्यायालय ने जेल आईजी की जांच रिपोर्ट और राज्य की जांच व्यवस्था पर असंतोष जताया था। ऐसे में मौजूदा मामले की जांच भी राज्य की एजेंसियों के बजाय सीबीआई से कराई जानी चाहिए। उन्होंने मौजूदा प्रकरण और जेल की पूर्ववर्ती गंभीर घटनाओं की सीबीआई जांच कराने की मांग की। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निलंबित करने, आरोपित कैदियों को दूसरी जेल में स्थानांतरित करने और पीड़ित व गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने जेल के सीसीटीवी फुटेज, ड्यूटी रजिस्टर और चिकित्सा अभिलेख सुरक्षित रखने की भी मांग की है।

महापर्व छठ को लेकर जेपी मार्केट में समाजसेवी अभय कुमार ने ईख और गागल का किया वितरण



रांची(बिभा)। लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर शुक्रवार को जेपी मार्केट में समाजसेवी अभय कुमार के नेतृत्व में छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं के बीच पूजन सामग्री के रूप में ईख और गागल का निःशुल्क वितरण किया गया। महापर्व की तैयारियों में सहयोग के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं ने पूजन सामग्री प्राप्त की। इस अवसर पर समाजसेवी अभय कुमार ने कहा कि छठ महापर्व पवित्रता, श्रद्धा और आपसी सहयोग का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि छठव्रतियों की सुविधा के लिए कुल 551 लोगों के बीच ईख और गागल वितरण करने का लक्ष्य रखा गया है। शुक्रवार को इसकी शुरूआत की गई है और शनिवार को भी जेपी मार्केट में यह वितरण कार्यक्रम जारी रहेगा, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को इसका लाभ मिल सके। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से अभय कुमार के साथ विशाल सिंह, सुरेंद्र यादव, रोशन कुमार, अजय कुमार, सोहन जायसवाल, विजय कुमार सहित दर्जनों गणमान्य लोग एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

दूसरों पर तंज कसने से पहले अपने दामन में झांके भाजपा : कांग्रेस

रांची(बिभा)। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि दूसरों पर उंगली उठाने से पहले भाजपा नेताओं को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। जिनकी अपना गिरेबान ही दागदार है, उन्हें दूसरे के फटे कुर्ते पर तंज कसने से पहले अपने दामन की चिंता करनी चाहिए। उन्होंने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भाजपा को दूसरों के मामलों में नैतिकता और जवाबदेही का पाठ पढ़ाने से पहले अपने नेताओं और अपने राजनीतिक आचरण से जुड़े गंभीर सवालों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर उठे सवालों और एपस्टीन फाइल से संबंधित सार्वजनिक चचाओं में जिन लोगों के नामों को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं, उन पर भाजपा अपनी स्थिति स्पष्ट करे। दूसरों पर सवाल उठाने में जितनी तत्परता भाजपा दिखाती है, उतनी ही तत्परता उसे अपने मामलों में पारदर्शिता दिखाने में भी दिखानी चाहिए। राकेश सिन्हा ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज होना या आरोप लगना उसे अपराधी घोषित करने का आधार नहीं हो सकता। कांग्रेस विधायक के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है, अब जांच एजेंसियां अपना काम करेंगी। जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन जांच पूरी होने से पहले भाजपा जिस तरह राजनीतिक बयानबाजी कर रही है और खुद ही अदालत लगाकर फैसला सुना रही है, वह उचित नहीं है।

उलिहातू से भाजपा की पदयात्रा शुरू, 15 नवंबर को कोकर में बिरसा मुंडा को देंगे श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

रांची/खूंटी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर शुक्रवार को झारखंड प्रदेश भाजपा की ओर से उनकी जन्मस्थली उलिहातू स्थित बिरसा ओड़ा से पदयात्रा शुरू की गई। पदयात्रा दोपहर 1:35 बजे रूगड़ी पहुंची। सोयको में जलपान के बाद यात्रा खूंटी पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम होगा। 14 नवंबर को खूंटी से रवाना होकर पदयात्रा रांची पहुंचेगी। इसके बाद 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर कोकर स्थित उनकी समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

पदयात्रा का उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, बलिदान और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ जनजातीय समाज के योगदान को सम्मान देना है। इसके माध्यम से केंद्र सरकार की ओर से जनजातीय समाज के अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी भी लोगों तक पहुंचाई जा रही है। भाजपा 11 से 18 नवंबर तक देश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रही है।



पदयात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा, मधु कोड़ा, पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा, नीरा मुंडा, गीता कोड़ा, रविंद्र बड़ाईक, गंगोत्री कुजूर, रामकुमार पाहन, समीर उरांव, आरती कुजूर, पवन साय सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

पदयात्रा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस सदन में देश के भविष्य और प्राथमिकताओं पर सार्थक चर्चा करने के बजाय अनर्गल बयानबाजी करती है। सत्ता से दूर होने की निराशा उसके नेताओं के बयानों में झलकती है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को अपनी बात गरिमापूर्ण तरीके से रखनी चाहिए, लेकिन गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी से जनता के बीच उसकी विश्वसनीयता कम हो रही है।

पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस और उसकी सहयोगी सरकारों ने झारखंड के वीर शहीदों को उचित सम्मान नहीं दिया। भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव, तिलका मांझी और गया मुंडा जैसे वीरों ने जल, जंगल, जमीन और आजादी के लिए संघर्ष किया, लेकिन उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर वह पहचान नहीं मिली जिसके वे हकदार थे।

उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा सरकार आने के बाद जनजातीय महापुरुषों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की पहल हुई। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पदयात्रा के माध्यम से देशभर में जनजातीय वीरों के संघर्ष और बलिदान को याद किया जा रहा है।

कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा की जल्द हो गिरफ्तारी : आदित्य साहू

बिभा संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। विधायक पर 14 वर्षीय आदिवासी बच्ची के यौन शोषण, दुष्कर्म और गर्भपात कराने के गंभीर आरोप लगे हैं। साहू ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पीड़िता और उसके परिवार को तत्काल सुरक्षा देने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि एक जनप्रतिनिधि पर ऐसे गंभीर आरोप लगना झारखंड को शर्मसार करने वाला है। बच्ची को पढ़ाने-लिखाने और भविष्य संवारने का भरोसा देकर विधायक ने अपने आवास पर बुलाया। पीड़िता ने विधायक के परिजनों पर मारपीट और प्रताड़ित करने के आरोप भी लगाए हैं। साहू ने मामले की निष्पक्ष जांच और सभी आरोपितों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की।



साहू ने राहुल गांधी और कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए पूछा कि पार्टी अपने विधायक के खिलाफ क्या कार्रवाई करेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झामुमो से भी स्पष्ट करने को कहा कि गठबंधन सरकार आरोपित विधायक को बचाएगी या पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए निष्पक्ष कार्रवाई करेगी।

उन्होंने चेतावनी दी कि आरोपित विधायक की गिरफ्तारी और पीड़िता की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हुई, तो भाजपा सड़क से सदन तक आंदोलन करेगी। जरूरत पड़ने पर राज्यव्यापी आंदोलन भी किया जाएगा।

सीएमपीडीआई की दो दिवसीय अंतर-क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता शुरू, छह टीमें ले रहीं भाग

बिभा संवाददाता

रांची: सीएमपीडीआई, मुख्यालय, रांची द्वारा दो दिवसीय अंतर-क्षेत्रीय संस्थान कबड्डी प्रतियोगिता-2026 का आयोजन दिनांक 13 से 14 नवंबर, 2026 तक सीएमपीडीआई के गोंडवाना प्लेस स्थित खेल मैदान में किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्घाटन आज सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) श्री चौधरी शिवराज सिंह ने सीएमपीडीआई का खेल ध्वज फहराकर किया। इस अवसर पर श्री अजय कुमार, निदेशक (तकनीकी/ईएसए), सीएमपीडीआई; सीआईएल के कार्यपालक निदेशक (गवेषण) श्री आर0के0 सिंह, सहित विभागाध्यक्ष, महाप्रबंधक एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।



इस दो दिवसीय अंतर-क्षेत्रीय संस्थान कबड्डी टूर्नामेंट 2026-27 में मेजबान टीम मुख्यालय-रांची सहित क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची, क्षेत्रीय संस्थान-4-नागपुर, क्षेत्रीय संस्थान-5-बिलासपुर, क्षेत्रीय संस्थान-6-सिंगरौली एवं क्षेत्रीय संस्थान-7-भुवनेश्वर की टीमों ने भाग लिया।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्री चौधरी शिवराज सिंह ने कहा कि खेल टीम भावना, अनुशासन, आपसी सम्मान एवं सौहार्द को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विभिन्न क्षेत्रीय संस्थानों के कर्मचारियों को आपस में जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं तथा सीएमपीडीआई में एकता एवं सामूहिकता की भावना को सुदृढ़ करती हैं।

यह दो दिवसीय प्रतियोगिता सीएमपीडीआई की खेल एवं फिटनेस को प्रोत्साहित करने तथा सशक्त संगठनात्मक संस्कृति विकसित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। साथ ही, यह कर्मचारियों के बीच एकता, आपसी सहयोग एवं सौहार्द को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

नामकुम स्टेशन पर आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई, 59 हजार की स्कॉच व्हिस्की के साथ बिहार के दो तस्कर गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची : दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन 'सतर्क' के तहत अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नामकुम रेलवे स्टेशन से दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके ट्रॉली बैग से 'ब्लैक डॉग ट्रिपल गोल्ड रिजर्व' ब्लेंडेड स्कॉच व्हिस्की की कुल 22 बोतलें (16.5 लीटर) बरामद की गई हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 59,400 रुपये बताई गई है।

जानकारी के अनुसार, आरपीएफ पोस्ट रांची और फ्लाइंग टीम द्वारा गुरुवार शाम नामकुम स्टेशन पर विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा था। शाम करीब 7:40 बजे प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर फुट ओवरब्रिज (एफओबी) के पास दो युवक दो ट्रॉली बैग के साथ संदिग्ध अवस्था में बैठे दिखे। संदेह के आधार पर टीम ने दोनों को रोककर पूछताछ की और बैग की तलाशी ली।



गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार के नालंदा जिला निवासी विक्की राज (24) और पिंटू कुमार (26) के रूप में हुई है।

तलाशी के दौरान विक्की राज के आसमानी रंग के ट्रॉली बैग से 11 बोतलें और पिंटू कुमार के नीले ट्रॉली बैग से 11 बोतलें (प्रत्येक 750 एमएल) बरामद हुईं। वैध दस्तावेज मांगने पर दोनों कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि वे रांची से शराब खरीदकर बिहार ले जा रहे थे, जहां इसे ऊंचे दामों पर बेचने की योजना थी।

आरपीएफ के सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) अजीत कुमार ने विधिवत जब्ती सूची तैयार कर शराब को जब्त किया और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आरपीएफ पोस्ट रांची लाया। शुक्रवार को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों और जब्त शराब को आगे की कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग, रांची को सौंप दिया गया। आरपीएफ ने बताया कि स्टेशनों व ट्रेनों में शराब तस्करी रोकने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

झारखंड की जेलों में 85 कैदी मना रहे हैं छठ महापर्व, प्रशासन ने किए खास इंतजाम

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची सहित राज्य के अन्य जेलों में 85 कैदी लोक आस्था के महापर्व छठ मना रहे हैं। इनमें 36 महिला और 49 पुरुष बंदी शामिल हैं। जेल परिसर के भीतर ही पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना की जा रही है।

झारखंड के जेल आईजी सुदर्शन मंडल ने शुक्रवार को बताया कि बंदियों की धार्मिक आस्था और भावनाओं का सम्मान करते हुए जेल प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की है। जेलों के अंदर साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल, रोशनी और कृत्रिम पूजा स्थल (अर्घ्य के लिए जल कुंड) तैयार किए गए हैं। इसके साथ व्रती बंदियों को प्रशासन की ओर से पूजन सामग्री, फल, नैवेद्य और नए वस्त्र भी उपलब्ध कराए गए हैं। पर्व के दौरान जेल में सुरक्षा और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है।



राजधानी रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में सबसे अधिक 18 बंदी छठ महापर्व कर रहे हैं, जिनमें 9 महिला और 9 पुरुष बंदी शामिल हैं। इसी प्रकार हजारीबाग लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा से 5 महिला और 6 पुरुष, मेदिनीनगर केंद्रीय कारा 5 महिला और 3 पुरुष, दुमका केंद्रीय कारा से 1 महिला और 4 पुरुष, घाघीडीह केंद्रीय कारा (जमशेदपुर) 1 महिला बंदी।

केंद्रीय काराओं के अलावा राज्य की कई मंडल और उपकाराओं में भी छठी मैया के गीत गूंज रहे हैं। गढ़वा मंडल कारा में 9 महिला और 6 पुरुष समेत कुल 15 बंदी व्रत कर रहे हैं। वहीं, धनबाद मंडल कारा में 3 महिला और 6 पुरुष बंदी छठ पूजा में शामिल हैं। इसके अलावा गिरिडीह मंडल कारा में 8 पुरुष, साहेबगंज मंडल कारा में 4 पुरुष और चतरा मंडल कारा में 2 पुरुष बंदी व्रत रख रहे हैं। उपकाराओं की बात करें तो राजमहल उपकारा में 2 महिला व 1 पुरुष तथा गढ़वा के श्री बंशीधर नगर उपकारा में 1 महिला बंदी छठ कर रही हैं।

झारखंड की कई जेलें ऐसी भी हैं, जहां इस वर्ष कोई भी बंदी छठ महापर्व नहीं कर रहा है। इनमें चाईबासा, चास, देवघर, गोड्डा, गुमला, जामताड़ा, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा, पाकुड़, साकची, सरायकेला और सिमडेगा की जेलें शामिल हैं। साथ ही बरही, घाटशिला, खूंटी, मधुपुर, रामगढ़ और तेनुघाट उपकारा के अलावा हजारीबाग स्थित आत्मसमर्पित नक्सली बंदी कारा में भी किसी बंदी के व्रत करने की सूचना नहीं है।

जैक के परीक्षा फीस में की गई वृद्धि को लेकर आजसू ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन



बिभा संवाददाता

रांची। अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन लोकभवन और मुख्यमंत्री आवास के संबंधित अधिकारियों को सौंपा।

ज्ञापन में झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) की ओर से मैट्रिक और इंटर की परीक्षा फीस में की गई बढ़ोतरी को कम करने की मांग की गई। आजसू ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि जैक की आधिकारिक वेबसाइट और विभिन्न अखबारों के माध्यम से यह जानकारी प्राप्त हो रही है कि वर्ष 2026-27 में आयोजित होने वाली मैट्रिक एवं इंटर की परीक्षा शुल्क में परिषद ने वृद्धि की है।

प्रतिनिधिमंडल नेकहा कि राज्य में पहले से ही लाखों विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित हैं। ऐसी परिस्थिति में परीक्षा शुल्क में की गई यह बढ़ोतरी छात्रों और उनके अभिभावकों के ऊपर एक अतिरिक्त आर्थिक बोझ के रूप में पड़ेगी।

प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन के जरिये राज्य सरकार से वर्ष 2026-27 की मैट्रिक और इंटर परीक्षा शुल्क में की गई बढ़ोतरी को तत्काल वापस लेने एवं छात्र हित में शुल्क को पूर्ववत रखने का आग्रह किया है। मौके पर आजसू के छात्र इकाई के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, प्रदेश सचिव राजेश सिंह, अनुष्का सिन्हा, महानगर अध्यक्ष अमन साहू, महानगर उपाध्यक्ष यश सोनी सहित अन्य उपस्थित थे।

नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय महापर्व छठ शुरू

बिभा संवाददाता

बोकारो। चास प्रखंड के बिजुलिया, बांधडीह, बेलुंजा, आसनबनी, तलगड़िया, बाटबिनोर सहित आसपास के गांवों में सूयोर्पासना का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ विधिवत शुरू हो गया। पर्व के पहले दिन छठ व्रतियों ने स्नान कर पवित्रता के साथ पूजा-अर्चना की। इसके बाद अरवा चावल का भात, चने की दाल और कद्दू की सब्जी से तैयार शुद्ध सात्विक भोजन छठी मइया को अर्पित कर प्रसाद के रूप में ग्रहण किया।

शनिवार, 14 नवंबर को कार्तिक शुक्ल पंचमी के अवसर पर खरना का अनुष्ठान किया जाएगा। इस अनुष्ठान के बाद व्रती 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू करेंगे। पर्व के तीसरे दिन रविवार, 15 नवंबर को षष्ठी तिथि पर व्रती नदी, तालाब और पोखरों में अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित करेंगे। वहीं, सोमवार, 16 नवंबर को सप्तमी तिथि पर उदीयमान सूर्य को दूसरा अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय व्रत का समापन होगा और व्रती पारण करेंगे।

महापर्व को लेकर क्षेत्र में तैयारियां जोरों पर हैं। बिजुलिया मार्केट और जिला परिषद मार्केट में छठ पूजा से संबंधित सामग्री की दुकानें सज गई हैं। वहीं, विभिन्न गांवों में छठ घाटों और मंदिरों को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया है। पर्व की शुरूआत के साथ ही पूरा क्षेत्र भगवान भास्कर और छठी मइया के पारंपरिक गीतों से भक्तिमय हो उठा है। जगह-जगह भक्ति जागरण, श्रीकृष्ण रासलीला, भजन संध्या और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। छठ महापर्व को लेकर व्रतियों और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व नहाए खाए के साथ प्रारंभ



तेनुघाटः तेनुघाट में भी लोक आस्था, पवित्रता और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। महापर्व की शुरूआत होते ही घरों से लेकर बाजारों तक भक्तिमय माहौल देखने को मिलने लगा। सुबह से ही छठ व्रतियों ने स्नान कर भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही पूरी शुद्धता, पवित्रता और सात्विकता के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ।नहाय-खाय के अवसर पर व्रतियों ने पारंपरिक तरीके से कद्दू-भात और चने की दाल का प्रसाद तैयार किया। इस प्रसाद को ग्रहण करने के साथ ही व्रतियों ने छठ महापर्व का संकल्प लिया। छठ पूजा में स्वच्छता और पवित्रता का विशेष महत्व होता है। यही वजह है कि घरों की साफ-सफाई से लेकर पूजा सामग्री और प्रसाद तैयार करने तक हर कार्य पूरी श्रद्धा और पारंपरिक नियमों के अनुसार किया जाता है। महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को खरना का अनुष्ठान होगा। इस दिन व्रती दिनभर निर्जला उपवास रखकर शाम को स्नान के बाद भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद तैयार किया जाएगा। पूजा संपन्न होने के बाद व्रती प्रसाद ग्रहण करेंगे तथा परिवार के सदस्यों और आसपास के लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया जाएगा।खरना के साथ ही छठ व्रतियों का लगभग 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जाएगा। इसके बाद रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया जाएगा, जबकि सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय महापर्व का समापन होगा।

छठ की खरीदारी कर रांची से लौट रहे बाइक सवार की हाईवा की टक्कर से मौत

बिभा संवाददाता



पेटरवार (बोकारो)। बोकारो जिले के पेटरवार थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-23 रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग पर शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा पेटरवार स्थित इंडियन पेट्रोल पंप के सामने हुआ, जहां एक तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। बाइक पर सवार मृतक का भतीजा इस हादसे में बाल-बाल बच गया और उसे कोई चोट नहीं आई।

मिली जानकारी के अनुसार, मृतक के घर में छठ महापर्व का आयोजन होना था। इसी को लेकर वह अपने भतीजे के साथ छठ पूजा की आवश्यक सामग्री की खरीदारी करने रांची गए थे। खरीदारी करने के बाद दोनों बाइक से वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान पेटरवार इंडियन पेट्रोल पंप के सामने एक हाईवा ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ मौजूद भतीजा सुरक्षित बच गया।

घटना की सूचना मिलते ही पेटरवार पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। बुंडू पंचायत की मुखिया निहारिका सुकृति भी घटनास्थल पर पहुंचीं और दुर्घटना की जानकारी ली। पुलिस ने हादसे के संबंध में जांच शुरू कर दी है।

छठ महापर्व की तैयारियों के बीच हुए इस हादसे से मृतक के परिवार में मातम पसर गया है। जिस घर में छठ पूजा की खुशियां मनाने की तैयारी चल रही थी, वहां अचानक मातम छा गया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

संक्षिप्त खबरें

समाजसेवी भवानी शंकर जायसवाल के निधन पर भारत विकास परिषद ने दी श्रद्धांजलि



बोकारो(बिभा) : बोकारो एवं कसमार के प्रतिष्ठित समाजसेवी और शिक्षाविद भवानी शंकर जायसवाल (84) के निधन पर भारत विकास परिषद, दक्षिण शाखा द्वारा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। परिषद के सदस्यों ने कहा कि वे संस्था के संस्थापक सदस्यों में से एक थे और उनके निधन से सामाजिक व शैक्षणिक जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। ज्ञात हो कि मूल रूप से कसमार निवासी भवानी शंकर जायसवाल का शुक्रवार को ब्रह्म मुहूर्त में को-ऑपरेटिव कॉलोनी स्थित आवास पर निधन हो गया। वे पिछले कुछ वर्षों से ब्लड कैंसर से पीड़ित थे और अस्वस्थ चल रहे थे। सेल के बोकारो इस्पात संयंत्र में नगर प्रशासक के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद भी उन्होंने अपना जीवन समाजसेवा और शिक्षा को समर्पित रखा। स्व. जायसवाल पिछले करीब 30 वर्षों से रोटरी क्लब बोकारो के सक्रिय सदस्य रहे और वर्ष 2011-12 में अध्यक्ष का दायित्व भी संभाला। इसके अलावा वे डीएवी स्कूल के वाइस चेयरमैन तथा आशालता विकलांग विकास केंद्र के संस्थापक सदस्यों में शामिल थे। अंतिम समय तक वे इस केंद्र को विद्यालय के रूप में विकसित करने में जुटे रहे। भारत विकास परिषद, दक्षिण शाखा परिवार ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

ओएनजीसी सीबीएम एसेट ने गोमिया के जलस्रोतों व घाटों पर चलाया विशेष स्वच्छता अभियान



बोकारो (बिभा): ओएनजीसी सीबीएम एसेट, बोकारो की ओर से निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत गोमिया प्रखंड के विभिन्न पंचायतों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित नदी, तालाब और जलस्रोतों की साफ-सफाई के लिए विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह अभियान परिसंपत्ति प्रबंधक राजीव कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में संचालित हुआ। अभियान के अंतर्गत गोमिया, होसिर पूर्वी, सियारी, ढेंढे बस्ती, बिरसा ग्राम, तेनुघाट डैम, महली बांध और खजुरिया समेत अन्य चिन्हित स्थलों पर सफाई की गई। इस दौरान नदी व तालाबों के घाटों तथा आसपास के क्षेत्रों से कचरा और प्लास्टिक अपशिष्ट का निष्कासन किया गया, ताकि जलस्रोतों के आसपास स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण बना रहे। ज्ञात हो कि ओएनजीसी सीबीएम परिसंपत्ति झारखंड के बोकारो जिले स्थित गोमिया, परबतपुर एवं झरिया तथा हजारीबाग के नॉर्थ करनपुरा ब्लॉक अंतर्गत बड़कागांव में कोलबेड मीथेन (सीबीएम) गैस के अन्वेषण और उत्पादन का कार्य कर रही है।

बोकारो जनरल अस्पताल में तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 के तहत जागरूकता रैली एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित



बोकारो (बिभा): तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 के तहत शुक्रवार को बोकारो जनरल अस्पताल में तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु रैली, शपथ कार्यक्रम एवं हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. बी. बी. करुणामय ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर डॉ. करुणामय ने कहा कि तंबाकू चाहे धूम्रपान के रूप में हो या धुआं रहित रूप में, हर प्रकार से स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। तंबाकू सेवन से टीबी का खतरा लगभग ढाई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने युवाओं से तंबाकू से दूर रहने की अपील करते हुए बताया कि इक्कट्ठ के ओपीडी नंबर 9 में तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श एवं सहायता उपलब्ध है। अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आर. के. गौतम ने बताया कि तंबाकू में निकोटीन, टार, कार्बन मोनोऑक्साइड, बेंजीन, आर्सेनिक एवं अमोनिया जैसे हानिकारक रसायन पाए जाते हैं, जो हृदय, फेफड़े एवं शरीर के अन्य अंगों को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने युवाओं से तंबाकू से दूर रहकर स्वस्थ समाज एवं स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने की अपील की। वहीं, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम, बोकारो के जिला परामर्शी मोहम्मद असलम ने कहा कि तंबाकू नियंत्रण के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता जरूरी है। युवाओं को साथियों के दबाव एवं शौक में तंबाकू सेवन की शुरूआत करने से बचना चाहिए। उन्होंने सभी से स्वयं तंबाकू से दूर रहने तथा दूसरों को भी जागरूक कर तंबाकू मुक्त बोकारो के निर्माण में सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में डॉ. संतोष, डॉ. तृप्ति, डॉ. दीपक, डॉ. अनिल, डॉ. इंद्रनील, डॉ. अमरेंद्र, डॉ. प्रियंका, सिस्टर नीलिमा एवं सिस्टर ज्योति छोटेलाल दास दिनेश कुमार सहित अन्य चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रहे।

साढ़े तीन डिसमिल जमीन को लेकर विवाद, बाउंड्री और निर्माणाधीन मकान तोड़ने का आरोप

बालीडीह के राजेंद्र नगर में दो पक्ष आमने-सामने, सोशल मीडिया पर भी आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी

बिभा संवाददाता



बोकारो। बालीडीह थाना क्षेत्र के हेसाबातू पूर्वी पंचायत अंतर्गत राजेंद्र नगर में साढ़े तीन डिसमिल जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद गहरा गया है। जमीन पर कब्जे को लेकर दोनों पक्ष एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। मामला अब सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। एक पक्ष ने बाउंड्री और निर्माणाधीन मकान तोड़ने, धमकी देने तथा रंगदारी मांगने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। वहीं दूसरे पक्ष की मुस्कान परवीन ने जमीन जबरन हड़पने का आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार, विवादित जमीन अब्दुल समद द्वारा वर्ष 2026 में खरीदे जाने की बात कही जा रही है। बताया गया है कि जमीन पर पहले से मकान बना हुआ था और उसकी बाउंड्री भी की गई थी। इसके बाद वहां निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान दूसरे पक्ष पर निर्माणाधीन मकान और बाउंड्री को तोड़ने का आरोप लगाया गया है। घटना से संबंधित एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें जमीन पर तोड़फोड़ किए जाने का मामला चर्चा में है।

वहीं, मुस्कान परवीन का कहना है कि उनके साथ अन्याय हो रहा है और वे खुद को इस मामले में पीड़ित बता रही हैं। दूसरी ओर, आरिफ का आरोप है कि तोड़फोड़ और रंगदारी मांगने को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई है। उनका कहना है कि गिरफ्तारी के डर से झूठे आरोप लगाकर प्रशासन और स्थानीय लोगों को प्रभावित करने तथा मामले को दूसरी दिशा में मोड़ने की कोशिश की जा रही है।

मामले में दोनों पक्षों की ओर से पुलिस के समक्ष अपनी-अपनी शिकायतें और दलीलें रखी जा रही हैं। पुलिस का कहना है कि विवाद मूल रूप से जमीन के स्वामित्व से जुड़ा है, जिसका फैसला पुलिस नहीं कर सकती। हालांकि, बाउंड्री और निर्माणाधीन मकान तोड़ने तथा रंगदारी से संबंधित शिकायत प्राप्त हुई है। सामने आए वीडियो की भी जांच की जा रही है।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। वहीं, जमीन विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच जारी आरोप-प्रत्यारोप से इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

स्वास्थ्य कर्मियों और उनके परिवारों की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी : इरफान अंसारी

बिभा संवाददाता

जामताड़ा। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के करीब 15 हजार अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मियों को स्वास्थ्य बीमा योजना से जोड़ने की पहल की है। इससे स्वास्थ्य कर्मियों और उनके परिवारों को चिकित्सा संबंधी खर्चों में आर्थिक सुरक्षा मिलने की उम्मीद है। मंत्री ने शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मी पिछले 20 वर्षों से स्वास्थ्य बीमा और मेडिक्लेम की सुविधा की मांग कर रहे थे। मरीजों की सेवा और राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने में लगातार योगदान देने के बावजूद उन्हें और उनके परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ नहीं मिल पा रहा था। इस पहल को कर्मियों की लंबे समय से लंबित मांगों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने में डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, ओटी टेक्नीशियन, सुरक्षा और सफाई कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वास्थ्य कर्मियों की पीड़ा सरकार की पीड़ा है। मरीजों की सेवा करने वाले कर्मियों और उनके परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार उनके अभिभावक के रूप में हमेशा उनके साथ खड़ी है।

मंत्री ने कहा कि इस पहल से जामताड़ा सदर अस्पताल सहित राज्य के स्वास्थ्य संस्थानों में कार्यरत पात्र कर्मियों को लाभ मिलेगा।

झारखंड में बड़ा निवेश करेगा डीवीसी, चंद्रपुरा में लगेगी 1600 मेगावाट की नई परियोजना: राजेश पांडेय

बिभा संवाददाता



चंद्रपुरा (बोकारो) : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के अध्यक्ष राजेश पांडेय (भाप्रसे) ने गुरुवार को चंद्रपुरा थर्मल पावर प्लांट (सीटीपीएस) का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इससे पूर्व वे बुधवार शाम बोकारो थर्मल पावर प्लांट का जायजा लेकर चंद्रपुरा पहुंचे थे। इस दौरान एक कार्यक्रम में उन्होंने घोषणा की कि डीवीसी झारखंड में बड़ा निवेश करेगा, जिससे रोजगार सृजन के साथ क्षेत्र की समृद्धि होगी।

1600 मेगावाट के नए प्लांट के कार्यालय का उद्घाटन

श्री पांडेय ने कोल इंडिया और डीवीसी के संयुक्त उपक्रम (ज्वाइंट वेंचर) से स्थापित होने वाले 1600 मेगावाट (800ग्2 यूनिट) के सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट के कार्यालय और स्मार्ट ट्रेनिंग सेंटर का उद्घाटन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा पुराने संयंत्रों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही चंद्रपुरा प्रशिक्षण संस्थान को आसपास के तकनीकी व शैक्षणिक संस्थानों से जोड़ने की बात कही।

सोलर ट्री व यक्ष्मा जांच केंद्र का शुभारंभ, सीएसआर कार्यक्रमों में की शिरकत

अध्यक्ष ने प्लांट परिसर में सोलर ट्री और आधुनिक यक्ष्मा (टीबी) जांच केंद्र का उद्घाटन किया तथा तेजस भवन में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। वहीं, ऑफिसर्स क्लब में सीएसआर विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी व सांस्कृतिक कार्यक्रम में उनकी धर्मपत्नी शालिनी पांडेय ने शिरकत कर प्रशिक्षित महिलाओं को प्रमाण पत्र बांटे। इस अवसर पर बोकारो उपायुक्त अजय नाथ ने क्षेत्र में नाट्य मंच को बढ़ावा देने पर जोर दिया, जबकि ब्रह्मकुमारीज की बहनों ने तनाव मुक्त जीवन जीने के टिप्स दिए।

यूनियन व विस्थापित प्रतिनिधियों ने भी अध्यक्ष से मिलकर नए प्लांट की शुभकामनाएं दीं। मौके पर कार्यपालक निदेशक राजेश कुमार, संजीव श्रीवास्तव, अमन ज्योति, परियोजना प्रधान राम कुमार अनुभवी, वरिष्ठ महाप्रबंधक राजेश कुमार, उपमहाप्रबंधक नीरज सिन्हा, राजीव कुमार, डॉ. पीके घोष, आरपी सिंह समेत बड़ी संख्या में अधिकारी उपस्थित थे।

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर बोकारो स्टील प्लांट में मिलेट्स आधारित पाककला प्रतियोगिता का आयोजन

बिभा संवाददाता



बोकारो। जनजातीय गौरव दिवस 2026 के उपलक्ष्य में बोकारो स्टील प्लांट के मानव संसाधन विभाग के तत्वावधान में एचआर/एलएंडडी रिट्रीट में एक आकर्षक एवं उत्साहपूर्ण पाककला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की थीम जनजातीय विरासत और मिलेट्स की पौष्टिकता का संगम रखी गई थी।

इस प्रतियोगिता में 16 बीएसएल कर्मियों की पत्नियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों ने झारखंड की समृद्ध पारंपरिक पाककला, जनजातीय खानपान की विशिष्ट संस्कृति तथा मोटे अनाज (मिलेट्स) के पोषण संबंधी महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम में सीजीएम (एचआर) की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई तथा प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिता ने प्रतिभागियों को अपनी पाककला प्रतिभा एवं रचनात्मकता प्रदर्शित करने के साथ-साथ झारखंड की जनजातीय परंपराओं और पारंपरिक व्यंजनों की समृद्ध विरासत को प्रस्तुत करने का एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया।

प्रतिभागियों ने मिलेट्स से तैयार विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट एवं पौष्टिक व्यंजन प्रस्तुत किए। इन व्यंजनों में पारंपरिक पाककला और आधुनिक प्रस्तुति का सुंदर समन्वय देखने को मिला। प्रत्येक व्यंजन को विशेष रचनात्मकता, सावधानी और आकर्षक ढंग से तैयार एवं प्रस्तुत किया गया, जिससे प्रतियोगिता एक यादगार पाककला अनुभव बन गई।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन श्री जे. एन. हांसदा, सीजीएम (शॉप्स एंड फाउंड्री) तथा श्रीमती सुनीता मिंज, जीएम (आरसीएल) द्वारा किया गया। दोनों निर्णायकों ने प्रतिभागियों के प्रयासों और व्यंजनों की विविधता की सराहना की। उन्होंने प्रतिभागियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और उनकी पाककला प्रतिभा की प्रशंसा की।

यह आयोजन खानपान, संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता का एक सुंदर उत्सव साबित हुआ। प्रतियोगिता के माध्यम से न केवल मिलेट्स जैसे पारंपरिक एवं पौष्टिक खाद्यान्नों के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई, बल्कि जनजातीय समुदायों की समृद्ध खाद्य संस्कृति एवं पारंपरिक पाककला विरासत को भी आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया।

इस पहल के माध्यम से बोकारो स्टील प्लांट ने जनजातीय गौरव दिवस के आयोजनों के तहत देश की समृद्ध जनजातीय परंपराओं, सांस्कृतिक विविधता एवं स्वदेशी खानपान की विरासत को प्रोत्साहित करने की अपनी प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित किया।

आद्रा मंडल में जनजातीय गौरव दिवस पर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को दी गई श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता



बोकारो। दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में छठे जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 01 नवंबर से 15 नवंबर 2026 तक विभिन्न जागरूकता, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी एवं धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष, बलिदान तथा जनजातीय समाज के उत्थान में उनके अमूल्य योगदान को स्मरण करना और उनके आदर्शों, विचारों एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है।

इसी क्रम में शुक्रवार को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, आद्रा के मंडलीय सम्मेलन कक्ष में मंडल रेल प्रबंधक मुकेश गुप्ता के नेतृत्व में एक विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती (15 नवंबर) के उपलक्ष्य में उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रास्ट्रक्चर) अमित कंचन एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (ऑपरेशन्स) खगेन्द्र नाथ घोष सहित विभिन्न विभागों के शाखा अधिकारियों, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) एसोसिएशन के प्रतिनिधियों तथा मंडलीय कार्यालय के कर्मचारियों ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में आद्रा मंडल के विभिन्न स्थानों पर अनेक जागरूकता, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के अंतर्गत स्वच्छता अभियान, खेलकूद प्रतियोगिताएं, भगवान बिरसा मुंडा के जीवन एवं संघर्ष पर प्रश्नोत्तरी तथा निबंध प्रतियोगिताएं और जनजातीय कला एवं संस्कृति पर आधारित चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इसके अतिरिक्त, बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन पर जनजातीय सशक्तिकरण के संदेश को प्रसारित करने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इन कार्यक्रमों में बच्चों, युवाओं एवं रेल कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन आयोजनों के माध्यम से जनजातीय संस्कृति, गौरवशाली इतिहास, कला एवं परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा भगवान बिरसा मुंडा के प्रेरणादायी जीवन, संघर्ष और बलिदान से नई पीढ़ी को परिचित कराने का प्रयास किया गया।

आद्रा मंडल द्वारा आयोजित ये कार्यक्रम जनजातीय समाज की समृद्ध विरासत, संस्कृति एवं गौरवशाली इतिहास के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ-साथ भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों, विचारों और राष्ट्रभक्ति की भावना को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में एक सार्थक पहल हैं।

छठ घाटों की सुरक्षा व्यवस्था का एएसपी ने लिया जायजा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश



बिभा संवाददाता

बोकारो। आगामी छठ महापर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने को लेकर शुक्रवार को सहायक पुलिस अधीक्षक, चास ने चास अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रमुख छठ घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस प्रशासन की तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के क्रम में तेलमोचो घाट, सोलागीडीह तालाब, इजरी नदी घाट, गरगा नदी घाट सहित अन्य छठ घाटों का भ्रमण किया गया। मौके पर चास थाना प्रभारी, चिराचास थाना प्रभारी, चास मुफस्सिल थाना प्रभारी एवं पिंड्राजोरा थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

सहायक पुलिस अधीक्षक ने पुलिस पदाधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं छठ पूजा समितियों के सदस्यों को आपसी समन्वय के साथ पर्व को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी घाटों पर सुरक्षित जलस्तर तक बैरिकेडिंग कराने, पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती करने तथा महिला पुलिसकर्मियों की भी प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

इसके अलावा घाटों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था, यातायात नियंत्रण एवं भीड़ प्रबंधन को लेकर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया। नदी एवं तालाबों में किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए समय रहते गोताखोरों की व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा गया। पुलिस प्रशासन ने छठ पूजा समितियों से समन्वय बनाकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की।

नहाय-खाय से छठ महापर्व का आगाज, सूर्य उपासना के महापर्व में जुटे श्रद्धालु

कद्दू-भात का प्रसाद ग्रहण कर व्रतियों ने शुरू किया चार दिवसीय अनुष्ठान, छठी मैया के गीतों से भक्तिमय हुआ हजारीबाग

बिभा संवाददाता



हजारीबाग : लोक आस्था, पवित्रता और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ श्रद्धा और भक्तिभाव के वातावरण में प्रारंभ हो गया। पर्व की शुरूआत होते ही पूरे शहर में छठी मैया के गीत गूंजने लगे हैं और घरों में पूजा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। नहाय-खाय के अवसर पर व्रतियों ने स्नान कर स्वच्छता और पवित्रता का विशेष ध्यान रखते हुए व्रत का संकल्प लिया। इस दिन परंपरा के अनुसार कद्दू की सब्जी, चने की दाल और चावल का प्रसाद तैयार कर ग्रहण किया गया। मान्यता है कि नहाय-खाय के साथ ही व्रती तन और मन की शुद्धता के साथ छठ व्रत की शुरूआत करते हैं। चार दिवसीय इस महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को खरना होगा। इस अवसर पर व्रती पूरे दिन उपवास रखकर शाम को गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण करेंगी। इसके बाद 15 नवंबर को अस्ताचलगामी सूर्य को संध्या अर्घ्य अर्पित किया जाएगा, जबकि 16 नवंबर को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ महापर्व का समापन होगा।

छठ महापर्व को लेकर शहर के विभिन्न छठ घाटों पर साफ-सफाई, रोशनी और सुरक्षा की तैयारियां की जा रही हैं। प्रशासन, नगर निगम और स्थानीय सामाजिक संस्थाएं श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर सक्रिय हैं। वहीं, घरों में छठी मैया के पारंपरिक गीतों के बीच पूजा सामग्री की तैयारी और प्रसाद बनाने का सिलसिला शुरू हो गया है। इस अवसर पर छठव्रती विनीता खंडेलवाल ने अपनी आस्था व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनका नौवां वर्ष है, जब वे लगातार छठी मैया की पूजा-अर्चना और व्रत करती आ रही हैं। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व उनके लिए केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि गहरी आस्था, विश्वास और परिवार की सुख-समृद्धि से जुड़ा पर्व है। छठी मैया की कृपा और आशीर्वाद से वे हर वर्ष पूरी श्रद्धा के साथ यह व्रत करती हैं। छठ महापर्व भारतीय संस्कृति में प्रकृति और सूर्य के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। यह पर्व सामाजिक एकता, अनुशासन, स्वच्छता और पारिवारिक परंपराओं को भी मजबूत करता है। नहाय-खाय के साथ ही पूरा हजारीबाग छठी मैया की भक्ति में सराबोर नजर आने लगा है।

नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व शुरू

बिभा संवाददाता

लोहरदगा: लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। इसके साथ ही जिलेभर में छठ पूजा की रौनक बढ़ने लगी है। घरों से लेकर बाजारों तक छठ महापर्व को लेकर उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिल रहा है। पर्व के पहले दिन व्रतियों ने सुबह स्नान कर घरों की साफ-सफाई की और पूरी पवित्रता के साथ भगवान सूर्य की आराधना करते हुए छठ व्रत का संकल्प लिया। नहाय-खाय के अवसर पर व्रतियों के लिए विशेष रूप से कद्दू-भात का प्रसाद तैयार किया गया। अरवा चावल, चने की दाल और सेंधा नमक से बनी कद्दू की सात्विक सब्जी को पूरी शुद्धता के साथ पकाया गया। भोजन तैयार करने से लेकर ग्रहण करने तक विशेष नियमों और स्वच्छता का ध्यान रखा गया। व्रतियों ने प्रसाद ग्रहण किया और परिवार के अन्य सदस्यों के बीच भी प्रसाद वितरित किया। छठ महापर्व को ले घरों में साफ-सफाई और पूजा की तैयारियां तेज हो गई हैं। बाजारों में भी पूजा सामग्री, फल, सूप, दउरा, नारियल और अन्य आवश्यक सामानों की खरीदारी शुरू हो गई है। वहीं, छठ घाटों पर भी समितियों की ओर से साफ-सफाई, रोशनी और अन्य सुविधाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। छठी मइया के पारंपरिक गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है।चार दिनों तक चलने वाले इस कठिन व्रत के दूसरे दिन शनिवार को खरना होगा। इस दिन व्रती दिनभर उपवास रखने के बाद छठी मइया की पूजा-अर्चना करेंगे तथा गुड़ की खीर, पुड़ी और फल का प्रसाद ग्रहण करेंगे। खरना का प्रसाद ग्रहण करने के बाद व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जाएगा। रविवार को व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। वहीं, सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन हो जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का उपायुक्त ने किया उद्घाटन



लातेहार(बिभा) : झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में आज लातेहार बाईपास रोड स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।उपायुक्त संदीप कुमार ने फीता काटकर रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए रक्तदान को मानवता की सेवा का एक महत्वपूर्ण कार्य बताया। उन्होंने कहा कि रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों को समय पर जीवनरक्षक रक्त उपलब्ध कराने में सहायता मिलती है। रक्तदान शिविर में सिविल सर्जन सहित अन्य रक्तदाता उपस्थित रहे। शिविर में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया।झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से आमजनों को सामाजिक सरोकारों से जुड़ने एवं जनहित के कार्यों में सहभागिता के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।इस अवसर पर सिविल सर्जन सहित स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी, कर्मी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जन शिकायत निवारण में उपायुक्त ने सुनी ग्रामीणों की समस्या, दिए आवश्यक दिशा निर्देश



लातेहार(बिभा): उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार की अध्यक्षता में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया।जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित सभी लोगों से एकझ्एक कर उनकी समस्याएँ सुनी एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जाँच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा।आज के जन शिकायत निवारण में मुख्य रूप से धूमकुड़िया भवन निर्माण , नया जलमीनार लगाने संबंधित, जमीन विवाद संबंधी जुड़े आवेदन आये। जन शिकायत में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को अग्रसारित कर सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन करते हुए , समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करने का निर्देश दिया। उपायुक्त के निदेर्शानुसार आमजनों की समस्याओं के समाधान और शिकायत के निष्पादन हेतु जिला, अनुमंडल, प्रखंड स्तरीय के सभी पदाधिकारियों के कार्यालय में प्रत्येक मंगलवार एंव शुक्रवार को जन शिकायत निवारण का आयोजन किया जाता है।

15 नवंबर को लोहरदगा में निकलेगी रन फॉर क्लीननेस, 17 से 27 तक मनेगा स्थापना दिवस पखवाड़ा



लोहरदगा(बिभा): राज्य स्थापना दिवस एवं भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को लोहरदगा में रन फॉर क्लीननेस का आयोजन किया जाएगा। इसकी तैयारियों को लेकर उपायुक्त संदीप कुमार मीना की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय पदाधिकारियों की बैठक हुई। सुबह सात बजे उपायुक्त सहित अन्य अधिकारी भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। इसके बाद समाहरणालय मैदान से रन फॉर क्लीननेस की शुरूआत होगी, जो भक्सो स्थित कोयल नदी छठ घाट तक जाएगी। वहां सामूहिक रूप से साफ-सफाई अभियान चलाया जाएगा। इस दौड़ में अधिकारी, छात्र-छात्राएं, जेएसएलपीएस की दीदियां, खिलाड़ी, पुलिस जवान, जलसहिया और सफाईकर्मी शामिल होंगे। बेहतर प्रदर्शन करने वालों को प्रशस्ति-पत्र दिया जाएगा। उपायुक्त ने प्रखंड स्तर पर बीडीओ और सीओ के नेतृत्व में जिले के सभी छठ घाटों व सार्वजनिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाने का निर्देश दिया है। स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत 17 से 27 नवंबर तक विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों में निबंध और नाटक प्रतियोगिता, खेल विभाग द्वारा प्रखंड स्तरीय फुटबॉल व मैराथन तथा कल्याण विभाग द्वारा पारंपरिक आदिवासी नृत्य प्रतियोगिता कराई जाएगी। विजेताओं को 27 नवंबर को जिला स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। 28 नवंबर को आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में लोहरदगा की विशिष्ट पहचान प्रदर्शित की जाएगी। इसमें 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' के तहत कुड़ू का शहद, 'वन डिस्ट्रिक्ट वन डेस्टिनेशन' में लावापानी जलप्रपात और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन इकोनॉमी' में किस्को का औद्योगिक सिलाई केंद्र शामिल रहेगा। बैठक में आईटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, एसडीओ अमित कुमार, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नगर आयुक्त की कार्यशैली के विरोध में पत्रकारों ने लगाया काला बिल्ला, आंदोलन रहेगा जारी

बिभा संवाददाता



हजारीबाग। नगर आयुक्त ओमप्रकाश गुप्ता की कार्यशैली और पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार के विरोध में पत्रकारों का आंदोलन लगातार जारी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को हजारीबाग प्रेस क्लब परिसर के समक्ष जिले के पत्रकारों ने अपनी बांहों पर काला बिल्ला लगाकर सांकेतिक रूप से विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पत्रकारों ने एकजुट होकर अपनी नाराजगी जाहिर की। काला बिल्ला लगाकर पत्रकारों ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि पत्रकारिता के सम्मान, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि मंगलवार की देर शाम नगर आयुक्त ओमप्रकाश गुप्ता अपने साथ दो सहायक नगर आयुक्त एवं नगर निगम की टीम के साथ अचानक हजारीबाग प्रेस क्लब परिसर पहुंचे थे। इस दौरान पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार किए जाने का मामला सामने आया था। घटना के बाद से ही पत्रकारों में नाराजगी व्याप्त है। इस मामले को लेकर हजारीबाग प्रेस क्लब की ओर से गुरुवार को धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया था। धरना के माध्यम से पत्रकारों ने पूरे घटनाक्रम पर अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए संबंधित अधिकारियों के व्यवहार पर नाराजगी जाहिर की थी। वहीं, आंदोलन के अगले चरण में शुक्रवार को सभी पत्रकारों ने काला बिल्ला लगाकर शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया। इस मौके पर उपस्थित पत्रकारों ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं और समाज के विभिन्न मुद्दों को जिम्मेदारी के साथ सामने लाने का कार्य करते हैं। ऐसे में पत्रकारों के साथ सम्मानजनक व्यवहार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रेस क्लब परिसर पत्रकारों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है और वहां पहुंचकर पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार किया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। पत्रकार अपने सम्मान और अधिकारों को लेकर एकजुट हैं। इस पूरे मामले में उचित कार्रवाई और सम्मानजनक समाधान होना जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हजारीबाग प्रेस क्लब पत्रकारों के मान-सम्मान से जुड़े इस विषय पर गंभीर है और आगे भी लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध जारी रखेगा। मौके पर बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित थे।

रक्षा राज्यमंत्री ने 251 छठव्रतियों में बांटा सूप-दौरा

बिभा संवाददाता



रांची। रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने शुक्रवार को धुर्वा में छठ महापर्व के अवसर पर 251 छठव्रतियों में सूप और दौरा का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने छठव्रतियों को पर्व की शुभकामनाएं देते हुए उनके प्रति सम्मान और सहयोग की भावना व्यक्त की।

इस अवसर पर संजय सेठ ने कहा कि लोक आस्था का महापर्व छठ झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह पर्व आत्मसंयम, अनुशासन, स्वच्छता, पवित्रता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश देता है। भगवान सूर्य और छठी मैया की उपासना से जुड़े इस पर्व में सेवा, सहयोग और सामूहिक सहभागिता की विशेष महत्ता है।

उन्होंने कहा कि छठव्रती माताओं और बहनों की सेवा और सहयोग का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है। छठ सिर्फ धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सद्भाव का भी प्रतीक है। संजय सेठ ने भगवान भास्कर और छठी मईया से झारखंडवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की।

कार्यक्रम में भाजपा महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, महामंत्री बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, कामेश्वर सिंह, उमेश यादव, वीरेंद्र यादव, चंदन पटेल और दीपक लोहरा सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव को लेकर दूसरे दिन निकाली गई प्रभात फेरी, हुआ भव्य स्वागत



बिभा संवाददाता

रामगढ. सिख धर्म के प्रवर्तक व सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव के प्रकाश उत्सव को लेकर दूसरे दिन प्रभात फेरी निकाली गयी. प्रभात फेरी गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा सवेरे 5:00 बजे शुरू होकर, सुभाष चौक मैन रोड, होकर, बिजूलीया से बस मे बैठ कर गुरु नानक पब्लिक स्कूल के सामने, मनपाल सिंह सोनी, डॉ मनबीर कौर सोनी के आवास पहुंची, जहां साध संगत का फूलों से स्वागत किया, और चाय नाश्ते का प्रबंध किया गया ।

प्रभात फेरी में निशान साहिब लेकर गुरजोत सिंह सैनी प्रभात फेरी की अगुवाई कर रहे थे । गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के की ओर से कुलवीर सिंह ने मनपाल सिंह सोनी को सिरोपा देकर सम्मानित किया। प्रभात फेरी के दूसरे दिन भी साध संगत में स्त्री,पुरुष एवम् बच्चों ने गुरबाणी,शबद कीर्तन कर आगे आगे चल रहे थे पूरा माहौल भक्ति मय हो गया था। साध-संगत ने गुरु भक्ति के शबद कीर्तन किये। रामगढ़ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मीडिया प्रभारी करमजीत सिंह जग्गी ने बताया कि दिन रविवार को प्रभात फेरी स्वर्गीय प्यारा सिंह गांधी जी के समूह परिवार की तरफ से की जाएगी।

प्रभात फेरी में रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा, मीत प्रधान अमरजीत सिंह सैनी, हैप्पी छाबड़ा, सेक्रेटरी हरदीप सिंह होरा, कुलवंत सिंह मारवाह खजांची रघुवीर सिंह छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे.

जनजातीय गौरव दिवस पर भाजपा की प्रेस वार्ता, बिरसा मुंडा के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प

बिभा संवाददाता



हजारीबाग : धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, हजारीबाग जिला इकाई ने शुक्रवार को काली बाड़ी स्थित जिला कार्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित की गई।

प्रेस वार्ता को भाजपा झारखंड प्रदेश के नीति एवं शोध विभाग के प्रदेश संयोजक कुमेल उरांव तथा भाजपा हजारीबाग जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने संबोधित किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री जयनारायण प्रसाद कुशवाहा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष रमेश हेम्ब्रम, मीडिया प्रभारी सुमित लाहेरी, कार्यालय प्रभारी विवेक सिंह उपस्थित रहे।

भाजपा हजारीबाग जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, स्वाभिमान, सामाजिक चेतना और राष्ट्रभक्ति का अद्वितीय प्रतीक है। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के शोषण और अन्याय के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित कर ऐतिहासिक उलगुलान का नेतृत्व किया।

उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का प्रसिद्ध नारा ह्यअबुआ दिशुम, अबुआ राजह्ण आज भी जनजातीय समाज के स्वाभिमान, आत्मसम्मान और अधिकारों की प्रेरणा देता है। देश की स्वतंत्रता के लिए जनजातीय समाज के अनेक वीर-वीरांगनाओं ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया, लेकिन लंबे समय तक उनके योगदान को इतिहास में अपेक्षित स्थान नहीं मिला।

विवेकानंद सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित करना जनजातीय महापुरुषों के सम्मान एवं उनके योगदान को राष्ट्रीय पहचान देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने आगे कहा कि जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपरा, भाषा और पहचान का संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है।

उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती केवल एक समारोह नहीं, बल्कि उनके विचारों, संघर्षों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का अवसर है।

भाजपा झारखंड प्रदेश के नीति एवं शोध विभाग के प्रदेश संयोजक कुमेल उरांव ने कहा कि केंद्र सरकार जनजातीय समाज के समग्र विकास एवं उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन योजना, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, छात्रवृत्ति योजनाओं एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को जनजातीय समाज के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य जनजातीय समाज तक शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, सड़क, पेयजल और रोजगार की सुविधाएं पहुंचाकर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है।

कुमेल उरांव ने कहा कि भाजपा द्वारा 11 से 18 नवंबर तक जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से जनजातीय महापुरुषों को श्रद्धांजलि देने के साथ ही युवाओं के बीच उनके इतिहास, बलिदान और विचारों को पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने सभी लोगों से 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में पूरे सम्मान और उत्साह के साथ मनाने की अपील की।

हजारीबाग में 70 लाख रुपये का अनोखा फल बाजार, लागत मूल्य पर मिल रहे छठ पूजा के फल

बिभा संवाददाता



हजारीबाग : लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर फलों की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण रखने के उद्देश्य से श्री सूर्य षष्ठी छठ पूजा फल वितरण समिति, हजारीबाग की ओर से हिंदू स्कूल प्रांगण में विशेष फल बाजार लगाया गया है। इस बाजार की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां फल लागत मूल्य पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस बार समिति की ओर से लगभग 70 लाख रुपये के फलों का बाजार लगाया गया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की हजारीबाग इकाई के सहयोग से कई वर्षों से संचालित इस अनोखे बाजार का विधिवत उद्घाटन समाजसेवी श्रद्धानंद सिंह, कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह समेत अन्य गणमान्य लोगों ने किया। त्योहार के दौरान फलों की कीमतों में होने वाली बेतहाशा वृद्धि के बीच यह बाजार आम लोगों को राहत पहुंचाने का काम कर रहा है।

इस बाजार की व्यवस्था सामान्य बाजारों से बिल्कुल अलग है। यहां कोई व्यवसायी लाभ कमाने के उद्देश्य से फल नहीं बेचता, बल्कि समाज के युवाओं, शिक्षकों, अधिवक्ताओं, पत्रकारों और समाजसेवियों के सहयोग से इसका संचालन किया जाता है। बाजार लगाने से करीब एक महीने पहले समिति के सदस्य समाज के लोगों से सहयोग राशि एकत्रित करते हैं। इसके बाद उसी राशि से फल खरीदकर लागत मूल्य पर बेचे जाते हैं और बिक्री से प्राप्त राशि सहयोगकताओं को वापस कर दी जाती है।

बाजार में स्थानीय किसानों को भी विशेष प्राथमिकता दी जाती है। किसान अपने खेतों में उत्पादित फल एवं अन्य सामग्री यहां लाकर बेच सकते हैं। इसके लिए उनसे किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता है। यहां तक कि रिफाइंड तेल और घी जैसी पूजन सामग्री भी लागत मूल्य पर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य छठ व्रतियों को उचित कीमत पर पूजन सामग्री उपलब्ध कराना और बाजार में फलों की कीमतों को नियंत्रित रखना है। हजारीबाग का यह अनोखा बाजार सामाजिक सहयोग, सेवा और आपसी सहभागिता की मिसाल बन गया है। मौके पर महापौर अरविंद कुमार राणा, उपमहापौर अविनाश यादव, समाजसेवी श्रद्धानंद सिंह, मुन्ना सिंह, भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता, समिति अध्यक्ष मनोज गुप्ता, किशोरी राणा,विभावि अध्यक्ष केडी शुक्ला, बबलू कुमार, चंदन मेहता, ब्रजेश कुमार सिंह, भोला राणा, प्रमोद मेहता, मनोज कुमार, मनमीत अकेला, संतोष कुमार यादव समेत दर्जनों सदस्य उपस्थित थे।

नहाय-खाय के साथ लोक आस्था के महापर्व छठ का शुभारंभ, बलराम साहू ने की पूजा-अर्चना

बिभा संवाददाता



लोहरदगा। लोक आस्था, पवित्रता और सूर्य उपासना के महापर्व छठ की शुरूआत नहाय-खाय के साथ श्रद्धा एवं भक्तिमय वातावरण में हुई। इस पावन अवसर पर पूर्व डिप्टी चेयरमैन बलराम साहू ने अपनी पत्नी रश्मि देवी के साथ पूरे विधि-विधान एवं श्रद्धा से पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान सूर्य और छठी मैया से परिवार, समाज एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की।

नहाय-खाय के अवसर पर रश्मि देवी ने भी छठ महापर्व की परंपराओं के अनुरूप पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का शुभारंभ हो गया। पर्व को लेकर लोहरदगा में श्रद्धालुओं के बीच विशेष उत्साह और भक्तिमय माहौल देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर बलराम साहू ने कहा कि छठ महापर्व केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपरा और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। यह महापर्व हमें स्वच्छता, पवित्रता, अनुशासन, त्याग और समर्पण का संदेश देता है। छठी मैया और भगवान सूर्य की आराधना के माध्यम से लोग अपने परिवार के साथ-साथ पूरे समाज की सुख-शांति और खुशहाली की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें जाति, धर्म और वर्ग से ऊपर उठकर सभी लोग एक-दूसरे के सहयोग में आगे आते हैं। यह पर्व सामाजिक सद्भाव और आपसी भाईचारे को मजबूत करता है। अंत में उन्होंने समस्त छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए भगवान भास्कर और छठी मैया से सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की।

बच्चों की मुस्कान में भारत का भविष्य तलाशते थे चाचा नेहरू



योगेश कुमार गोयल

बाल दिवस का वास्तविक अर्थ बच्चों को उपहार देना, समारोह आयोजित करना या उनके साथ तस्वीरें खिंचवाना भर नहीं है बल्कि इसका असली उद्देश्य यह आत्ममंथन करना है कि क्या हम प्रत्येक बच्चे को सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा, पोषण और अपनी प्रतिभा विकसित करने का समान अवसर दे पा रहे हैं? क्या हमारा शिक्षा तंत्र बच्चों में सवाल पूछने, तर्क करने और नया सोचने की क्षमता विकसित कर रहा है? क्या हम उनकी भावनाओं को समझते हैं और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं?

नेहरू के सपनों का भारत और आज का बचपन... किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सीमाओं, संसाधनों, सैन्य सामर्थ्य या आर्थिक संपन्नता से नहीं, उसकी नई पीढ़ी के सपनों, सामर्थ्य, संस्कारों और संभावनाओं से तय होती है। जिस देश के बच्चे शिक्षित, स्वस्थ, जिज्ञासु, संवेदनशील और आत्मविश्वासी होते हैं, उसका भविष्य भी उतना ही उज्ज्वल होता है। स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस सत्य को गहराई से समझते थे। बच्चों के प्रति उनका स्नेह केवल भावनात्मक लगाव तक सीमित नहीं था बल्कि वे उन्हें स्वतंत्र भारत की नियति गढ़ने वाली सबसे महत्वपूर्ण शक्ति मानते थे। यही कारण है कि बच्चों के बीच वे प्रधानमंत्री से अधिक 'चाचा नेहरू' के रूप में लोकप्रिय हुए और उनका जन्मदिवस 14 नवम्बर देशभर में बाल दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। नेहरू का बच्चों से रिश्ता किसी औपचारिकता, राजनीतिक छवि या सार्वजनिक लोकप्रियता का हिस्सा नहीं था। बच्चों की निश्छल मुस्कान, उनकी जिज्ञासाएं, कल्पनाशीलता और बेबाक सवाल उन्हें सहज ही आकर्षित करते थे। वे बच्चों के बीच पहुंचकर अपना पद, प्रतिष्ठा और प्रोटोकॉल भूल जाते थे। उनके साथ हंसते, खेलते और बातचीत करते हुए वे स्वयं भी बच्चों की दुनिया का हिस्सा बन जाते थे। नेहरू का बाल प्रेम उनके विचारों और राष्ट्र निर्माण की अवधारणा में भी स्पष्ट दिखाई देता है। वे मानते थे कि किसी भी देश का भविष्य उसकी कक्षाओं, विद्यालयों और बच्चों के पालन-पोषण में आकार लेता है। बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं, जिन्हें जिस वातावरण, शिक्षा और संस्कारों में ढाला जाता है, उनका व्यक्तित्व उसी के अनुरूप विकसित होता है। इसलिए बच्चों को केवल अक्षर ज्ञान देना पर्याप्त नहीं बल्कि उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण, स्वतंत्र चिंतन, मानवीय संवेदना, अनुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास करना भी आवश्यक है। उनका विश्वास था कि बच्चों को भय, भेदभाव और संकीर्णता से मुक्त वातावरण मिले, जहां वे प्रश्न पूछ सकें, अपनी प्रतिभा पहचान सकें और अपनी कल्पनाओं को वास्तविकता में बदलने का साहस जुटा सकें।

बच्चों के प्रति नेहरू जी की संवेदनशीलता का एक प्रसंग अक्सर याद किया जाता है। कहा जाता है कि एक दिन तीन मूर्ति भवन के बगीचे में टहलते हुए उन्हें एक छोटे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। आसपास उसकी मां दिखाई नहीं दी तो वे स्वयं बच्चे के पास पहुंचे और उसे गोद में उठा



लिया। प्रधानमंत्री की गोद में पहुंचते ही बच्चा शांत हो गया। कुछ देर बाद उसकी मां लौटी तो अपने बच्चे को देश के प्रधानमंत्री की गोद में खेलते देखकर अभिभूत रह गई। यह प्रसंग नेहरू के व्यक्तित्व के उस सहज पक्ष को सामने लाता है, जिसमें ऊंचे पद का अहंकार नहीं बल्कि एक बच्चे की तकलीफ के प्रति मानवीय संवेदना सर्वोपरि थी। नेहरू का मानना था कि शिक्षा किसी समाज के विकास का सबसे प्रभावशाली माध्यम है। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने आधुनिक भारत की शैक्षिक और वैज्ञानिक नींव मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों के विकास को उन्होंने राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया। भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) की स्थापना की दिशा में भी उनके शासनकाल में महत्वपूर्ण पहल हुई। उनका उद्देश्य केवल डिग्रियां बांटना नहीं बल्कि ऐसा शिक्षित और कुशल मानव संसाधन तैयार करना था, जो देश को विज्ञान, तकनीक, चिकित्सा, उद्योग और अनुसंधान के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना सके। वे जानते थे कि ज्ञान और वैज्ञानिक चेतना के बिना आधुनिक राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं है।

बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए भी नेहरू ने महत्वपूर्ण कदम उठाए। वर्ष 1955 में चिल्ड्रन्स फिल्म सोसाइटी इंडिया की स्थापना इसी सोच का परिणाम थी। वे चाहते थे कि बच्चों को ऐसी फिल्में और साहित्य उपलब्ध हों, जो उनका मनोरंजन करने के साथ-साथ उनकी कल्पनाशक्ति, नैतिक चेतना और सृजनात्मकता को भी विकसित करें। उनकी दृष्टि में शिक्षा का अर्थ केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं था। खेल, कला, संगीत, साहित्य, प्रकृति से जुड़ाव और सांस्कृतिक गतिविधियां भी बच्चे के व्यक्तित्व को समृद्ध बनाने के अनिवार्य माध्यम थे। उनकी बाल-दृष्टि का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह था कि वे बच्चों को राष्ट्र के भविष्य के साथ-साथ वर्तमान की जिम्मेदारी भी मानते थे। उनका विचार था कि यदि बच्चों को उचित पोषण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित वातावरण और आगे बढ़ने के समान अवसर नहीं मिलेंगे तो राष्ट्र की प्रगति का सपना अधूरा रह जाएगा। बच्चों के स्वास्थ्य, प्राथमिक शिक्षा और कल्याण से जुड़ी योजनाओं को प्रोत्साहन देना इसी व्यापक सोच का हिस्सा था।

पंडित नेहरू समझते थे कि भूख, गरीबी, अशिक्षा और सामाजिक असमानता किसी भी बच्चे की प्रतिभा को जन्म लेने से पहले ही कुचल सकती हैं। इसलिए बच्चों के विकास को परिवार की निजी जिम्मेदारी भर नहीं, सरकार और समाज का साझा दायित्व माना जाना चाहिए। आज जब हम बाल दिवस मनाते हैं तो नेहरू के विचारों की प्रासंगिकता और अधिक गहरी दिखाई देती है। एक ओर भारत अंतरिक्ष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और विज्ञान के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है, वहीं दूसरी ओर लाखों बच्चे कुपोषण, अशिक्षा, बालश्रम, बाल विवाह, डिजिटल दुष्प्रभाव, हिंसा, भेदभाव और असुरक्षित बचपन जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। प्रतिस्पर्धा और अंकों की अंधी दौड़ ने बच्चों के स्वाभाविक बचपन, खेलकूद और रचनात्मकता को भी प्रभावित किया है। सोशल मीडिया और डिजिटल उपकरणों की बढ़ती निर्भरता के बीच बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, एकाग्रता और सामाजिक व्यवहार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। ऐसे समय में नेहरू की यह सोच याद रखना जरूरी है कि बच्चों का विकास केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि उन्हें एक अच्छा इंसान और जिम्मेदार नागरिक बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

बाल दिवस का वास्तविक अर्थ बच्चों को उपहार देना, समारोह आयोजित करना या उनके साथ तस्वीरें खिंचवाना भर नहीं है बल्कि इसका असली उद्देश्य यह आत्ममंथन करना है कि क्या हम प्रत्येक बच्चे को सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा, पोषण और अपनी प्रतिभा विकसित करने का समान अवसर दे पा रहे हैं? क्या हमारा शिक्षा तंत्र बच्चों में सवाल पूछने, तर्क करने और नया सोचने की क्षमता विकसित कर रहा है? क्या हम उनकी भावनाओं को समझते हैं और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं? इन सवालों के जवाब ही किसी समाज की बाल-हितैषी सोच और उसके भविष्य की वास्तविक दिशा तय करेंगे। पंडित नेहरू का मूल्यांकन इतिहास अनेक राजनीतिक, आर्थिक और वैचारिक कसौटियों पर करता रहेगा लेकिन बच्चों के प्रति उनका स्नेह और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा एवं वैज्ञानिक चेतना पर दिया गया जोर उनकी विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनके लिए बच्चे केवल आने वाले कल के नागरिक नहीं थे बल्कि नए भारत के निर्माण की सबसे बड़ी उम्मीद थे। उनके जन्मदिवस पर सबसे सार्थक श्रद्धांजलि यही होगी कि हम हर बच्चे को भयमुक्त बचपन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वस्थ वातावरण और सपने देखने के साथ उन्हें साकार करने का अवसर उपलब्ध कराने का संकल्प लें। क्योंकि किसी भी देश का भविष्य संसद के गलियारों या सत्ता के सिंहासनों में नहीं, उसके बच्चों की आंखों में पलते सपनों में लिखा जाता है। बच्चों की मुस्कान सुरक्षित होगी, तभी भारत की मुस्कान भी सुरक्षित और उज्ज्वल होगी।

संपादकीय

फिर दहशत की दस्तक

भारत विरोध को प्राणवायु बनाने वाले पाकिस्तान पर कभी भरोसा नहीं किया जा सकता कि वह भारत पर घात का कोई मौका चूकेगा। पाक प्रायोजित आतंक का चेहरा एक बार फिर जम्मू-कश्मीर में हुए हालिया आतंकी हमले में उजागर हुआ है। किश्तवाड़ में दो स्पेशल पुलिस अधिकारियों यानी एसपीओ की हत्या और कुलगाम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की पोस्ट पर हमले की हालिया घटनाएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। करीब चौबीस घंटे के भीतर हुई ये घटनाएं बताती हैं कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा हालात अभी भी संवेदनशील बने हुए हैं। ये घटनाएं एक बार फिर याद दिलाती हैं कि सामान्य स्थिति और स्थायी शांति के दावों से इतर इलाके में आतंकवाद के रक्तबीज मौजूद हैं। दुखद ही है कि लापता होने के एक दिन बाद दो स्पेशल पुलिस अधिकारियों के गोलियों से छलनी शव बरामद हुए हैं। वहीं दूसरी ओर सीआरपीएफ की चेकपोस्ट पर हुए हमले में तीन जवान घायल हुए हैं। निस्संदेह,यह हमारी खुफिया एजेंसियों और सुरक्षा बलों के लिये नई चुनौती है। उल्लेखनीय है कि इससे ठीक एक साल पहले राजधानी में लाल किले के पास एक कार धमाके में ग्यारह लोगों की जान चली गई थी। कालांतर राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनएआई की व्यापक जांच के बाद पता चला था कि विस्फोट की घटना में जम्मू-कश्मीर स्थित पुलवामा के एक डॉक्टर की मुख्य भूमिका रही थी। बहरहाल, जम्मू-कश्मीर में हालिया आतंकी हमलों की सभी राजनीतिक दलों ने निंदा की है। वहीं केंद्र शासित प्रदेश में सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने केंद्र सरकार के उस दावे पर सवाल उठाये हैं, जिसमें कहा गया था कि जम्मू-कश्मीर आतंकवाद से मुक्त हो चुका है। ऐसे वक्त बयानबाजी से आगे बढ़कर खुफिया जानकारी जुटाने की व्यवस्था को प्रभावी बनाने, सुरक्षा इंतजामों को मजबूत करने और आतंकवाद विरोधी अभियानों में बेहतर सामंजस्य स्थापित करने की सख्त जरूरत है। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि स्थानीय समुदायों की चिंता पर विशेष ध्यान दिया जाए। निस्संदेह, आज के आधुनिक उन्नत तकनीक के युग में आतंकवाद से लड़ाई के लिये तमाम विकल्प सुरक्षा बलों के पास मौजूद हैं। लेकिन स्थानीय समाज में घुल-मिल कर रहने वाले आर्तकियों तक पहुंच बनाने के लिये लोकल संपर्क सूत्रों की बड़ी भूमिका होती है। कोई भी केंद्रीय सत्ता स्थानीय लोगों के सहयोग के बिना आतंक के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने में असहजता महसूस करेगी। पाकिस्तानी सीमा से लगने वाले दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को इस बात के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि वे बिना किसी भय व दबाव के सुरक्षा एजेंसियों से सहयोग करें। निस्संदेह, आतंकवाद को हराने के लिये उनकी सुरक्षा, उनका भरोसा और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है।

चिंतन-मनन

संवेदनशील और सबल बनो

सदाचार का तब तक पालन किए जाओ जब तक यह तुम्हारा स्वभाव न बन जाए। मित्रता, दया और ध्यान का अभ्यास जारी रखो। जब तक यह न समझ जाओ कि यह तुम्हारा स्वभाव है। जब कार्य स्वभावतः किया जाता है,तब तुम फल की लालसा नहीं रखते हो। सहजता से बस कार्य किए जाते हो। स्वभावतः किया हुआ काम न तो थकान देता है और न पुंठित करता है। दांत साफ करना, नहाना, इत्यादि दैनिक कार्य को कृत्य नहीं समझा जाता क्योंकि ये दैनिक जीवन से जुड़े क्रिया-कलाप हैं। इन सब कार्यं को तुम बिन कर्तापन के करते हो। जब सेवा तुम्हारा स्वभाव बन जाता है, तब यह कर्तापन रहित होता है। ज्ञानी अभ्यास जारी रखते हैं ताकि वे औरों के लिए उदाहरण बनें, हांलाकि उनको किसी अभ्यास की आवश्यता नहीं। जो संवेदनशील हैं, प्रायः वे कमजोर होते हैं। जो स्वयं को सबल समझते हैं, वे प्रायः असंवेदनशील होते हैं। कुछ व्यक्ति स्वयं के प्रति संवेदनशील होते हैं पर औरों के प्रति नहीं। और कुछ लोग दूसरों के प्रति संवेदनशील होते हैं, पर खुद के प्रति नहीं। जो व्यक्ति केवल अपने प्रति संवेदशील हैं, वे प्रायः औरों को दोष देते हैं। जो केवल दूसरों के प्रति संवेदनशवील होते हैं, वे स्वयं को असहाय और दीन समझते हैं। कुछ इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि संवेदनशील होना ही नहीं चाहिए क्योंकि संवेदनशीलता पीड़ा लाती है। वे अपने आप को औरों से दूर रखने लगते हैं परन्तु यदि तुम संवेदनशील नहीं हो तो जीवन के अनेक सूक्ष्म अनुभवों को खो दोगे जैसे अंतर्ज्ञान, सौन्दर्य और प्रेम का उल्लास। यह पथ और ज्ञान तुम्हें सबल भी बनाता है और संवेदनशील भी। असंवेदनशील व्यक्ति प्रायः अपनी कमजोरियों को नहीं पहचानते। और जो संवेदनशील हैं, वे अपनी ताकत को नहीं पहचानते। उनकी संवेदनशीलता ही उनकी ताकत है। संवेदनशीलता अंतर्ज्ञान है, अनुकम्पा है, प्रेम है। संवेदनशीलता आत्म-बल है। और आत्म-बल है स्थिरता, तितिक्षा (सहनशीलता), मौन, प्रतिक्रिया-विहीनता, आत्मविश्वास, निष्ठा और एक मुस्कान। संवेदनशील और सबल, दोनों बनो।

शेख हसीना को भारत में पनाह देने के सवाल पर बांग्लादेश की नाराजगी दोनों देशों के रिश्तों की बड़ी परीक्षा



कांतिलाल मांडोत

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक संबंधों में एक बार फिर तनाव बढ़ता दिखाई दे रहा है। अगस्त 2024 में सत्ता परिवर्तन के बाद से भारत में रह रहीं शेख हसीना की संभावित स्वदेश वापसी की चर्चाओं ने बांग्लादेश की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार चाहती है कि भारत शेख हसीना को वापस सौंपे, जबकि भारत इस पूरे मामले को कानूनी और कूटनीतिक दृष्टि से देख रहा है। इस मुद्दे ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच विश्वास, संप्रभुता और न्यायिक प्रक्रिया को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शेख हसीना लंबे समय तक बांग्लादेश की राजनीति का प्रमुख चेहरा रही हैं। उनके शासनकाल में भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार, सुरक्षा, परिवहन और क्षेत्रीय सहयोग के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई थी। दोनों देशों ने आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग बढ़ाया और सीमा प्रबंधन से लेकर संपर्क सुविधाओं तक कई महत्वपूर्ण समझौते किए। लेकिन 2024 में छात्र आंदोलन के बाद उनकी सरकार का पतन हो गया और उन्हें देश छोड़ना पड़ा। इसके बाद से वह भारत में रह रही हैं। सत्ता परिवर्तन के बाद बांग्लादेश की नई राजनीतिक परिस्थितियों ने भारत के सामने भी एक कठिन कूटनीतिक चुनौती खड़ी कर दी है।

बांग्लादेश की वर्तमान सरकार शेख हसीना की भारत में मौजूदगी को लेकर लगातार असंतोष व्यक्त कर रही है। उसका तर्क है कि जिस व्यक्ति पर देश में गंभीर आपराधिक आरोप हैं और जिसे अदालत से कठोर सजा सुनाई जा चुकी है, उसे वापस लाकर न्यायिक प्रक्रिया का सामना कराया जाना चाहिए। बांग्लादेश के अभियोजन पक्ष का कहना है कि 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं में शेख हसीना की भूमिका की जवाबदेही तय होनी चाहिए। इसी मामले में नवंबर 2025 में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने उनकी अनुपस्थिति में मृत्युदंड का फैसला सुनाया था। इसके अतिरिक्त उनके खिलाफ भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और अन्य आपराधिक मामलों से जुड़े मुकदमे भी चल रहे हैं।

दूसरी ओर शेख हसीना इन आरोपों को राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित बताती रही हैं। उनका कहना है कि उनके खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई निष्पक्ष न्याय की प्रक्रिया नहीं, बल्कि राजनीतिक विरोधियों की बदले की भावना का परिणाम है। उन्होंने अपने समर्थकों और अवामी लीग के कार्यकर्ताओं के बीच लौटने की इच्छा भी व्यक्त की है। दिसंबर में स्वदेश लौटने और अदालत में अपना पक्ष रखने की बात सामने आने के बाद बांग्लादेश की राजनीति में नई बहस शुरू हो गई है। उनके वकीलों की ओर से भारत स्थित बांग्लादेश उच्चायोग को नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी करने के लिए पत्र भेजे जाने की खबरों ने भी इस चर्चा को और तेज कर दिया है।

शेख हसीना की वापसी का मुद्दा केवल एक पूर्व प्रधानमंत्री के भविष्य तक सीमित नहीं है। इसके पीछे बांग्लादेश की आंतरिक राजनीतिक स्थिरता और भारत के साथ उसके भविष्य के संबंध भी जुड़े हुए हैं। बांग्लादेश में अवामी लीग की राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध और उसके समर्थकों में व्याप्त असंतोष के बीच शेख हसीना की वापसी से राजनीतिक टकराव बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। हाल के दिनों में ढाका सहित कई क्षेत्रों में धमाकों और आगजनी की घटनाओं ने वहां की कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ाई है। हालांकि इन घटनाओं को सीधे शेख हसीना की वापसी की चर्चाओं से जोड़ने के लिए स्वतंत्र जांच और प्रमाण आवश्यक हैं।

भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने पड़ोसी देश के साथ संबंधों को भी संतुलित रखे और मानवीय तथा कानूनी पहलुओं की अनदेखी भी न करे। भारत की ओर से अब तक सार्वजनिक रूप से ऐसा कोई संकेत नहीं दिया गया है कि शेख हसीना को जबरन बांग्लादेश भेजने का निर्णय लिया गया है। भारत ने उनके प्रत्यर्पण के सवाल पर कानूनी और द्विपक्षीय पहलुओं को महत्वपूर्ण माना है। दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि मौजूद है, लेकिन किसी व्यक्ति को दूसरे देश को सौंपने की प्रक्रिया में संधि की शर्तों, उपलब्ध कानूनी आधार और संबंधित परिस्थितियों का परीक्षण आवश्यक होता है।

यह भी समझना होगा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्याय का अर्थ केवल सजा सुनाना नहीं, बल्कि निष्पक्ष सुनवाई और कानूनी अधिकारों की रक्षा करना भी है। यदि किसी व्यक्ति के विरुद्ध गंभीर आरोप हैं तो उनका निर्णय पारदर्शी न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से होना चाहिए। विशेष रूप से मृत्युदंड जैसे गंभीर फैसले के मामले में न्यायिक निष्पक्षता और अपील के अधिकार का महत्व और बढ़ जाता है। भारत को भी किसी जल्दबाजी में निर्णय लेने के बजाय सभी कानूनी पहलुओं पर विचार करना होगा।

बांग्लादेश को भी यह समझना चाहिए कि भारत के साथ संबंध केवल शेख हसीना के मुद्दे पर निर्भर नहीं हैं। दोनों देशों के बीच लंबी सीमा, व्यापारिक साझेदारी, ऊर्जा सहयोग, सुरक्षा और करोड़ों लोगों के हित जुड़े हुए हैं। भारत और बांग्लादेश की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि दोनों एक-दूसरे की अनदेखी करके अपनी विकास यात्रा को आगे नहीं बढ़ा सकते। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद संवाद और सहयोग बनाए रखना दोनों के हित में है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि शेख हसीना के मुद्दे को राजनीतिक प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाने के बजाय कानून, न्याय और कूटनीति के दायरे में सुलझाया जाए। बांग्लादेश को अपनी न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करनी चाहिए और भारत को अपने निर्णय में राष्ट्रीय हित के साथ मानवीय तथा कानूनी सिद्धांतों का संतुलन बनाए रखना चाहिए। पड़ोसी देशों के रिश्ते भावनाओं और आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि आपसी विश्वास और परिपक्व कूटनीति से मजबूत होते हैं। शेख हसीना का भविष्य चाहे जिस दिशा में जाए, भारत और बांग्लादेश के संबंधों में स्थायी तनाव पैदा होना दोनों देशों के लिए नुकसानदायक होगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गर्म होती दुनिया में बढ़ते प्रदूषण से घुटती सांसें की चुनौती



ललित गर्ग

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की उस कठोर सच्चाई का सामना कर रही है, जिसे कभी भविष्य की आशंका समझा जाता था। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़, चक्रवात, जंगलों की आग, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और असामान्य गर्मी अब असाधारण घटनाएं नहीं रह गई हैं। प्रकृति का संतुलन जिस तेजी से बिगड़ रहा है, उसने मानव सभ्यता के सामने अस्तित्व का गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 9 नवंबर 2026 को जारी स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट 2026 रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ सामने रखती है। रिपोर्ट के अनुसार 2026 पिछले चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की राह पर है और जनवरी से सितंबर तक वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। 2015 से 2026 तक के सभी 12 वर्ष रिकॉर्ड के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं। यह आंकड़ा केवल तापमान की वृद्धि का आंकड़ा नहीं है, बल्कि मानव जीवन के बढ़ते संकट का संकेत है। समुद्रों में जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता समुद्र-स्तर, बढ़ता प्रदूषण और बदलता वर्षा चक्र आने वाले वर्षों की गंभीर चुनौतियों का संकेत दे रहे हैं। डब्ल्यूएमओ के अनुसार महासागर लगातार दसवें वर्ष रिकॉर्ड गर्मी की ओर हैं और 2026 में वैश्विक समुद्र-स्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है।

इस वर्ष की स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि मजबूत अलनीनो विकसित हो रहा है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार अगस्त से अलनीनो तेजी से मजबूत हुआ है और नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच इसकी तीव्रता असाधारण स्तर तक पहुंच सकती है। इसके कारण 2027 में अत्यधिक गर्मी, सूखा और भारी वर्षा जैसी चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ सकता है। अर्थात खतरा केवल आज का नहीं है। आने वाला वर्ष भी मानवता को प्रकृति के कठोर रूप का सामना करा सकता है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरण मंत्रालयों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय मानना अब गंभीर भूल होगी। यह स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, जलस्रोत, आवास और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। जलवायु संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसका सबसे बड़ा बोझ उन देशों और समुदायों पर पड़ रहा है, जिनका ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम रहा है। विकासशील और गरीब देशों के सामने एक साथ दो चुनौतियां हैं-विकास की आवश्यकताओं को पूरा करना और जलवायु संकट से स्वयं को बचाना।

दशकों तक विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किया। आज जब विकासशील देश आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं, उनसे उत्सर्जन कम करने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस बार दुनिया घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्रवाई करेगी?

पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा। विकासशील देशों को तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन, जल और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ाना होगा। शहरों की नियोजन व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, भवन निर्माण, कृषि और उद्योग-हर क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाना होगा। क्योंकि अब सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके सामने कितनी जल्दी और कितनी ईमानदारी से खड़े होते हैं।

भारत के संदर्भ में स्थिति और भी गंभीर है। देश एक ओर बढ़ती गर्मी, अनियमित मानसून, बाढ़ और सूखे का सामना कर रहा है, तो दूसरी ओर महानगरों में वायु प्रदूषण ने स्वास्थ्य संकट को गहरा कर दिया है। दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के आसपास प्रदूषण का जो भयावह स्तर देखने को मिला, उसने स्पष्ट कर दिया कि वायु केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि अब स्वास्थ्य का सबसे बड़ा संकट भी बन सकती है। लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश, सांस लेने में कठिनाई, खांसी और अन्य श्वसन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों और चिकित्सकों पर दबाव बढ़ता है। यह स्थिति केवल मौसमी परेशानी नहीं मानी जा सकती। वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन एक-दूसरे से अलग संकट नहीं हैं। जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग दोनों समस्याओं को बढ़ाता है। इसलिए दिल्ली की जहरीली हवा और दुनिया के बढ़ते तापमान के बीच एक गहरा संबंध है।

कोविड-19 के दौरान भारत ने अभूतपूर्व स्वास्थ्य आपातस्थिति का सामना किया था। उस समय प्रशासन, स्वास्थ्य तंत्र, नागरिक समाज और आम जनता ने मिलकर संकट का सामना किया। आज वायु प्रदूषण को लेकर भी वैसी ही गंभीरता की आवश्यकता है। इसका अर्थ केवल औपचारिक रूप से आपातकाल घोषित करना नहीं, बल्कि जन-स्वास्थ्य केंद्रित आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करना है। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के अत्यधिक स्तर पर स्कूलों, निर्माण गतिविधियों, यातायात, औद्योगिक उत्सर्जन, पराली और कचरा जलाने आदि को लेकर तत्काल और समन्वित कार्रवाई होनी चाहिए। अस्पतालों को तैयार रखना, संवेदनशील नागरिकों के लिए स्वास्थ्य परामर्श, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना और प्रदूषण के स्रोतों पर वास्तविक नियंत्रण आवश्यक है। भारत सरकार को राज्यों के साथ मिलकर ऐसी स्थायी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रदूषण को केवल सर्दियों की समस्या न समझा जाए। वर्षभर वायु गुणवत्ता की निगरानी, उत्सर्जन नियंत्रण और स्वास्थ्य प्रभावों का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए।

भारत के पास दुनिया को केवल तकनीकी समाधान देने की ही नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने की भी क्षमता है। भारतीय संस्कृति ने सदियों पहले प्रकृति को उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन का सहचर माना। जैन दर्शन का अहिंसा और अपरिग्रह का संदेश आज जलवायु संकट के दौर में अत्यंत प्रासंगिक हो सकता है। आवश्यकता से अधिक उपभोग, अंधाधुंध संसाधन-दोहन और प्रकृति पर प्रभुत्व की मानसिकता को बदलना होगा। हमें विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने की मानसिकता से बाहर निकलना होगा। ऐसा विकास चाहिए जो रोजगार दे, अर्थव्यवस्था को गति दे, लेकिन हवा, पानी, मिट्टी और जंगलों को नष्ट न करे। यही वास्तविक सतत विकास है।

आज सीओपी-31 से दुनिया को एक और घोषणापत्र की नहीं, दृढ़ इच्छाशक्ति, आर्थिक प्रतिबद्धता और समयबद्ध कार्रवाई की आवश्यकता है। जलवायु संकट की घड़ी में निष्क्रियता भी एक प्रकार का निर्णय है और उसकी कीमत आने वाली पीढ़ियों को चुकानी पड़ेगी। धरती हमें चेतावनी दे रही है। तापमान बढ़ रहा है, समुद्र गर्म हो रहे हैं, बर्फ पिघल रही है और शहरों की हवा जहरीली हो रही है। अब भी समय है कि मानवता अपनी विकास-दृष्टि पर पुनर्विचार करे। प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व ही भविष्य का रास्ता है। यदि हम आज नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां यह सवाल जरूर पूछेंगी-जब खतरा स्पष्ट दिखाई दे रहा था, तब दुनिया ने कार्रवाई करने में इतनी देर क्यों की?

भारत की नवीकरणीय ऊर्जा यात्रा: एक स्वच्छ भविष्य को शक्ति प्रदान करना

बिहान भारत

देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करते हुए, एक स्वच्छ भविष्य का समर्थन करते हुए और ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत का नवीकरणीय ऊर्जा परिदृश्य तेजी से अपना विस्तार कर रहा है। यह परिवर्तन सौर, पवन, जलविद्युत, जैव-ऊर्जा (बायो-एनर्जी), भू-तापीय (जियोथर्मल) और हरित हाइड्रोजन तक विस्तृत हुआ है।
नीतिगत समर्थन, बुनियादी ढांचे का विकास, घरेलू उत्पादन, विनिर्माण विस्तार और व्यापक ऊर्जा पहुंच इस परिवर्तन को आकार दे रहे हैं। घरों के लिए रूफटॉप सोलर से लेकर बड़े पवन, फ्लोटिंग सोलर और स्टोरेज परियोजनाओं तक, भारत अपने ऊर्जा मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी को लगातार बढ़ा रहा है।

आंकड़े एक नजर में:

कुल स्थापित बिजली क्षमता: अक्टूबर 2026 में लगभग 560 GW, जो 2014 में 249 GW थी।
गैर-जीवाश्म क्षमता: 31 जुलाई 2026 तक 308 GW, जो कुल स्थापित क्षमता का 55% है।
नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापित क्षमता में भारत विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है।
भारत ने जुलाई 2024-जून 2026 के दौरान अपने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 63.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया।
भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन और एक्सपो 2026
भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन और एक्सपो 2026 का आयोजन 2-5 नवंबर तक नई दिल्ली में किया गया। इस शिखर सम्मेलन ने वैश्विक नीति निर्माताओं, निवेशकों, उद्योग जगत के नेताओं, निर्माताओं और नवप्रवर्तकों को एक मंच पर लाया। ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, नॉर्वे, स्वीडन और यूनाइटेड किंगडम ने कंट्री पार्टनर (भागीदार देश) के रूप में भाग लिया। गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश सहित तेरह भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपनी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता, निवेश के अवसरों और विनिर्माण क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इस आयोजन में एक प्रदर्शनी भी शामिल थी जिसमें 400+ निर्माताओं, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं, स्टार्टअप्स और अनुसंधान संस्थानों ने भाग लिया। चर्चाओं में नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण, स्वच्छ ऊर्जा विनिर्माण, ऊर्जा भंडारण, उभरती प्रौद्योगिकियां और कार्यबल विकास शामिल थे।

सौर ऊर्जा: क्षमता का विस्तार, अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच

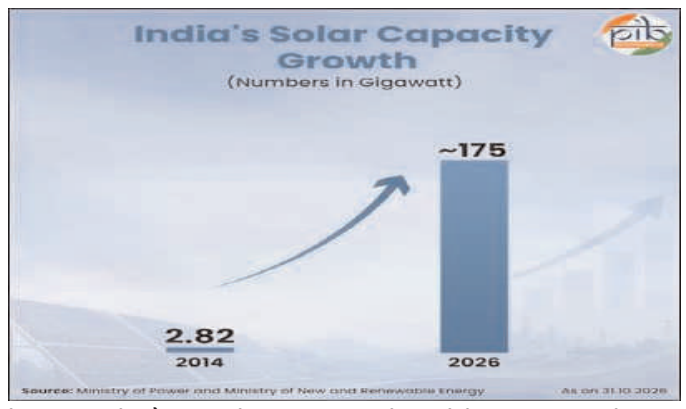
भारत की स्थापित सौर क्षमता 2014 के 2.8 GW से बढ़कर प्त175 GW (31 अक्टूबर 2026 तक) हो गई है। सौर ऊर्जा अब भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का सबसे बड़ा घटक है। संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा जोड़े गए 34 GW की तुलना में 37 GW से अधिक सौर क्षमता जोड़कर, भारत 2025 में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सौर विकास बाजार बन गया।

पीएम-सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना

फरवरी 2024 में 1 करोड़ परिवारों के लिए 75,021 करोड़ के कुल परिव्यय के साथ शुरू की गई।
देश भर में रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन से अब 65.26 लाख परिवार लाभान्वित हो रहे हैं (02.11.2026 तक)।
लाभार्थियों को लगभग ?35,800 करोड़ की सब्सिडी हस्तांतरित की जा चुकी है।
अक्टूबर, 2026 तक लगभग 21 लाख परिवारों को शून्य बिजली बिल प्राप्त हुए हैं।
योजना के तहत अब तक संचयी रूप से 19.1 GW रूफटॉप सोलर क्षमता चालू (कमीशन) की जा चुकी है।

प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना

सरकार ने 31 जुलाई 2026 को 5,070 करोड़ के परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना को मंजूरी दी। यह ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के साथ फ्लोटिंग सोलर फोटोवोल्टिक परियोजनाओं के विकास



के साथ भारत के सौर विस्तार में एक नया आयाम जोड़ती है।

लक्ष्य: 5,000 MW की फ्लोटिंग सोलर पीवी परियोजनाएं

न्यूनतम दो घंटे की अवधि के साथ सह-स्थित भंडारण, जो 10,000 MWh के बराबर है।
परियोजनाओं को वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2030-31 तक स्वीकृत किया जाएगा।

पवन ऊर्जा

पवन ऊर्जा भारत के नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनी हुई है। भारत स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता में विश्व स्तर पर चौथे स्थान पर है। इस क्षेत्र में मजबूत वार्षिक क्षमता वृद्धि और बढ़ता घरेलू विनिर्माण भी देखा जा रहा है।
स्थापित क्षमता: 29 अक्टूबर 2026 तक 59.20 GW।
भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 में 6.05 GW जोड़ा, जो इसकी अब तक की सबसे अधिक वार्षिक पवन क्षमता वृद्धि है और वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में 46% अधिक है।
लगभग 28 GW की अतिरिक्त पवन क्षमता कार्यान्वयन के अधीन है।
पवन टरबाइन विनिर्माण क्षमता 2014 के 10 GWसे बढ़कर लगभग 24 GW (मार्च 2026) तक पहुंच गई। इस क्षेत्र ने प्रमुख घटकों में 70-80% स्वदेशीकरण हासिल कर लिया है।
केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 19 जून 2024 को 1 GW की अपतटीय (ऑफशोर) पवन परियोजनाओं के लिए 7,453 करोड़ की VGF योजना को मंजूरी दी।

जैव-ऊर्जा (बायो-एनर्जी)

29 अक्टूबर 2026 तक बायो-पावर क्षमता 11.75 GW है। CBG पारिस्थितिकी तंत्र का भी विस्तार हुआ है, जिसमें 02 नवंबर 2026 तक 839 CBG संयंत्र पंजीकृत हैं। इनमें से 210 चालू हो चुके हैं और 255 निमार्णाधीन हैं।
बायोमास सह-उत्पादन : 30 सितंबर 2026 तक खोई आधारित 9821.32 टह और गैर-खोई आधारित 1047.85 MW क्षमता।
अपशिष्ट से ऊर्जा : 30 सितंबर 2026 तक, ग्रिड से जुड़ी अपशिष्ट-से-ऊर्जा क्षमता 324.24 MW थी। ऑफ-ग्रिड संयंत्रों ने अतिरिक्त 554.16 MW का योगदान दिया।
राष्ट्रीय बायोएनर्जी कार्यक्रम: यह कार्यक्रम वित्तीय सहायता के माध्यम से अपशिष्ट-से-ऊर्जा, बायोमास और बायोगैस परियोजनाओं का समर्थन करता है। चरण-कमें 858 करोड़ के परिव्यय के साथ वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2025-26 को कवर किया गया।

गोबरधन : अपशिष्ट को ऊर्जा विकास में बदलना

गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन - राष्ट्रीय सर्कुलर बायोएनर्जी योजना: सरकार द्वारा 6 अगस्त 2026 को वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2035-36 के लिए 23,731 करोड़ के परिव्यय के साथ स्वीकृत।
इस योजना का उद्देश्य घरेलू CBG उत्पादन को लगभग दस गुना करना और एक राष्ट्रीय सर्कुलर बायोइकोनॉमी (जैव-अर्थव्यवस्था) बनाना है।

जलविद्युत (हाइड्रो)

जलविद्युत नवीकरणीय बिजली का एक महत्वपूर्ण स्रोत बना हुआ है, जो विश्वसनीय और लचीला बिजली उत्पादन प्रदान करता है। सौर और पवन क्षमता के विस्तार के साथ यह ग्रिड स्थिरता का भी समर्थन करता है। बड़ी और छोटी जलविद्युत परियोजनाओं सहित जलविद्युत की संचयी क्षमता 57.49 GW (29 अक्टूबर 2026 तक) है।

लघु जलविद्युत विकास योजना

सरकार ने मार्च 2026 में वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2030-31 के लिए 2,584.60 करोड़ के परिव्यय के साथ लघु जलविद्युत विकास योजना को मंजूरी दी है।
इस योजना का उद्देश्य 1-25 MW की परियोजनाओं के माध्यम से लगभग 1,500 MW लघु जलविद्युत क्षमता जोड़ना है। यह विशेष रूप से पहाड़ी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में परियोजनाओं का समर्थन करती है।

हरित हाइड्रोजन

कठिन-से-कम होने वाले क्षेत्रों के लिए हरित हाइड्रोजन एक स्वच्छ ईंधन विकल्प के रूप में उभरा है। यह ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक विकास का भी समर्थन कर सकता है।

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन:

सरकार ने हरित हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने और इस क्षेत्र में अवसरों तथा चुनौतियों के प्रति एक प्रणालीगत प्रतिक्रिया को उत्प्रेरित करने के लिए एक व्यापक कार्यक्रम के रूप में 2023 में राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन शुरू किया। 2030 तक 5 MMT (मिलियन मीट्रिक टन) हरित हाइड्रोजन उत्पादन के लक्ष्य के साथ, 19,744 करोड़ के परिव्यय के साथ जनवरी 2023 में स्वीकृत।
भारतीय कंपनियों ने 2023 से अब तक 5.5 लाख MTPA हरित हाइड्रोजन ऑफटेक (खरीद) प्रतिबद्धताओं पर हस्ताक्षर किए हैं, जो दुनिया की सबसे बड़ी आपूर्ति प्रतिबद्धता है।
भारतीय कंपनियों ने 2026 में 18 नए ऑफटेक समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जो 4 लाख MTPA से अधिक हरित हाइड्रोजन समतुल्य को कवर करते हैं।
2023 से अब तक की कुल 5.5 लाख MTPA ऑफटेक प्रतिबद्धताओं में से 70% से अधिक निर्यात के लिए निर्धारित हैं।
हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं से लगभग 90,000 करोड़ (9.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर) का निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है।
उत्पादन क्षमता: फरवरी 2026 तक लगभग 8,000 टन प्रति वर्ष हरित हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता चालू की जा चुकी थी।
परिवहन: जुलाई 2026 में, सरकार ने मिशन के तहत 21 मार्गों पर 70 हाइड्रोजन-संचालित वाहनों के लिए 12 पायलट परियोजनाएं शुरू कीं।
भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन फ्यूल सेल-संचालित ट्रेन ने जुलाई 2026 में जींद-सोनीपत खंड पर परिचालन शुरू किया।

भू-तापीय ऊर्जा

भू-तापीय ऊर्जा एक विश्वसनीय नवीकरणीय स्रोत प्रदान करती है जो सौर और पवन जैसे परिवर्तनशील स्रोतों की पूरक बन सकती है। भू-तापीय ऊर्जा बिजली उत्पन्न करने या सीधे ताप प्रदान करने के लिए पृथ्वी के भीतर संग्रहीत ऊष्मा का उपयोग करती है।

भू-तापीय ऊर्जा पर राष्ट्रीय नीति (15 सितंबर 2025 को अधिसूचित)

यह नीति भू-तापीय संसाधनों के अन्वेषण, विकास और उपयोग के लिए एक रूपरेखा प्रदान करती है।
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने 381 गर्म जल के स्रोतों (हॉट स्प्रिंग्स) में किए गए अन्वेषण के आधार पर भारत की भू-तापीय क्षमता का अनुमान लगभग 10,600 MW लगाया है, जिसमें 42 भू-तापीय स्थलों को आशाजनक क्षेत्रों के रूप में पहचाना गया है।
यह नीति प्रौद्योगिकी साझेदारी, ज्ञान हस्तांतरण और संयुक्त अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देती है। भू-तापीय ऊर्जा के लिए भारत के ऑस्ट्रेलिया, आइसलैंड, सऊदी अरब और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ सहयोग तंत्र हैं।
जुलाई-अगस्त 2025 के दौरान पांच परियोजनाएं स्वीकृत की गईं, जिनमें एक पायलट उत्पादन संयंत्र, संसाधन मूल्यांकन परियोजनाएं और एक सौरझभू-तापीय हाइब्रिड संयंत्र शामिल हैं। इनका उद्देश्य भू-तापीय अनुप्रयोगों की तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता स्थापित करना है।

आगे की राह: भारत के ऊर्जा भविष्य का निर्माण

भारत एक ऐसी ऊर्जा प्रणाली का निर्माण कर रहा है जो अधिकाधिक स्वच्छ, नवीकरणीय स्रोतों से संचालित है। सौर, पवन, जलविद्युत और जैव-ऊर्जा क्षमता के विस्तार को घरेलू विनिर्माण, ऊर्जा भंडारण और हरित हाइड्रोजन तथा भू-तापीय ऊर्जा जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों द्वारा समर्थन मिल रहा है।
जैसे-जैसे ऊर्जा की मांग बढ़ेगी, नवीकरणीय ऊर्जा विश्वसनीय बिजली, बेहतर ऊर्जा सुरक्षा और एक स्वच्छ भविष्य का समर्थन करेगी। निरंतर नीतिगत समर्थन और तकनीकी प्रगति एक ऐसी ऊर्जा प्रणाली के निर्माण में मदद करेगी जो सतत, आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार हो।

सेहत

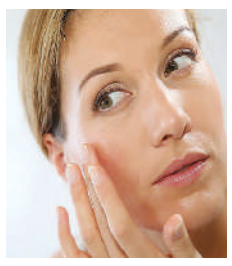
झुर्रियों से छुटकारा पाने के लिए आजमाएं नारियल तेल

ह मारी उम्र जैसे-जैसे बढ़ने लगती हैं उसके साथ ही कई तरह की त्वचा संबंधी परेशानियां भी होने लगती हैं। लेकिन उम्र बढ़ने के साथ जो समस्याएं सबसे ज्यादा परेशान करती हैं वो है झुर्रियों की समस्या। लेकिन क्या आप ये जानती है कि आप अपने चेहरे की झुर्रियों को नारियल तेल से भी कम कर सकती हैं। पुराने समय से ही नारियल के तेल का प्रयोग कई तरह की बीमारियों और त्वचा से संबंधित समस्याओं का इलाज करने के लिए किया जाता है। नारियल का तेल ना केवल बालों की समस्याओं को कम करता हैं बल्कि अगर आप इसका प्रयोग खाद्य पदार्थों में करती हैं तो यह आपके स्वास्थ्य को भी स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता हैं। नारियल का तेल आपको मार्केट में आसानी से मिल जाएगा और यह ज्यादा महंगा भी नही होता हैं। नारियल तेल का प्रयोग कई तरह के कॉस्मेटिक प्रॉडेक्ट में भी किया जाता हैं। आज हम आपको नारियल तेल के कुछ ऐसे ही उपयोगो के बारे में बताने जा रहे हैं जिसकी मदद से आप अपने चेहरे की झुर्रियों को कम कर सकती हैं।

नारियल तेल का प्रयोग झुर्रियो के कम करने के लिए कैसे करें?
झुर्रियों के इलाज के लिए नारियल तेल का प्रयोग करना सबसे अच्छा उपाय हैं। इससे आपकी त्वचा को किसी तरह का नुकसान भी नही होता हैं। वैसे अगर आप सोच रही है कि नारियल तेल का प्रयोग करने का कोई विशिष्ट तरीका है तो ऐसा नही हैं। लेकिन अगर आप इससे किसी अन्य सामग्री के साथ प्रयोग करने की सोच रही है तो उसके लिए आपको सभी पदार्थो की मात्रा का भी ध्यान रखना चाहिए।

नारियल तेल का प्रयोग करते समय ध्यान रखें

- नारियल तेल का प्रयोग करने से पहले अपने चेहरे से अच्छी तरह से मेकअप को जरुर हाटा लें। अगर आप सही से मेकअप साफ किए बिना नारियाल तेल का प्रयोग करेगी तो उससे आपकी झुर्रिया कम नही होगी।
- ठंडे पानी से अपने चेहरे को साफ कर के ही नारियल तेल का प्रयोग करे इससे आपकी झुर्रियां कम हो जाएगी। क्योकि ठंडे पानी से चेहरे पर मौजूद सभी तरह की गंदगी साफ हो जाती हैं।
- नारियल के तेल की कुछ बूंदें ले कर उन्हें धीरे से अपने चेहरे लगाएं तथा कुछ मिनटों के लिए मालिश करते रहे। इससे आपकी त्वचा पूरी तरह से नारियल तेल को अवशोषित कर लेगी।
- अगर आप इसका प्रयोग रोज सोने से पहले करती है तो आपके चेहरे की झुर्रियां बहुत ही कम समय में कम हो जाएगी।



चेहरे के लिए नारियाल तेल

चेहरे पर रोज नारियल तेल की मालिश करने से आपके चेहरे की झुर्रियां कम हो जाता हैं तथा आपका चेहरा कोमल भी हो जाता हैं। एक शोध के अनुसार नारियल तेल में जीवाणुरोधी और औषधीय गुण होता है जो कि सौंदर्य को बढ़ाने में मदद करता हैं। इतना ही नही इससे आपकी त्वचा में सही से रक्त का प्रवाह भी होता हैं। नारियल तेल को आप एक मॉइस्चराइजिंग एजेंट की तरह भी प्रयोग कर सकती हैं। अगर आप रोज एक या दो मिनट तक नारियल तेल से अपने चेहरे की मसाज करती है तो आपके चेहरे पर मौजूद झुर्रियां और निशान हल्के हो जाते हैं।

नारियल तेल का प्रयोग एंटी एजेंग के इलाज के लिए

नारियल तेल से किसी भी तरह का नुकसान नही होता है जिसके कारण आप इसको चेहरे के साथ-साथ शरीर के अन्य नाजुक अंगों पर भी प्रयोग कर सकते हैं। आप चाहे तो नारियल के तेल का प्रयोग एंटी-एजींग एजेंट की तरह भी कर सकती हैं। यह रुखी त्वचा में नमी बनाने में मदद करता हैं जिससे आपकी त्वचा स्वस्थ दिखाई देती हैं। नारियल तेल से आपकी त्वचा में चमक भी आती हैं वैसे नारियल के तेल की मदद से आप अपने शरीर पर मौजूद चोट के निशानों को भी हल्का कर सकते हैं।

नारियल तेल की मदद से हमारी त्वचा पर मौजूद डेड स्किन को भी कम किया जा सकता हैं। ये आपके शरीर के सभी हिस्सो में रक्त को पहुंचाने में मदद करता हैं तथा आपके शरीर की मासपेशियों को स्वस्थ बनाए रखने मे भी मदद करता है जिससे आपको किसी भी तरह की बीमारी नही होती हैं। अगर आप अपने बढ़ते वजन के कारण बहुत परेशान है और वजन घटाने के लिए हर तरह के तरीको का प्रयोग कर के थक गई है तो आप नारियल तेल का प्रयोग करना शुरु कर दें। नारियल तेल की मदद से आप वजन कम कर सकती हैं। इतना ही नही यह मधुमेह और कैंसर के इलाज में भी मदद करता हैं। तो अपनी दैनिक दिनचर्या में नारियल तेल का प्रयोग करना शुरु करें। इससे आपका शरीर स्वस्थ बना रहेगा।

चेहरे की डेड स्किन से छुटकारा दिलाएं 5 घेरलू उपाय



खू बसूरत त्वचा किसकी ख्वाहिश नहीं होती? इसे पाने के लिए हम न जानें कितनी महंगी क्रीमे, फेसवॉश या अन्य उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं लेकिन, इसके बावजूद त्वचा पर चमक नहीं आ पाती है। क्या आप जानते हैं ऐसा क्यों होता है? वैसे, इसके पीछे कई तरह की वजह हो सकती हैं, जिसमें मृत कोशिकाओं यानी डेड स्किन को न हटाना मुख्य कारण होता है। डेड स्किन को हटाने के लिए बाजार में कई तरह के कॉस्मेटिक उपलब्ध हैं, लेकिन इनका नकारात्मक प्रभाव आपकी त्वचा को नुकसान भी पहुंचा सकता है।

- एक ग्लास कंटेनर में नमक डालें और फिर उसमें नारियल तेल और लैवेंडर ऑयल मिला लें। अब अपनी जरूरत के हिसाब से स्क्रब इस्तेमाल करें। इसे चेहरे पर लगाकर 2-3 मिनट तक धीरे-धीरे मसाज करें। फिर गुनगुने पानी से धो लें। डेड त्वचा को एक्सफोलिएट करने के लिए हफ्ते में एक बार इस स्क्रब का उपयोग करें।
- ग्रीन-टी बैग को एक कप गर्म पानी में डालें। अब इस पानी में एक चम्मच शहद भी मिला लें। फिर इस मिश्रण से चेहरे पर धीरे-धीरे मसाज करें। ध्यान रहे कि पानी गुनगुना हो और गर्म नहीं। पानी ज्यादा गर्म न हो इसलिए पहले हाथों पर टेस्ट कर लें। थोड़ी देर बाद इसे किसी साफ-मुलायम तौलिए से पोंछ लें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें।
- पपीते और ओटेस को मिलाकर पीस लें। फिर उसमें बादाम का तेल मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। आपका स्क्रब तैयार है। स्क्रब लगाने से पहले अपने चेहरे को पानी से गीला कर लें। अब इस स्क्रब से हल्की-हल्की मालिश करें। अगर स्क्रब ज्यादा गाढ़ा लगे, तो कुछ बूंदें पानी की मिला लें। थोड़ी देर स्क्रबिंग के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। ध्यान रहे कि स्क्रबिंग के बाद चेहरे पर फेसवॉश या साबुन न लगाएं।
- एक कटोरी में शहद और चीनी को मिला लें। कुछ मिनटों के लिए इससे अपनी त्वचा को स्क्रब करें और फिर धो लें। इस स्क्रब को आप हफ्ते में एक ही बार करें।
- चेहरे पर जमी डेड परत को उतारने के लिए एक कप में ब्राउन शुगर लें। इसके बाद इसमें कोई भी तेल मिलाकर स्क्रब तैयार कर लें। अब इस स्क्रब से अपनी त्वचा पर हल्के-हल्के से सर्कुलर मोशन में मालिश करें। फिर इसे थोड़ी देर रहने दें और उसके बाद गुनगुने पानी से धो लें। इस स्क्रब को आप पूरे शरीर पर भी लगा सकते हैं।

रेसिपी



चौलाई कोकोनट खीर

सामग्री

- लो फैट दूध 220 मिली.
- भिगोई हुई चौलाई 100 ग्राम
- ट्रडिशनल दूध की रबड़ी 30 मिली.
- सूखा ताजा नारियल 15 ग्राम
- नारियल पाउडर 5 ग्राम
- ऑस्ट्रेलियन आमंड फ्लेक्स 15 ग्राम
- भुने हुए अखरोट 15 ग्राम
- ताजी पुदीना पत्तियां

विधि

दूध को तब तक उबालें, जब तक कि यह अच्छी तरह उबल कर गाढ़ा और लगभग आधा न रह जाए। अब इसमें भिगोई हुई चौलाई मिलाएं। (चौलाई का सेवन सर्दियों में बहुत लाभकारी माना जाता है। इससे शरीर को गर्माहट मिलती है और वजन घटाने में भी यह मददगार है। इसमें कई एंटी-इन्फ्लेमेटरी तत्व मौजूद होते हैं।) चौलाई को दूध में तब तक पकाएं, जब तक कि यह अच्छी तरह गाढ़ा न दिखने लगे। अब इसमें नारियल और ऑस्ट्रेलियन आमंड फ्लेक्स मिला कर चलाएं। एक बार जब खीर पक जाए तो इसमें सूखा नारियल पाउडर और दूध की रबड़ी मिलाएं। ऊपर से पुदीने की पत्तियों और कैरेमलाइज्ड अखरोट से सजाएं। ग्लास के जार में सर्व करें क्योंकि इसमें देर तक स्वाद बरकरार रहता है और डेजर्ट का शेप भी नहीं बिगड़ता। गर्म या ठंडा, अपनी पसंद के अनुसार सर्व करें।



जलेबी डोनट्स

सामग्री

- खोया 500 ग्राम
- मैदा 100 ग्राम
- कॉर्नस्टार्च 50 ग्राम
- चाशनी
- दूध 50 मिली.
- व्हाइट चॉकलेट 10 ग्राम
- ताजा नारियल 10 ग्राम
- तलने के लिए तेल
- हरी इलायची पाउडर एक चौथाई चम्मच।

विधि

खोये को अच्छी तरह मिलाने के लिए ब्लेंडर का इस्तेमाल करें। इसमें मैदा, कॉर्नस्टार्च और दूध मिलाकर गाढ़ा बैटर तैयार कर लें। पूरी सामग्री को पाइपिंग बैग में भरें और डोनट शेप बनाते हुए तलें। अच्छी तरह सुनहरा होने के बाद चाशनी में भिगो दें। अब इसे छान कर जाली में रखें। कोकोनट और व्हाइट चॉकलेट को मिक्स कर लें। डोनट्स को बीच से काटें और ऊपर से कोकोनट और चॉकलेट को फैला दें। इसे गर्म-गर्म सर्व करें।

मणिपुर में बड़ा हमला : दो वाहनों पर अंधाधुंध गोलीबारी, दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। शुक्रवार को उखरुल जिले में संदिग्ध उग्रवादियों ने दो चारपहिया वाहनों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस हमले में दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हुई। पुलिस ने घटना की पुष्टि कर मामले की जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह वारदात इंफाल-उखरुल सड़क पर स्थित न्यू हेवन इलाके में हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हथियारबंद संदिग्ध उग्रवादियों ने दो वाहनों पर गोलियां चलाईं। दोनों गाड़ियों में सवार दो पुरुष और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। हमले के बाद वाहनों की विंडशील्ड पर गोलियों के निशान मिले हैं। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इससे एक दिन पहले गुरुवार को भी मणिपुर के कांगपोकपी जिले में गोलीबारी की घटना हुई थी। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, तापहोउ कुकी गांव और पड़ोसी सेनापति जिले के कैलेन्गजांग के बीच सुबह करीब 11 बजे दो संदिग्ध विद्रोही गुटों के बीच गोलीबारी हुई थी। इस दौरान खेत में काम कर रही 43 वर्षीय कुकी महिला चोंगलोई की गोली लगने से मौत हो गई थी। उनका शव खेत से बरामद किया गया था। घटना में दो अन्य पुरुष एस. डेविड चोंगलोई (34) और लमखोचोन चोंगलोई (46) भी घायल हुए थे। दोनों को कांगपोकपी जिले के अस्पताल में भर्ती कराया गया। लगातार दो दिनों में हुई गोलीबारी की इन घटनाओं से मणिपुर में सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंता बढ़ गई है।

छठ पर्व : देहरादून स्टेशन पर यात्रियों की भगदड़

देहरादून, एजेंसी। छठ पर्व के मौके पर, देहरादून रेलवे स्टेशन पर पूर्वांचल के यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे गोरखपुर जाने वाली राप्ती गंगा एक्सप्रेस में सीट पाने को लेकर भगदड़ और अफरा-तफरी मच गई। करीब 2:15 बजे जैसे ही दून से गोरखपुर जाने वाली राप्ती गंगा एक्सप्रेस स्टेशन में दाखिल हुई, पूर्वांचल व बिहार के यात्रियों में अपनी जगह बनाने की होड़ शुरू हो गई। हर कोई सीट पाने के लिए डिब्बों की ओर बेतहाशा दौड़ पड़ा, जिससे प्लेटफार्म पर धक्का-मुक्की और अव्यवस्था का माहौल बन गया। ट्रेन के जनरल कोच में चढ़ने के लिए यात्रियों में भारी आपाधापी मच गई। भीड़ इतनी अनियंत्रित थी कि सुरक्षा के लिहाज से तैनात आरपीएफ और जीआरपी पुलिस को स्थिति संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। अनियंत्रित जनसैलाब को काबू करने में जवानों के पसीने छूट गए, क्योंकि स्टेशन का हर कोना भीड़ और भगदड़ में तब्दील हो गया था। सीट पाने की इस आपाधापी में यात्रियों ने कोच की खिड़कियों से भी अंदर घुसने में परहेज नहीं किया, हर कोई किसी भी तरह ट्रेन में प्रवेश पाने की जद्दोजहद में लगा था। सुरक्षाकर्मियों ने लगातार दौड़ते हुए यात्रियों को भगदड़ व किसी संभावित घटना से बचाने का प्रयास किया। कई महिलाओं और युवतियों को यात्रियों के बीच फंसे देख जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित कोच व सीटों तक पहुंचाया। देखते ही देखते ट्रेन के सभी डिब्बे पूरी तरह से यात्रियों से खचाखच भर गए। इस भारी भीड़ और अफरा-तफरी के बावजूद, राप्ती गंगा एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय करीब 3:15 बजे देहरादून से गोरखपुर के लिए रवाना हुई।

जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी, गुलमर्ग-सोनमर्ग में बिछी सफेद चादर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले 24 घंटों में जबरदस्त बर्फबारी हुई। गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट और सोनमर्ग के पर्यटक स्थल पर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई, जिससे वहां आए पर्यटक काफी उत्साहित नजर आए। हालांकि, ताजा बर्फबारी के कारण कई पहाड़ी दर्रे बंद हो गए हैं। श्रीनगर-लेह हाईवे, मुगल रोड पर पीर की गली, किश्तवाड़ जिले की ओर जाने वाला सिंथन दर्रा, गुरेज सीमावर्ती कस्बे की ओर जाने वाला राजदान दर्रा और तंगधार व करनाह की ओर जाने वाला साधना टॉप बर्फ से ढक गए हैं और वहां आवागमन मुश्किल हो गया है।

सेवा कोई पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है : मोहन भागवत

नई दिल्ली , एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि सेवा कोई पेशा या आजीविका कमाने का माध्यम मात्र नहीं है, बल्कि समाज के प्रति प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। करुणा, संवेदनशीलता और मानवता ही एक स्वस्थ समाज की वास्तविक बुनियाद हैं। लोगों को बिना किसी स्वार्थ और अपेक्षा के जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए। संघ प्रमुख भागवत ने यह बात शुक्रवार को डॉ. संजय पैठणकर को विदर्भ गौरव पुरस्कार प्रदान करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति से हमारा व्यक्तिगत संबंध हो या न हो, यदि वह किसी परेशानी या दुख में है, तब उसकी मदद के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। ऐसा करते समय यह भावना नहीं होनी चाहिए कि हम कोई असाधारण काम कर रहे हैं। दूसरों



के दुख को समझना और उस दुख को दूर करने का प्रयास करना ही सच्ची मानवता है।

संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि समाज केवल आर्थिक समृद्धि से मजबूत नहीं बनता, बल्कि उसके अस्तित्व का आधार आपसी संवेदनशीलता और करुणा है। जब तक लोगों में दूसरों के प्रति सहानुभूति और सहयोग की भावना बनी रहेगी, तब तक समाज मजबूत बना रहेगा। संवेदनशीलता समाप्त होने का अर्थ मानवता का कमजोर होना है। पुरस्कारों के महत्व पर उन्होंने कहा कि समाजसेवा करने वाले लोग सम्मान या पुरस्कार पाने की इच्छा से काम नहीं करते। पुरस्कार उनके योगदान को सम्मानित करने और उनके कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए दिए जाते हैं। ऐसे सम्मान समाज के अन्य लोगों को भी अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने धर्म की अवधारणा को मानवता और भाईचारे से जोड़ते हुए कहा कि सत्य, करुणा, पवित्रता और आत्मसंयम इसके मूल गुण हैं। मानवता और आपसी सद्भाव ही धर्म का वास्तविक स्वरूप है। इस दौरान भागवत ने गुरु और शिष्य का प्रसंग भी सुनाया। उन्होंने बताया कि गुरु ने शिष्य को ऐसी जगह जाकर फल खाने को कहा, जहां शिख्य को कोई देख न सके। शिष्य बिना फल खाए लौट आया, क्योंकि उसके अनुसार ऐसी कोई जगह नहीं थी, जहां ईश्वर मौजूद न हों। भागवत ने कहा कि जब व्यक्ति दूसरों में भी ईश्वर का स्वरूप देखता है, तब उसके भीतर स्वाभाविक रूप से प्रेम, करुणा और निस्वार्थ सेवा की भावना विकसित होती है।

तेलंगाना में सरकारी इंजीनियर निकला कुबेर, एसीबी को मिली करोड़ों की दौलत

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में सरकारी इंजीनियर के ठिकानों पर एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की छापेमारी में मिली संपत्तियों ने सभी को चौंका दिया है। राज्य सिंचाई विभाग के डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राघिरी सत्यनारायण के 10 ठिकानों पर हुई कार्रवाई में करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्ति का खुलासा हुआ है। एसीबी को हैदराबाद के कुकटपल्ली में 7 करोड़ का एक आलीशान विला, वानापर्थी में 25 एकड़ कृषि भूमि और फार्महाउस, करीब 50 तोला सोना, और परिवार के सदस्यों के नाम पर कई फ्लैट व प्लॉट के दस्तावेज मिले हैं। इसके अलावा सत्यनारायण की पत्नी के नाम पर 9 खुले प्लॉट और हैदराबाद में दो फ्लैट (एक करमनघाट में 3-बीएचके और दूसरा नागोले में 2-बीएचके) भी जांच के दायरे में हैं। छापेमारी के दौरान एसीबी को परिवार के पास 3 से 4 चार-पहिया वाहन और एक दो-पहिया वाहन होने की जानकारी भी सामने आई है। वित्तीय निवेश के रूप में म्यूचुअल फंड और चिट फंड में करीब 20 लाख रुपये और बीमा पॉलिसियों से जुड़ी जानकारी भी एसीबी ने जुटाई है। हालांकि, जांच टीम को कोई बैंक लॉकर नहीं मिला। एसीबी ने सत्यनारायण के पैतृक गांव शापुर, वानापर्थी, हैदराबाद और उनके परिवार व रिश्तेदारों से जुड़े कुल 10 ठिकानों पर एक साथ तलाशी ली। सत्यनारायण ने साल 2005 में असिस्टेंट इंजीनियर के रूप में सरकारी सेवा शुरू की थी और वर्तमान में सिंचाई विभाग में डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। उनकी पत्नी भी बिजली विभाग (ट्रांसको) में असिस्टेंट इंजीनियर हैं। एंटी करप्शन ब्यूरो पता लगाने में जुटी है कि एक सरकारी इंजीनियर की वैध आमदनी के मुकाबले इतनी बड़ी संपत्ति कैसे जमा हुई। एजेंसी अधिकारी की कुल आय, नौकरी से अर्जित वेतन, निवेश और परिवार के सदस्यों के नाम पर मौजूद सभी संपत्तियों का हिसाब जुटा रहे हैं।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का खतरा, 19-20 नवंबर को तट से टकराने के आसार

● संभावित मार्ग और लैंडफाल को लेकर एकमत नहीं मौसम एजेंसियां

नई दिल्ली, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में फिर चक्रवाती तूफान का खतरा मंडरा रहा है, इससे तटीय राज्यों में चिंता बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, संभावित तूफान 19 या 20 नवंबर के आसपास तट के करीब पहुंच सकता है। हालांकि, इसके संभावित मार्ग और लैंडफाल को लेकर अभी भी काफी अनिश्चितता बनी हुई है, क्योंकि अलग-अलग मॉडल भिन्न-भिन्न अनुमान जाहिर कर रहे हैं। कुछ यूरोपीय मॉडल तूफान को आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तट की ओर बढ़ने का संकेत दे रहे हैं, जबकि अन्य इस चक्रवाती तूफान को बांग्लादेश या म्यांमार की ओर मुड़ने की संभावना जता रहे हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया है कि मध्य अंडमान सागर में बना चक्रवाती परिसंचरण अब दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया है। उम्मीद है कि 15 नवंबर तक यह दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भाग में अवदाब में तब्दील होगा। आईएमडी के विस्तारित पूर्वानुमान में कहा गया है कि यह अवदाब के और अधिक मजबूत होकर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है, लेकिन इसके संभावित मार्ग और तट से टकराने के स्थान को लेकर विभिन्न मौसम मॉडल में एकमत नहीं है। इसकारण आईएमडी ने अभी तक कोई स्पष्ट पूर्वानुमान जारी नहीं किया है और अवदाब बनने के बाद ही स्थिति साफ होने की उम्मीद है। इस बीच, भुवनेश्वर मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, ओडिशा में अगले सात दिनों तक मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि 17-18 नवंबर के आसपास राज्य के मौसम में बदलाव देखा जा सकता है। सोआ के जलवायु एवं पर्यावरण केंद्र (सीईसी) के निदेशक डॉ. शरत चंद्र साहू ने अनुमान जताया है कि यदि यह प्रणाली चक्रवाती तूफान का रूप लेती है, तब 19 नवंबर की रात या 20 नवंबर की सुबह यह आंध्र प्रदेश के कावली से मछलीपट्टनम के बीच तट से टकरा सकता है। ऐसी स्थिति में 17-18 नवंबर से ओडिशा के गंजाम, गजपति और पुरी जिलों में हल्की बारिश शुरू हो सकती है, जिसके बाद 19 से 21 नवंबर के बीच दक्षिण ओडिशा के कोरापुट, नवरंगपुर, मलकानगिरि, रायगड़ा और गजपति जिलों में भारी बारिश की आशंका है। वहीं, मौसम वैज्ञानिक विश्वजीत साहू के अनुसार, 17 नवंबर के आसपास चक्रवाती तूफान बनने की संभावना है, जिसके शुरुआती आकलन में आंध्र प्रदेश तट की ओर बढ़ने के संकेत हैं।

छठ पूजा और भोजपुरी गानों पर सियासी घमासान, राज ठाकरे ने बीजेपी को दी खुली चुनौती

मुंबई , एजेंसी । महाराष्ट्र में छठ पूजा और भोजपुरी गानों को लेकर राजनीतिक विवाद बढ़ता जा रहा है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को निशाने पर लेकर लगातार तीन पोस्ट किए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी आगामी चुनावों को देखकर महाराष्ट्र में सामाजिक तनाव और मराठी-अमराठी विवाद पैदा करने की कोशिश कर रही है। साथ ही उन्होंने मराठी समाज से बीजेपी की कथित रणनीति में नहीं फंसने की अपील की।

राज ठाकरे ने आरोप लगाया कि बीजेपी और उससे जुड़े सोशल मीडिया समूह छठ पूजा को सांस्कृतिक अतिक्रमण के तौर पर पेश कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर कुछ रील्स और वीडियो के जरिए लोगों के बीच तनाव फैलाने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने मुंबई के कुछ रेलवे स्टेशनों पर भोजपुरी गाने बजाए जाने का जिक्र कर दावा किया कि मनसे ने इन गानों को बंद करवाया था।

मनसे प्रमुख ने पूरे घटनाक्रम को आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से जोड़कर बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी विकास के मुद्दों पर चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं होती तो समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच विवाद खड़ा करती है। उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान हिंदू-मुस्लिम और विधानसभा चुनावों के समय जातिगत मुद्दों को हवा देने का भी आरोप लगाया।

राज ठाकरे ने मुंबई महानगरपालिका चुनाव के दौरान कबूतरखाने के विवाद का उल्लेख कर कहा कि इसके जरिए गुजराती और मराठी समाज के बीच तनाव पैदा करने की कोशिश की गई थी। उन्होंने बीजेपी पर महाराष्ट्र के सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने और उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने का आरोप भी लगाया। मराठी समाज से अपील कर राज ठाकरे ने कहा कि लोग दूसरों के तय किए राजनीतिक मैदान में उतरकर आपस में न लड़ें। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की गुरिल्ला युद्धनीति का जिक्र कर कहा कि



जवाब कब और कैसे देना है, इसका फैसला महाराष्ट्र के लोग खुद करने वाले है। उन्होंने उत्तर भारतीयों और गुजराती समाज से भी राजनीतिक स्वार्थ के लिए मराठी लोगों के खिलाफ खड़े नहीं होने की अपील की।

राहुल गांधी के दावों पर अखिलेश को याद आए अमर सिंह... उन्होंने भी फोन टैपिंग की बात कही



लखनऊ ,एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के फोन टैपिंग के दावे पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि आज के दौर में कुछ भी संभव है। तकनीक इतनी आसान हो गई है कि किसी का भी फोन टैप हो सकता है। उन्होंने पूर्व सपा नेता अमर सिंह का जिक्र कर कहा कि उन्होंने भी फोन टैपिंग की बात कही थी, जो सच साबित हुई थी। अखिलेश यादव ने मतदाता सूची और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री योगी को कैसे पता चला कि एक करोड़ 27 लाख हिंदू मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से कट गए हैं? चुनाव आयोग ने उन्हें यह जानकारी किस आधार पर दी? अखिलेश ने आरोप लगाया कि बीजेपी मतदाता सूची में हेराफेरी करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने वोट बचाने में कामयाब रही है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने एक करोड़ 27 लाख हिंदू वोट कटने की बात कही, ताकि समाज में डर का माहौल बन सके। अखिलेश ने सवाल किया कि चुनाव आयोग ने मुख्यमंत्री को यह आंकड़ा कैसे उपलब्ध कराया।

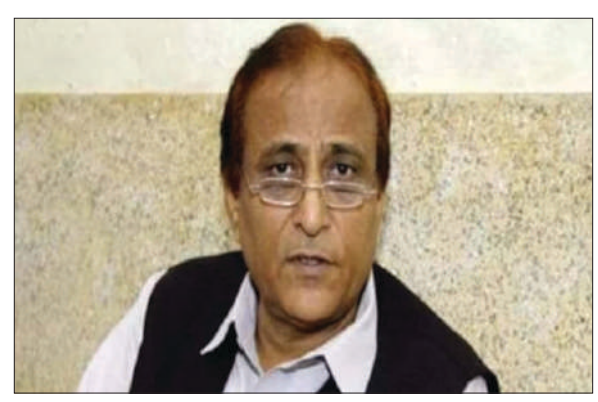
वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर बिना नाम लिए पलटवार कर अखिलेश ने कहा कि जब बीजेपी को कुछ नहीं सूझता, तब लोगों को भैंस चराने की सलाह दी जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार आने के बाद से भेदभाव बढ़ा है और उत्तराखंड में भी लोगों को संविधान के तहत उनके अधिकार नहीं मिल रहे हैं।

ईडी हिरासत में आजम खान का छल्का दर्द... शिक्षा का मंदिर बनाना ही मेरी गलती

लखनऊ , एजेंसी। समाजवादी पार्टी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आजम खान को जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े 426 करोड़ रुपये के वित्तीय घोटाले और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चार दिन की हिरासत में ले लिया है। गाजियाबाद स्थित विशेष न्यायाधीश ने ईडी की रिमांड अर्जी स्वीकार कर ली, जिसके बाद उन्हें डासना जेल से पूछताछ के लिए ले जाया गया। इस दौरान, आजम खान ने कहा, बच्चों को पढ़ाने का गुनाह किया है। यूनिवर्सिटी बनाई, स्कूल बनाए, शिक्षा का मंदिर एक मुसलमान ने बना दिया, यही एक गुनाह हो गया। ईडी की यह हिरासत 12 की शाम 4:30 बजे से 16 नवंबर की शाम 4:30 बजे तक प्रभावी रहेगी।

अदालत ने रिकॉर्ड देखने के बाद पाया कि धन के व्यापक लेनदेन का पता लगाने के लिए आजम से हिरासत में पूछताछ आवश्यक है। इसके पहले, ईडी ने 30 अक्तूबर को आजम को गिरफ्तार कर 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में डासना जेल भेजा था। यह मामला जौहर विश्वविद्यालय के लिए 27 किसानों की जमीनों पर जबरन कब्जा करने के आरोपों और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। आलियागंज के किसानों द्वारा जमीन हड़पने के आरोपों से संबंधित मुकदमों की सुनवाई, जो एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रही है, ईडी की हिरासत के चलते टल गई। इन मामलों की अगली सुनवाई अब 30 नवंबर को तय की गई है।

इस बीच, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने डासना जेल में आजम से मुलाकात की। मुलाकात के बाद शिवपाल ने कहा कि उन्हें अब केवल न्यायालय से ही उम्मीद है। उन्होंने आरोप लगाया कि शासन तथा प्रशासन आजम का उत्पीड़न कर रहा है और उन पर लगाए गए सभी मुकदमों को झूठा बताया। शिवपाल यादव के अनुसार, आजम का एकमात्र दोष गरीब बच्चों के लिए विश्वविद्यालय बनाना था।



छठ पूजा से पहले यमुना में मरी मछलियों पर सियासत तेज, भाजपा और आप आमने-सामने

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली में छठ पूजा से पहले यमुना नदी में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां मिलने के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। सोनिया विहार के पास नदी में मरी मछलियों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। इस घटना ने यमुना के प्रदूषण और जल की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। आप की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने यमुना की सफाई को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार नदी को साफ करने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति अलग है। उन्होंने सवाल उठाया कि मछलियों की मौत प्रदूषण के कारण हुई या पानी में किसी हानिकारक रसायन के मिलने से। उन्होंने सरकार से इसकी जांच कराने और जिम्मेदारी तय करने की मांग की। आप नेता भारद्वाज ने लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा के उस आरोप को खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि मरी हुई मछलियां जानबूझकर नदी में डाली गई हैं। उन्होंने भाजपा नेताओं को अपने आरोपों



के समर्थन में सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की चुनौती दी। आप नेता भारद्वाज ने कहा कि हजारों मरी हुई मछलियों को इकट्ठा करके नदी में डालने का आरोप निराधार है और दिल्ली सरकार को वास्तविक कारणों का पता लगाना चाहिए।

वहीं, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आप पर पलटवार कर आरोप लगाया कि विपक्षी दल यमुना में मरी हुई मछलियां डालकर दिल्ली सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने इस हरकत को छठ पूजा जैसे धार्मिक मौके से पहले बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और बड़ा पाप बताया। मंत्री सिरसा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने यमुना के 60 प्रतिशत हिस्से की सफाई कर रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नदी में क्रूज सेवा शुरू होने और सफाई के प्रयासों से परेशान होकर आप इस तरह की गतिविधियां कर रही है।

इस बीच, दिल्ली जल बोर्ड ने मामले में दिल्ली पुलिस को शिकायत देकर सोशल मीडिया पर कथित भ्रामक सूचनाएं फैलाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले की जांच क्राइम ब्रांच यूनिट-2 को सौंपी

मुंबई, एजेंसी । बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग मामले में मुंबई पुलिस ने जांच को लेकर बड़ा फैसला लिया। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल (एईसी) से इस मामले की जांच वापस लेकर क्राइम ब्रांच की यूनिट-2 को सौंप दी गई है। मामले में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) की धाराएं लगने के बाद जांच की जिम्मेदारी में यह बदलाव किया गया है। अब एसीपी सदाशिव राणे इस मामले के नए जांच अधिकारी होंगे। उनकी मदद के लिए यूनिट-2 की एक विशेष टीम भी बनाई गई है। इस बदलाव को मुंबई पुलिस आयुक्त के एक अहम फैसले के तौर पर देखा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक पुलिस आयुक्त ने क्राइम ब्रांच की यूनिट एंटी-एक्सटॉर्शन सेल को अपने पास मौजूद तीन से चार अहम और हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच दूसरी क्राइम ब्रांच यूनिट्स को सौंपने का निर्देश दिया है।

परिसीमन विधेयक पर विशेष सत्र की विपक्ष को कोई जानकारी नहीं : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी । कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को पारित कराने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की किसी भी योजना के बारे में विपक्षी दलों को अब तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार यदि



इस तरह का कोई सत्र बुलाने की तैयारी कर रही है, तब विपक्ष को इसकी जानकारी होनी चाहिए। प्रियंका गांधी वाड्रा से संसद का विशेष सत्र बुलाकर प्रस्तावित परिसीमन विधेयक पर चर्चा करने की खबरों के संबंध में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इस बारे में विपक्ष के किसी भी सदस्य को सूचना नहीं दी है। इसलिए उन्हें फिलहाल ऐसी किसी योजना की जानकारी नहीं है।

प्रियंका गांधी वाड्रा अपने चार दिवसीय दौरे के तहत अपने निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा ले रही हैं। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्ष के विरोध प्रदर्शनों और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार असहमति जताने वाले लोगों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। जो लोग अपनी बात रखना चाहते हैं, उन्हें बोलने से रोका जाता है। पिछले कुछ महीनों में लगातार ऐसी घटनाएं देखने को मिली हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि विपक्ष संविधान और उसके मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह संविधान और उसके मूल्यों की रक्षा करने वाली संस्थाओं को व्यवस्थित तरीके से कमजोर कर रही है। प्रियंका गांधी ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करना विपक्ष की प्राथमिकता है।

छठ पूजा का बाजार गरमाया, खरीदारों की रही भीड़

खरना के प्रसाद व छठ पूजा के लिए व्रतियों ने तैयार किया गेहूं

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। लोकआस्था सूर्योपासना का महापर्व छठ को लेकर शुक्रवार को शहर स्थित बाजार पूरी तरह से सज चुका है। बाजार में नारियल, सूप, केला, सेव, गन्ना की डाली की ब्रिकी जोरों पर रही। महापर्व का बाजार रविवार को पहले अर्ध्य से पहले समाप्त होगा। जबकि शुक्रवार को नहाय खाई से ही शहर के हर चौक-चौराहा पर फुटकर दुकानदारों ने दुकान लगा कर पूजा से संबंधित सामानों की ब्रिकी शुरू कर दी। खरीदारी को लेकर शहर में उमड़ी भीड़ से शहर के हर चौक-चौराहा गुलजार रहा। शहर के मेन बजार चौक, बाटा चौक, तालझारी,



राजमहल, गांधी चौक जहां फल पूजा सामानों की बिक्री को लेकर दुकानदारों ने कतार में दुकानें लगाइ थी। बीते साल की तुलना में इस साल फल के दामों में इजाफा होने के बाद भी खरीदार पूरे उत्साह के साथ फल की खरीदारी करने में जुटे रहे। खरीदारी के दौरान ही बाजार में छठ पर्व को लेकर बज रहे प्रसिद्ध गीत व्रतियों के कानों में मिश्री घोल रहा था। बाजार में खरीदारी को लेकर उमड़ी भीड़ से जहां फल व्यापारियों में उत्साह नजर आया। वहीं दामों में इजाफा होने के बाद भी लोगों की ओर से फलों की खरीदारी खूब की जा रही है। सुबह से ही शहर के बाजार में खरीदारों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। जो लगातार शाम तक खरीदारी में लोग जुटे रहे। वहीं छठ पूजा को लेकर घरों में अन्य कार्य शुरू हो गए है। खरना पर प्रसाद के लिए व्रती गेहूं सुखाने का काम शुरू कर चुकी है। व्रती अपने घर की छत पर छठ पूजा के लिए गेहूं तैयार करती मिली। उन्होंने बताया कि गेहूं सुखाने के दौरान वे हाथ में डंडा लेकर बैठती है, ताकि पक्षियों को गेहूं से दूर रख सके। वहीं छत पर पूजा में प्रयोग होने वाले अन्य सामानों को भी धो कर सुखाने का काम कर रही थी।

अलग-अलग रीति-रिवाजों के बावजूद सबको एक कर देता छठ पर्व

शहर में वर्षो से रह रहे मारवाड़ी और जैन परिवार के लोगों के साथ आम लोग भी छठ को पूरी श्रद्धा के साथ मना रहे हैं। भले ही लोग अलग-अलग रीति-रिवाज से जुड़े हैं, पर छठ महापर्व सभी को एक सूत्र में बांधकर एक कर देता है। पर्व को लेकर घरों में तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

फलों के भाव में आई तेजी

त्योहारको लेकर ही नहाय खाय के दिन गन्ना की डाली जहां प्रति जोड़ा 60 रुपए में बिका, वहीं उत्तम क्वालिटी का सेव प्रति किलो 200 रुपए में बेचा गया। जबकि नांरगी की कीमत भी 100 रुपए ही रही। केला प्रति कांदी 600 सौ रुपए के दर से बेचा गया। जबकि नारियल प्रति जोड़ा 120 रुपए के दर से बेचा गया। फलों के दुकान लगभग सभी स्थानों में दिखा। जहां कीमत भी लगभग एक समान था। बावजूद खरीदारों ने पूजा के लिए फलों की खरीदारी जमकर की। वहीं पूजा के सामान में सिंदूर, मिट्?टी के दीया के अलावा पान के पत्तों के अलावा कई अन्य सामानों की ब्रिकी जम कर हुई।

आम लकड़ी व मिट्टी चूल्हा की बढ़ी मांग

छठ को ले सजे बाजार में खरना का प्रसाद व अर्घ्य के लिए ठेकुआ बनाने को आम की लकड़ी व मिट्टी चूल्हा की मांग बढ़ गयी है। मौसमी कारोबारियों की ओर से चौक-चौराहों पर सजायी गयी दुकानों में खरीददार आम की लकड़ी व मिट्टी चूल्हा को अब ग्राहकों की तरजीह मिले, इसका इंतजार है।कारोबारियों ने बताया कि आम की लकड़ी 140 से 150 रुपये के बीच प्रति पांच किलों की दर पर बिक रही है। मिट्टी चूल्हा 150 से 200 रुपये प्रति पीस बिक रहा है। मिट्टी चूल्हा की तरह लोहे की चादर से बना चूल्हा भी बाजार में उपलब्ध है। यह चूल्हा 300 से 600 रुपये के बीच प्रति पीस की दर पर उपलब्ध है। इसकी भी खरीदारी व्रतियों की ओर से की जा रही है।

सजा सूप-दउरा का बाजार, जुटने लगे खरीददार

लोक आस्था का पर्व छठ को लेकर मौसमी बाजार सज चुका है। बांस निर्मित सूप-दउरा को मौसमी बाजार में उपलब्ध हैं। इसकी खरीदारी शुरू हो गई है। गया, पूर्णिया व झारखंड से सूप, छांटी टोकरी व दउरा की खेप मंगाई गई है। संकल्प व्रत नहाय-खाय के दिन से सूप, दउरा व छांटी टोकरी की खरीददारी तेज हो गई है।

कीमतों पर एक नजर

सूप : 100 से 130 रुपये प्रति पीस
दउरा : 130 से 200 रुपये प्रति पीस
टोकरी : 150 से 200 रुपये प्रति पीस
पीतल सूप : 800 से 1100 रुपये
दउरा डबल बुनाई: 300 से 500 रुपये

अर्घ्यदान के लिए सूती साड़ी की हो रही खरीदारी

छठ पूजा में हर इस्तेमाल होने वाली सामग्री का बहुत बारिकी से ध्यान रखा जाता है। सूप-दउरा पर सजने वाले पूजन सामग्री से लेकर व्रतियों के इस्तेमाल की सभी सामग्री की पहले से तैयारी करनी पड़ती है। अर्घदान के समय में तमाम व्रति माताएं सूती साड़ी पहनती हैं। यही कारण है कि साड़ी की दुकानों पर महिलाओं की अच्छी भीड़ पहुंच रही है। बाजार में हर रेट में सूती साड़ी उपलब्ध है।

कंगन-हार से लेकर सौंदर्य प्रसाधन की सामग्री खरीद रहीं युवतियां

छठ पूजा में व्रतियों के साथ उनके परिवार के लोग पूरे उत्साह के साथ छठ घाट तक जाते हैं। इस दौरान सभी लोग नए अथवा साफ-सुथरे कपड़े पहनते हैं। युवतियां, बहुएं सज-धजकर छठि मइया के गीत गाते हुए घाटों पर पहुंचती हैं। बाजार में छठ पूजा को लेकर कंगन, हार, मंगलसूत्र, कान का कुंडल, कानबाली, नथिया, चूड़ी, बाला आदि बिक रहा है।

छठ महापर्वः कद्दू-भात के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान शुरू, खरना आज



बिभा संवाददाता

राजमहल । आस्था, श्रद्धा और विश्वास के महापर्व छठ की शुरूआत शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ हुई। चार दिवसीय इस महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को खरना मनाया जाएगा। इस अवसर पर व्रती महिलाएं पूरे दिन निर्जला उपवास रखने के बाद शाम को गुड़ की खीर और घी से बनी रोटी का विशेष प्रसाद तैयार करेंगी। वही पहले दिन व्रतियों ने नदी या तालाब में स्नान कर स्वयं को शुद्ध किया। इसके बाद कद्दू, चने की दाल और चावल से बना पारंपरिक सात्विक भोजन (कद्दू-भात) ग्रहण किया। यह भोजन पूरी शुद्धता और पवित्रता के साथ तैयार किया जाता है। इसे आगामी कठिन व्रत की शुरूआत माना जाता है। वही शनिवार को छठ महापर्व का दूसरा दिन खरना मनाया जाएगा। इस दिन व्रती पूरे दिन निर्जला उपवास रखती हैं। शाम के समय मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ी जलाकर गुड़ की खीर और घी से बनी रोटी (रोटिया) तैयार की जाती है। इस दौरान साफ-सफाई और पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जाता है। सूर्य देव की पूजा-अर्चना के बाद व्रती सबसे पहले प्रसाद ग्रहण करती हैं। खरना का प्रसाद ग्रहण करने के बाद व्रती अगले 36 घंटे तक निर्जला व्रत रखती हैं।

चोरी के मोबाइल खपाने में महिला का हो रहा था इस्तेमाल, 37 मोबाइल के साथ दो गिरफ्तार

सानिया बस से चोरी के 14 मोबाइल के साथ महिला गिरफ्तार, निशानदेही पर मकान से 23 और मोबाइल बरामद

बिभा संवाददाता

राजमहल । चोरी के मोबाइल फोन की खरीद-बिक्री और उसे खपाने के मामले में राजमहल पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से विभिन्न कंपनियों के कुल 37 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनमें 14 मोबाइल सानिया बस में सफर कर रही महिला के पास से मिले, जबकि उसकी निशानदेही पर हाटपाड़ा स्थित किराये के मकान से 23 अन्य मोबाइल बरामद किए गए। जिसकी जानकारी राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिया। उन्होंने बताया कि 13 नवंबर को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह को गुप्त सूचना मिली थी कि रांची से राजमहल आ रही सानिया बस में एक महिला चोरी के मोबाइल लेकर सफर कर रही है। सूचना के



सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजमहल के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। इसके बाद पुलिस टीम ने जेल मोड़ पेट्रोल पंप के पास वाहन जांच शुरू की। इसी दौरान सानिया बस पहुंची तो उसे रोककर महिला पुलिस पदाधिकारी ने यात्रियों की जांच की। जांच के क्रम में एक महिला के पास मौजूद खाकी रंग के थैले से 14 मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस ने महिला से मोबाइल के वैध कागजात मांगे, लेकिन वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी। वहीं पूछताछ के दौरान महिला ने पुलिस को बताया कि सुनील कुमार बोआरीजोर गोड्डा जिला निवासी और बीरू महतो निवासी बाबूपुर तीनपहाड़ उसे चोरी के मोबाइल उपलब्ध कराते थे। इसके बाद वह पूर्व निर्धारित स्थानों पर इन मोबाइलों को पहुंचाती थी। महिला ने बताया कि उसे यह कहकर मोबाइल पहुंचाने की जिम्मेदारी दी जाती थी कि पुलिस महिलाओं की जांच नहीं करती है। वहीं महिला की पहचान रेनू देवी 39 वर्ष, पति स्व. संदीप कुमार साहा निवासी बभनगामा थाना तीनपहाड़ के रूप में हुई। उसके स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर पुलिस ने हाटपाड़ा स्थित उसके किराये के मकान में छापेमारी की। वहां से विभिन्न कंपनियों के 23 अन्य मोबाइल फोन बरामद किए गए। इस दौरान पुलिस ने उसके सहयोगी बीरू महतो 32 वर्ष, पिता स्व. मदन महतो, निवासी बाबूपुर थाना तीनपहाड़ को भी गिरफ्तार कर लिया।

नौ कंपनियों के 37 मोबाइल जब्त

पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 37 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। इनमें आईफोन के 2, रियलमी के 7, मोटोरोला के 3, ओप्पो के 4, वीवो के 8, नार्जो के 2, सैमसंग के 8, नथिंग के 1 और रेडमी के 2 मोबाइल शामिल हैं। कहा इस मामले में राजमहल थाना कांड संख्या 410/26, दिनांक 13 नवंबर 2026 को बीएनएस की धारा 317(2), 317(5) एवं 3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस आगे की अनुसंधान कर रही है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को शुक्रवार को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। वहीं छापेमारी दल में राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी, पुअनि महादेवा उरांव, पुअनि पवन यादव, सअनि अरुणा टोप्पो, सअनि सनातन हेम्ब्रम तथा सशस्त्र बल के जवान हवलदार महेंद्र यादव और आरक्षी 294 राजेंद्र शर्मा शामिल थे।

छठ महापर्वः राजमहल में जोरों पर खरीदारी, मिट्टी के चूल्हे और बांस के सूप-दाला की मांग चरम पर



बिभा संवाददाता

राजमहल। महापर्व छठ की तैयारी राजमहल नगर क्षेत्र में जोरों पर है। शुक्रवार को कद्दू-भात के साथ छठ अनुष्ठान का विधिवत शुभारंभ हो गया। अनुमंडल कार्यालय एवं राजमहल रेलवे स्टेशन के आसपास सजे बाजारों में सूप, दाला, मिट्टी के चूल्हे और पीतल के बर्तनों की खरीदारी जोरों से हो रही है। वही गुरुवार से ही राजमहल बाजार में दुकानें सजने लगी थीं। दूर-दराज से आए श्रद्धालु गंगा स्नान कर टोकरी, नारियल और केला आदि की खरीदारी में जुटे हैं। सूप, दाला, नारियल, मिट्टी का चूल्हा और आम की लकड़ी समेत मोटे सामान की खरीदारी लोग पहले से ही कर रहे हैं। विशेष रूप से सूप, दउरा और टोकरी की दुकानों पर खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ रही है। वही छठ पर्व निष्ठा और पवित्रता का प्रतीक है। साथ ही व्रती महिलाएं मिट्टी के चूल्हे पर ही कद्दू-भात बनाती हैं और छठ प्रसाद भी मिट्टी के चूल्हे पर ही तैयार किया जाता है, इसलिए बाजार में मिट्टी के चूल्हों की मांग खासी रहती है। व्रती केवल बांस के सूप-दाला ही नहीं, बल्कि पीतल के सूप और दाला भी खरीद रहे हैं। साथ ही शुक्रवार को खरना के लिए आम की लकड़ी, घी, मिट्टी का चूल्हा और साठी के चावल खरीदने वालों की भीड़ राजमहल बाजार, गांधी चौक मार्केट सहित अन्य बाजारों में देर शाम तक देखी गई। वही फल मंडी के थोक विक्रेताओं के अनुसार इस बार हर फल के दाम में तेजी है। माल ढुलाई में वृद्धि और अधिक बारिश से फलों के खराब होने को इसका कारण बताया जा रहा है। भारतीय नाशपाती की उपज प्रभावित होने के कारण इस बार छठ के लिए दूसरे बड़े शहरों से विदेशी नाशपाती मंगाई गई है।

संक्षिप्त खबरें

राजमहल विधानसभा में ईएलसी प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन, तीन प्रखंडों के 19 प्रतिभागियों ने लिया भाग



राजमहल(बिभा)। शुक्रवार को राजमहल प्रखंड कार्यालय में राजमहल विधानसभा स्तरीय इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में राजमहल विधानसभा क्षेत्र के तीन प्रखंडों राजमहल, उधवा और साहेबगंज के कुल 19 चयनित प्रतिभागियों ने भाग लिया। साथ ही इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के तहत आयोजित इस प्रतियोगिता में निर्वाचन से संबंधित कुल 25 प्रश्न पूछे गए, जिसके लिए प्रतिभागियों को 30 मिनट का समय दिया गया। प्रतियोगिता के बाद सफल प्रतिभागियों को राजमहल के निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। वही इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप सभी भविष्य के मतदाता हैं। इस तरह के कार्यक्रमों में भाग लेकर समाज में जागरूकता बढ़ाएं, जिससे लोकतंत्र मजबूत हो। भावी पीढ़ी यदि जागरूक होकर समाज में आगे आए तो एक अलग उत्साह का माहौल बनता है। साथ ही प्रतियोगिता में शीर्ष 10 सफल प्रतिभागी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

राजमहल में 480 आवासों का गृह प्रवेश, राज्य स्थापना दिवस से पहले गरीबों को मिला पक्का आशियाना



राजमहल(बिभा) । राज्य स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को राजमहल प्रखंड अंतर्गत विभिन्न पंचायतों में आवास योजना के तहत पूर्ण किए गए आवासों का गृह प्रवेश कार्यक्रम धूमधाम से शुभारंभ किया गया। प्रखंड क्षेत्र में कुल 480 आवासों का गृह प्रवेश किया जाएगा, जिससे सैकड़ों लाभुक परिवारों को अपना पक्का आशियाना मिलेगा। साथ ही पंचायत गुणिहारी में आयोजित गृह प्रवेश कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद यूसुफ, मुखिया सुखवा उरांव, पंचायत सचिव मो. शाहजहां अंसारी, आवास योजना के समन्वयक रवि कांत रवि तथा पंचायत समिति सदस्य बुल्लू महतो उपस्थित रहे। वहीं, पंचायत समसपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख लक्ष्मी उरांव, झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के प्रखंड अध्यक्ष मो. अनिसुर रहमान सहित संबंधित पंचायत की मुखिया एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। वही इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने लाभुकों को आवास की चाबी सौंपी और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य प्रत्येक गरीब परिवार को अपना पक्का घर उपलब्ध कराना है, ताकि कोई भी व्यक्ति छत के बिना न रहे। वही गृह प्रवेश पाकर लाभुक परिवारों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने अपने-अपने पक्के आवास में प्रवेश कर पूजा-अर्चना की और सरकार एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने कहा कि शेष आवासों का निर्माण कार्य भी तेजी से पूरा कराया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लाभुकों को जल्द ही आवास उपलब्ध हो सके।

उधवा में तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ शुभारंभ

बिभा संवाददाता

उधवा । झारखंड स्थापना दिवस एवं धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को उधवा प्रखंड क्षेत्र के मोहनपुर पंचायत अंतर्गत खरदांग मैदान में तीन दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन किया गया। टूनार्मेंट का शुभारंभ मुख्य अतिथियों के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली,जिला संगठन सचिव काजू मल्लिक, मुखिया भैया किस्कू,सकल हेंब्रम एवं कीनू सोरेन उपस्थित रहें। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली ने कहा कि खेलकूद से युवाओं में अनुशासन,आपसी भाईचारा और टीम भावना विकसित होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के खेल आयोजनों से स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। टूनार्मेंट में विभिन्न क्षेत्रों से प्रतियोगिता में भाग लिया। कमिटी की ओर से बताया कि रविवार को टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला होगा। मौके पर वर्णवास सोरेन,मंगल मुर्मू सहित अन्य मौजूद थे।

छठ महापर्व को लेकर अभाविप की पहल, मुक्तेश्वरनाथ धाम गंगा घाट पर चलाया स्वच्छता अभियान

छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सेवा के लिए पूजा सामग्री व पेयजल की करेगी व्यवस्था

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की साहेबगंज नगर इकाई ने विशेष पहल की है। छठ महापर्व के मद्देनजर शुक्रवार को परिषद के कार्यकताओं ने मुक्तेश्वरनाथ धाम गंगा घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान गंगा घाट एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई कर श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को स्वच्छता का संदेश दिया गया।



अभियान में मुख्य रूप से उपस्थित प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रजीत साह ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, संस्कृति और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। ऐसे पावन अवसर पर गंगा घाटों की स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखना सभी का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने आम नागरिकों से घाटों पर गंदगी नहीं फैलाने और स्वच्छ एवं सुंदर घाट बनाने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मुक्तेश्वरनाथ धाम गंगा घाट पर छठ पूजा सेवा शिविर लगाएगी। शिविर के माध्यम से छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं के बीच दूध, गंगाजल, अगरबत्ती, धूप, माचिस, पूजा सामग्री और पीने के पानी सहित अन्य आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया जाएगा। परिषद के कार्यकर्ता पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा एवं सुविधा के लिए सक्रिय रहेंगे।

स्वच्छता अभियान में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अविनाश साह, नगर मंत्री चंदन कुमार, जिला कार्यालय मंत्री अंकुश कुमार, पूर्णव कुमार, प्रीति सरकार एवं अनुरंजन प्रसाद सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आपसी प्रेम और सौहार्द वातावरण में मनाएं छठ महापर्व : अंचल अधिकारी

बिभा संवाददाता

उधवा । लोक आस्था और सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा को लेकर उधवा प्रखंड क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। इस पावन अवसर पर उधवा के अंचल अधिकारी आशीष कुमार मंडल ने प्रखंड क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। उन्होंने बताया कि छठ महापर्व को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए है। उन्होंने बताया कि छठ घाटों पर दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की तैनाती की जाएगी। उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था,श्रद्धा,पवित्रता, अनुशासन और सामाजिक एकता का प्रतीक है। यह पर्व हमें प्रकृति के प्रति सम्मान,परिवार की खुशहाली तथा समाज में आपसी भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि लोक आस्था के इस पर्व को आपसी



प्रेम,सौहार्द और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाएं। अंचल अधिकारी ने कहा कि छठ पूजा के दौरान सभी श्रद्धालु आपसी सहयोग और संयम बनाए रखें। घाटों पर पूजा-अर्चना के दौरान सुरक्षा एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने व्रतियों और श्रद्धालुओं से अपील की कि छठ घाटों पर किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न करें तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करें। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और लोक संस्कृति की अनूठी पहचान भी है। इस पर्व में सभी वर्गों के लोग मिल-जुलकर अपनी सहभागिता निभाते है। जिससे समाज में एकता और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। अंचल अधिकारी आशीष कुमार मंडल ने भगवान भास्कर और छठी मैया से सभी व्रतियों एवं क्षेत्रवासियों के सुख,शांति,समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व शुरू,नदी घाटों एवं तालाबों की सफाई तेज



उधवा । लोक आस्था का महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। छठ महापर्व को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। पर्व को लेकर नदी घाटों एवं तालाबों की साफ-सफाई का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है। वहीं पूजा समितियों एवं स्थानीय ग्रामीणों द्वारा घाटों को व्यवस्थित और आकर्षक बनाने की तैयारी की जा रही है। जानकारी के अनुसार उधवा कचहरी घाट, भगत टोला, सोमवारी हाटपाड़ा, बोतलुटोला, मिर्जानगर, फुदकीपुर, मनिहारी टोला, कटहलबाड़ी, बेगमगंज, राधानगर, मसना, आतापुर हाटपाड़ा, मारोपुर, गोबरगाड़ी एवं केलाबाड़ी सहित विभिन्न नदी घाटों एवं तालाबों में साफ-सफाई का कार्य तेजी से चल रहा है। छठ व्रतियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक तैयारियां की जा रही है। छठ महापर्व को लेकर बाजारों एवं चौक-चौराहों पर भी चहल-पहल बढ़ गई है। पूजा सामग्री,फल एवं अन्य आवश्यक सामानों की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ने लगी है। घरों में भी छठ पूजा की तैयारियां शुरू हो गई है। व्रतियों में पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है। वहीं नव युवक छठ पूजा समिति उधवा के सचिव सुकुमार चौधरी ने बताया कि छठ महापर्व को लेकर घाटों की साफ-सफाई का कार्य पूरा कर लिया गया है। इसके अलावा पंडाल एवं तोरणद्वार का निर्माण कराया जा रहा है। घाटों के आसपास आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था की जा रही है। ताकि छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि पर्व को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए समिति के सदस्य लगातार तैयारियों में जुटे हुए है।

स्वास्थ्य विभाग की प्रखंड स्तरीय मासिक समीक्षा बैठक आयोजित, दिए गए दिशा-निर्देश

बिभा संवाददाता

उधवा। उधवा प्रखंड कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की प्रखंड स्तरीय मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी जयंत कुमार तिवारी ने किया। बैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उधवा के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गुफरान आलम, शिक्षा विभाग व बाल विकास विभाग के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान नियमित टीकाकरण,मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, कालाजार, मलेरिया, टीबी सहित अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई।साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने, दवाओं की उपलब्धता,मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने तथा सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने पर चर्चा हुई। संबंधित स्वास्थ्यकर्मियों को कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया गया। वहीं प्रखंड के प्राणपुर, पलाशगाछी एवं अमानत कलस्टर के महिला स्वास्थ्यकर्मियों को रोगों की पहचान एवं कुपोषण से संबंधित जानकारी देने के उद्देश्य से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षण में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान,उनके बचाव एवं आवश्यक उपचार की जानकारी दी गई। इसके अलावा आगामी 20 नवंबर और 27 नवंबर को निर्धारित कार्यक्रमों को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में बीपीएम अनिल पाल,एसटीएस रवि कुमार,महिला पर्यवेक्षिका सुशीला हेंब्रोम सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त डायरी

राजगीर में भारतीय अंडर-20 कबड्डी टीम का प्रशिक्षण शिविर, काठमांडू में खेलेगी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट



एजेंसी

पटना। बिहार के राजगीर स्थित राज्य खेल अकादमी में 13 से 19 नवंबर तक भारतीय अंडर-20 बालक कबड्डी टीम का सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। 30 सदस्यीय दल इस शिविर में आगामी फोर नेशंस जूनियर अंडर-20 बालक कबड्डी कप-2026 की तैयारी करेगा। बिहार के खेल इतिहास में एक और गौरवशाली अध्याय जुड़ने जा रहा है। राज्य को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर की टीम के प्रशिक्षण शिविर की मेजबानी का अवसर मिला है। आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता की तैयारियों के लिए भारतीय अंडर-20 बालक कबड्डी टीम शुक्रवार से राजगीर स्थित अत्याधुनिक राज्य खेल अकादमी में अभ्यास करेगी। यहां 19 नवंबर तक सात दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के लिए तैयार किया जाएगा। काठमांडू में दिखाएंगे दमखम सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य भारतीय टीम को आगामी 'फोर नेशंस जूनियर अंडर-20 बालक कबड्डी कप-2026' के लिए तैयार करना है। यह अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट 21 से 23 नवंबर 2026 तक नेपाल की राजधानी काठमांडू में आयोजित होगा। शिविर में खिलाड़ियों, मुख्य प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ समेत कुल 30 सदस्य हिस्सा लेंगे। राजगीर में अभ्यास के बाद टीम नेपाल रवाना होगी, जहां वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना दमखम दिखाएगी। तकनीकी कौशल और फिटनेस पर रहेगा जोर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से ठीक पहले आयोजित इस शिविर में खिलाड़ियों के तकनीकी और रणनीतिक कौशल को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही टीम के खिलाड़ियों के बीच बेहतर तालमेल विकसित करने के लिए भी अभ्यास कराया जाएगा। खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता, सहनशक्ति और मैच फिटनेस को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप तैयार करने के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य प्रतियोगिता से पहले टीम को हर लिहाज से मजबूत बनाना है। बिहार सरकार करेगी आवासन से प्रशिक्षण तक की व्यवस्था आमेट्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुरोध पर बिहार सरकार के खेल विभाग ने इस प्रशिक्षण शिविर के सफल आयोजन की जिम्मेदारी ली है। विभाग की ओर से 30 सदस्यीय भारतीय दल के ठहरने, पौष्टिक भोजन, अभ्यास के लिए कबड्डी मैट और विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए जरूरी इंतजाम किए गए हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य सरकार की ओर से खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के परिणाम अब जमीन पर दिखाई देने लगे हैं। राजगीर में बने अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल परिसर में लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं व प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन हो रहा है। इससे न केवल बिहार को खेल के क्षेत्र में नई पहचान मिल रही है, बल्कि राज्य की खेल प्रतिभाओं को भी आगे बढ़ने और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिल रही है।

पटना सहित 38 जिलों का सूर्योदय समय देखें; छठ पूजा 2026 में उगते सूर्य को अर्घ्य देने का समय क्या है

एजेंसी

दरभंगा नहाय खाय के साथ छठ महापर्व की शुरूआत हो गई है। 15 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। पटना सहित बिहार के 38 जिलों में सूर्योदय की समय-सारिणी देखें। पूरी दुनिया में छठ ही ऐसा पर्व है जो अस्ताचलगामी सूर्य की उपासना भी जरूरी बताता है। सूर्य षष्ठी, यानी छठ पर अस्त होते सूर्य की उपासना होती है। इस बार सूर्य षष्ठी तिथि 15 नवंबर को है और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने का दिन 16 नवंबर है।उदीयमान, यानी उगते सूर्य की अर्चना हिंदू धर्म में हर जगह तन-मन के लिए जरूरी बताई गई है। लोग सामान्य दिनों में भी सूर्योदय के समय जल दें तो उन्हें भी लाभ होता है। ऐसे में लोग यह जानना चाहते हैं कि 16 नवंबर को बिहार में कहां, किस समय सूर्योदय होगा। इस खबर में तस्वीरों के जरिए देखें कि बिहार के किस जिले में 16 नवंबर को कब सूर्योदय होगा। सूयोर्पासना और छठी मइया से आशीर्वाद का पर्व- छठ नहाय खाय के साथ 13 नवंबर को शुरू हो गया है। नहाय खाय पर लोग कद्दू-दाल की सब्जी के साथ अरवा चावल खाते हैं। इसके साथ ही पर्व में प्रसाद बनाने के लिए गेहूं-चावल को सुखाकर पीसेंगे या पिसवाने की तैयारी में हैं। कल, 14 नवंबर को खरना की शाम छठी मइया की आराधना होगी। खरना में व्रती संतान-परिवार के लिए सबकुछ शुभ-शुभ चाहते हैं। खरना के अगले दिन कार्तिक षष्ठी तिथि को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर उस परंपरा का निर्वहन किया जाएगा, जो बताती है कि जो अस्त होता है- उसका उदय भी निश्चित है। छठ महापर्व पर 16 नवंबर को इस बार सुबह का अर्घ्य दिया जाएगा। छठ में लोग घंटों सूर्य के आने का इंतजार करते हैं। छठ वाले घरों में आधी रात के बाद से ही सुबह के अर्घ्य के लिए डाला तैयार किया जाता है। तीन बजे से लोग घाटों पर पहुंचने लगते हैं, ताकि सूर्योदय से एक घंटे पहले उनके सूप घाट पर सज जाएं। 16 नवंबर को सूर्योदय सबसे पहले किशनगंज में होगा और सबसे अंत में कैमूर में सूर्योदय होगा। सूर्योदय की पहली किरण के साथ ही अर्घ्य देना शुरू होता है। धुंध के कारण देर होने पर भी लोग अमूमन सूर्य के दर्शन का इंतजार करते हैं, लेकिन अगर बादलों के कारण यह बिल्कुल संभव न हो तो सूर्योदय का समय जानकर अर्घ्य देना शुरू किया जाता है।

पटना के गेस्ट हाउस में युवक ने फंदे से लगाई फांसी, कमरे में मिला शव

एजेंसी

पटना। पटना के मीठापुर पुरानी बस स्टैंड स्थित श्रीराम गेस्ट हाउस में मध्यप्रदेश निवासी रवि कुमार सिंह का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। युवक 10 नवंबर की रात से गेस्ट हाउस में ठहरा हुआ था। सूचना मिलने पर जक्कनपुर थाना पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची। राजधानी पटना के मीठापुर पुरानी बस स्टैंड स्थित एक गेस्ट हाउस में युवक का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान मध्यप्रदेश निवासी रवि कुमार सिंह के रूप में हुई है। वह 10 नवंबर की रात से श्रीराम गेस्ट हाउस में ठहरा हुआ था। घटना की जानकारी मिलने के बाद जक्कनपुर थाने की पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने कमरे की जांच के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। जानकारी के मुताबिक, रवि कुमार सिंह श्रीराम गेस्ट हाउस के एक कमरे में ठहरा हुआ था। कमरे में उसका शव फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही जक्कनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद एफएसएल की टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और कमरे की जांच-पड़ताल की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। फिलहाल युवक ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही घटना से जुड़ी परिस्थितियों का पता चल सकेगा।

मैथिली ठाकुर के जमीन विवाद में प्रशासन का एक्शन, पक्की सड़क और अतिक्रमण कर बनाया गया डिवाइडर तुड़वाया

एजेंसी

दरभंगा। दरभंगा के तारडीह प्रखंड के पोखरभिंडा गांव में भाजपा विधायक मैथिली ठाकुर और उनके पिता रमेश ठाकुर से जुड़े जमीन विवाद में प्रशासन ने कार्रवाई की है। डीसीएलआर अजय कुमार और सीओ आलोक कुमार की मौजूदगी में जमीन की मापी कराई गई। दरभंगा जिले के अलीनगर से भाजपा विधायक मैथिली ठाकुर और उनके पिता रमेश ठाकुर से जुड़े जमीन विवाद में जिला प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। ग्रामीणों की शिकायत के बाद गुरुवार को प्रशासनिक अधिकारियों की टीम तारडीह प्रखंड के पोखरभिंडा गांव पहुंची। यहां डीसीएलआर अजय कुमार और अंचलाधिकारी आलोक कुमार की मौजूदगी में जमीन की मापी कराई गई। इस दौरान सरकारी रास्ते पर अतिक्रमण पाए जाने पर प्रशासन ने उसे खाली करवाया। साथ ही अतिक्रमण कर बनाए गए निर्माण, डिवाइडर और सड़क पर



बिछाई गई ईंटों को भी तुड़वा दिया गया। ग्रामीणों ने विधायक के पिता पर लगाए थे अतिक्रमण के आरोप इस पूरे मामले में ग्रामीणों ने तारडीह के अंचलाधिकारी को आवेदन देकर विधायक मैथिली ठाकुर के पिता रमेश ठाकुर पर सरकारी सड़क, निजी जमीन, ग्राम देवता तिवारी बाबा स्थान, राधाकृष्ण मंदिर, सामूहिक श्राद्धस्थल और नाले की जमीन पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाया था। शिकायत के बाद मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा था। इसकी गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन के निर्देश पर गुरुवार को डीसीएलआर अजय कुमार और अंचलाधिकारी आलोक कुमार को जांच के लिए मौके पर भेजा गया। अधिकारियों ने शिकायतकताओं की मौजूदगी में जमीन की मापी कराई। शुरूआती जांच में सरकारी रास्ते पर अतिक्रमण सामने आने के बाद वहां बनाए गए डिवाइडर और सड़क पर बिछाई गई ईंटों को हटवा दिया गया। हालांकि, निजी जमीन से जुड़े आरोपों पर फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं की गई है। संबंधित शिकायतकताओं से जमीन के दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया है। निजी जमीन के विवाद में दस्तावेज दिखाने के निर्देश मामले में गगन कुमार मिश्र ने अपनी करीब तीन डिसमिल 14 धुर जमीन पर कब्जे और बाउंड्री निर्माण की शिकायत की थी। अधिकारियों ने उन्हें इस मामले में डीसीएलआर कार्यालय या सक्षम न्यायालय में जाने की सलाह दी है। वहीं, रामउदार मिश्र की 15 धुर जमीन से जुड़े विवाद को लेकर उन्हें शनिवार को आयोजित होने वाली परामर्श सभा में जमीन के सभी दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने को कहा गया है। दूसरी ओर, रामदाय देवी ने अपनी जमीन के किनारे मिट्टी कटाई से नुकसान होने की आशंका जताई थी। ग्रामीणों की ओर से अन्य जमीनों को लेकर भी शिकायतें दी गई हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निजी जमीन से जुड़े मामलों में दस्तावेजों की जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। तिवारी बाबा स्थान की जमीन पर शिकायत मधुबनी प्रशासन तक पहुंचेगी ग्राम देवता तिवारी बाबा स्थान की जमीन पर कब्जे की शिकायत को लेकर अधिकारियों ने बताया कि संबंधित जमीन मधुबनी जिले में पड़ती है। ऐसे में ग्रामीणों को इस मामले में मधुबनी जिला प्रशासन के समक्ष शिकायत दर्ज कराने के लिए कहा गया है। राधाकृष्ण मंदिर, सामूहिक श्राद्धस्थल और नाले की जमीन को लेकर भी ग्रामीणों ने अतिक्रमण के आरोप लगाए हैं। डीसीएलआर बोले- सरकारी रास्ते से हटवाया अतिक्रमण डीसीएलआर अजय कुमार ने बताया कि शुरूआती मापी के दौरान सरकारी रास्ते पर कुछ दूरी तक पक्का निर्माण और अतिक्रमण पाया गया था। इसे हटवा दिया गया है। अन्य शिकायतकताओं को शनिवार को अंचल कार्यालय बुलाया गया है। वहां उनके दस्तावेजों और शिकायतों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मंदिर की जमीन पर कब्जे की शिकायत के संबंध में उन्होंने बताया कि संबंधित स्थल मधुबनी जिले में आता है, इसलिए ग्रामीणों को वहां के प्रशासन से संपर्क करने को कहा गया है। इस मामले में शिकायत करने वालों में भगवान मिश्र, गगन कुमार मिश्र, संतोष कुमार सिंह, प्रेमचंद मिश्र, रामदाय देवी और रामउदार मिश्र समेत कई ग्रामीण शामिल हैं। फिलहाल, विधायक मैथिली ठाकुर से जुड़े इस जमीन विवाद में प्रशासन की कार्रवाई के बाद ग्रामीणों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। अब शनिवार को होने वाली परामर्श सभा और दस्तावेजों की जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि निजी जमीन से जुड़े अन्य आरोपों पर क्या कार्रवाई होती है।

सम्राट चौधरी-प्रशांत किशोर की मुलाकात चर्चा में, रोहिणी और लालू भी पहुंचे

एजेंसी

पटना। बिहार की राजनीति में एक-दूसरे पर तीखे हमले करने वाले सम्राट चौधरी और प्रशांत किशोर जब आमने-सामने आए तो नजारा कुछ अलग ही था। दोनों ने हाथ मिलाया, मुस्कुराकर बातचीत की। बगल में रोहिणी आचार्य भी बैठी दिखीं। अब तीनों की तस्वीर वायरल है। आइये जानते हैं कहां यह सब हुआ? बिहार की राजनीति में एक-दूसरे पर तीखे हमले करने वाले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और जन सुराज के सूत्रधार एवं विधायक प्रशांत किशोर का एक अलग अंदाज देखने को मिला। पटना में दोनों नेता भाजपा नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद आरके सिन्हा के आवास पर आयोजित एक श्रद्धांजलि सभा में आमने-सामने आए। इस दौरान दोनों ने गर्मजोशी से मुलाकात की, हाथ मिलाया और मुस्कुराते हुए बातचीत की। दोनों की यह तस्वीर अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इस मुलाकात की सबसे खास बात यह रही कि राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य भी सम्राट चौधरी और प्रशांत किशोर के बगल में बैठी नजर आईं। रोहिणी भी लगातार मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और प्रशांत किशोर पर राजनीतिक हमले करती रही हैं। ऐसे में तीनों नेताओं की एक साथ मौजूदगी वाली तस्वीर ने सोशल मीडिया पर नई चर्चा छेड़ दी है। कार्यक्रम में भाजपा नेता ऋतुराज सिन्हा और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी भी मौजूद थे। जनसुराज को भाजपा की बी टीम बताता रहा है राजद दरअसल, प्रशांत किशोर कई मौकों पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और बिहार सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते रहे हैं। वहीं, राजद भी लगातार जन सुराज पर भाजपा की बी टीम होने का आरोप लगाता रहा है। ऐसे में दोनों नेताओं की गर्मजोशी भरी मुलाकात को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ लोग प्रशांत किशोर के राजनीतिक रुख में बदलाव की अटकलें भी लगा रहे हैं। हालांकि, एक दिन पहले ही शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने प्रशांत किशोर पर जमकर हमला बोला था।

10 IAS अधिकारियों को मिली प्रोन्नति, सारण समेत नौ जिलों के DM बने अपर सचिव, बढ़ेगी सैलरी

एजेंसी

पटना। बिहार के प्रशासनिक गलियारों से आई एक खबर ने नौ जिलों के डीएम के बीच खुशी बढ़ा दी है। सरकार ने 10 आईएएस अधिकारियों को प्रोन्नति दी है। आखिर किसे मिला बड़ा ओहदा और किस अधिकारी की सैलरी में होने जा रहा है इजाफा बिहार सरकार ने राज्य के 10 आईएएस अधिकारियों को पदोन्नति का लाभ दिया है। इनमें नौ जिलों के जिलाधिकारी शामिल हैं। सभी को अपर सचिव स्तर के ग्रेड में प्रोन्नत किया गया है। पदोन्नति पाने वालों में सारण के जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव भी शामिल हैं। इसके अलावा माध्यमिक शिक्षा निदेशक नितिन सिंह को भी इस ग्रेड में पदोन्नति मिली है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। नए ग्रेड के तहत अधिकारियों को एक जनवरी 2027



से संशोधित वेतनमान का लाभ मिलेगा। सारण समेत इन नौ जिलों के डीएम को मिला प्रमोशन सरकार की ओर से जारी पदोन्नति सूची में कटिहार के जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी, शिवहर की डीएम प्रतिभा रानी, सारण के डीएम वैभव श्रीवास्तव, अररिया के डीएम विनोद दूहन, मधेपुरा के डीएम अभिषेक रंजन, शेखपुरा के डीएम शेखर आनंद, अरवल की डीएम अमृता बैंस, बक्सर की डीएम साहिला और मुंगेर के डीएम निखिल धनराज निप्पणीकर का नाम शामिल है। इन सभी अधिकारियों को अपर सचिव स्तर के ग्रेड में प्रोन्नति दी गई है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक नितिन सिंह भी पदोन्नति पाने वाले 10 अधिकारियों की सूची में शामिल हैं। छठ महापर्व 2026: नहाय-खाय के साथ आज से शुरू चार दिवसीय अनुष्ठान, जानिए कहां क्या चल रहा? 78,800 से 2,09,200 रुपये तक होगा वेतनमान पदोन्नति के बाद सभी अधिकारियों को वेतन मैट्रिक्स के लेवल-12 का लाभ मिलेगा। इसके तहत वेतनमान 78,800 रुपये से लेकर 2,09,200 रुपये तक निर्धारित है। यह लाभ एक जनवरी 2027 से प्रभावी होगा। अधिकारियों को निर्धारित सेवा अवधि पूरी करने के आधार पर टाइम बाउंड प्रमोशन दिया गया है। प्रमोशन के बाद भी सारण के डीएम बने रहेंगे वैभव श्रीवास्तव सारण के जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव को अपर सचिव स्तर के ग्रेड में पदोन्नति मिलने के बावजूद फिलहाल उनके वर्तमान पदस्थापन में बदलाव नहीं हुआ है। वह सारण के डीएम के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाते रहेंगे। उनके स्थानांतरण या नई तैनाती को लेकर अलग से कोई आदेश जारी नहीं किया गया है।

शराब के नशे में पति करता था मारपीट, पत्नी ने करंट लगाकर की हत्या; शव दरवाजे पर रख रची हादसे की

एजेंसी

पटना। बिहार के मधेपुरा जिले के बिहारीगंज थाना क्षेत्र में 26 वर्षीय नंदकिशोर मुखिया की करंट लगाकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने घटना के 24 घंटे के भीतर उसकी पत्नी गुंजन कुमारी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में गुंजन ने पति की हत्या करने की बात स्वीकार की है। बिहार के मधेपुरा जिले में एक युवक की करंट लगाकर हत्या करने का मामला सामने आया है। हत्या का आरोप उसकी पत्नी पर लगा है। पुलिस ने घटना के 24 घंटे के भीतर मामले का खुलासा करते हुए आरोपी पत्नी गुंजन कुमारी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में गुंजन ने पति नंदकिशोर मुखिया (26) को करंट लगाकर मारने की बात स्वीकार की है। मृतक के पिता ठाकुर मुखिया के आवेदन पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी महिला को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया



गया। मामला बिहारीगंज थाना क्षेत्र की सरौनी कला पंचायत के वार्ड-9 का है। बुधवार सुबह घर के दरवाजे के पास नंदकिशोर का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की। पति की प्रताड़ना से परेशान होकर हत्या की रची साजिश पुलिस पूछताछ में गुंजन ने बताया कि उसका पति शराब का आदी था। वह अक्सर नशे में घर लौटता था और उसके साथ मारपीट करने के साथ दुर्व्यवहार भी करता था। गुंजन के अनुसार, शादी के बाद से ही वह पति की प्रताड़ना से परेशान थी। इसी वजह से उसने नंदकिशोर की हत्या की साजिश रची। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार रात नंदकिशोर शराब पीकर मेला देखने गया था। रात करीब एक बजे घर लौटने के बाद वह दरवाजे पर अपने पिता के पास सो गया। इसके बाद सुबह करीब तीन बजे उसकी पत्नी उसे जगाकर घर के अंदर ले गई। बेहोश होने पर लगाया करंट, फिर दरवाजे पर रख दिया शव पुलिस का कहना है

छठ पर गंगा नदी में जाने और नाव चलाने पर रोक, 13 से 16 नवंबर तक लागू रहेगा प्रतिबंध

एजेंसी

पटना। छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए बक्सर जिला प्रशासन ने 13 से 16 नवंबर 2026 तक बक्सर अनुमंडल क्षेत्र के गंगा घाटों पर नदी में प्रवेश और निजी नावों के परिचालन पर प्रतिबंध लगा दिया है। छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए बक्सर जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। प्रशासन ने गंगा नदी में लोगों के प्रवेश और नावों के परिचालन पर पूरी तरह रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध 13 नवंबर से 16 नवंबर 2026 तक बक्सर अनुमंडल क्षेत्र के सभी गंगा घाटों पर लागू रहेगा। इस दौरान आम लोगों के साथ निजी नावों के चलने पर भी रोक रहेगी। हालांकि, प्रशासनिक कार्यों और सुरक्षा व्यवस्था के लिए अधिकृत नावों और मोटरबोट को छूट दी गई है। गंगा घाटों पर उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़, सुरक्षा के लिए फैसला जिला प्रशासन के अनुसार, छठ महापर्व के अवसर पर बक्सर और चौसा अंचल के अंतर्गत गंगा नदी के अलग-अलग घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में नदी में डूबने और अन्य अप्रिय घटनाओं का खतरा बना रहता है। इसी को देखते हुए प्रशासन ने गंगा नदी में प्रवेश और नावों के परिचालन पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए गंगा घाटों पर बैरिकेडिंग सहित अन्य जरूरी इंतजाम भी किए गए हैं, ताकि पर्व के दौरान किसी तरह की दुर्घटना से बचा जा सके। बिना अनुमति नाव चलाने पर होगी कार्रवाई प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा, विधि-व्यवस्था और अन्य सरकारी कार्यों के लिए चिन्हित और अधिकृत नावों तथा मोटरबोट के परिचालन की अनुमति रहेगी। इनके अलावा किसी भी तरह की निजी या अन्य नाव चलाने पर रोक रहेगी। जिला प्रशासन या अनुमंडल प्रशासन से पहले अनुमति लिए बिना नाव चलाते हुए पकड़े जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। माइकिंग के जरिए लोगों को किया जाएगा जागरूक प्रतिबंध का पालन सुनिश्चित कराने के लिए प्रशासन ने नगर परिषद बक्सर, नगर पंचायत चौसा और इटाढ़ी के कार्यपालक पदाधिकारियों को माइकिंग कराने का निर्देश दिया है। इसके जरिए आम लोगों को प्रतिबंध की जानकारी दी जाएगी। वहीं, गंगा घाटों पर तैनात दंडाधिकारियों को भी लाउडस्पीकर के माध्यम से लगातार लोगों को जागरूक करने और नदी में प्रवेश पर रोक की जानकारी देने को कहा गया है। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं और आम नागरिकों से सुरक्षा व्यवस्था का पालन करने तथा 13 से 16 नवंबर तक गंगा नदी में प्रवेश नहीं करने की अपील की है।

छठ महापर्व 2026: नहाय-खाय के साथ आज से शुरू चार दिवसीय लोकआस्था का महापर्व

एजेंसी

पटना। सूयोर्पासना के चार दिवसीय महापर्व छठ की शुरूआत आज शुक्रवार यानी 13 नवंबर से नहाय-खाय के साथ हो गई है। इस बार छठ पर ग्रह-नक्षत्रों का विशेष संयोग बन रहा है। आइये ज्योतिषाचार्य से जानते हैं सारे सवालों का जवाब? बिहार समेत देशभर में लोकआस्था का महापर्व छठ आज से शुरू हो गया है। चार दिनों तक चलने वाले इस कठिन अनुष्ठान की शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को नहाय-खाय से होती है। इस दौरान व्रती पवित्र नदियों, तालाबों और जलाशयों में स्नान कर भगवान सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इसके बाद पूरी शुद्धता और सात्विकता के साथ तैयार भोजन ग्रहण कर व्रत का संकल्प लेते हैं। इस बार नहाय-खाय के दिन मूल नक्षत्र, धृति योग और रवियोग का संयोग बन रहा है। छठ पर बन रहा ग्रह-नक्षत्रों का



शुभ संयोग ज्योतिषाचार्य पंडित राकेश झा ने बताया कि इस वर्ष छठ महापर्व पर ग्रह-गोचरों का विशेष संयोग बन रहा है। शुक्रवार 13 नवंबर को मूल नक्षत्र, धृति योग और रवियोग में नहाय-खाय के साथ पर्व की शुरूआत हो रही है। शनिवार 14 नवंबर को पूवार्षाढ़ा नक्षत्र और रवियोग में खरना होगा। रविवार 15 नवंबर को सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग में अस्ताचलगामी सूर्य को संध्या अर्घ्य दिया जाएगा। वहीं, सोमवार 16 नवंबर को वृद्धि योग और सर्वार्थ अमृत सिद्धि योग के मंगलकारी संयोग में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ महापर्व का समापन होगा। सूयोर्पासना की वैदिक परंपरा से जुड़ा है छठ

ज्योतिषाचार्य पंडित राकेश झा ने बताया कि सूयोर्पासना भारतीय वैदिक परंपरा का अभिन्न अंग है। ऋग्वैदिक काल से ही सूर्य की आराधना की परंपरा चली आ रही है। सूर्य को प्रत्यक्ष देवता और आरोग्य का कारक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सूर्य की उपासना से आरोग्यता, सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है। स्कंद पुराण में भी छठ व्रत का उल्लेख मिलता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, राजा प्रियव्रत ने कुष्ठ रोग से मुक्ति की कामना के साथ भगवान भास्कर की आराधना की थी। इस व्रत को प्रतिहार षष्ठी के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने और जीवन में अनुशासन अपनाने का संदेश देता है। ज्योतिषाचार्य राकेश झा के अनुसार, छठ में भगवान सूर्य के साथ उनकी शक्तियों उषा और प्रत्युषा की भी आराधना की जाती है। सूर्य की अंतिम किरण को प्रत्युषा और पहली किरण को उषा कहा जाता है। यही वजह है कि छठ में पहले अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है और अगले दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर नमन किया जाता है। इस तरह छठ में सूर्य की दोनों अवस्थाओं की पूजा होती है। यह प्रकृति के चक्र और जीवन में निरंतरता के महत्व को भी दशार्ता है। षष्ठी तिथि छठी मैया और सप्तमी सूर्यदेव को समर्पित धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, छठ पर्व में षष्ठी माता और भगवान सूर्य की संयुक्त आराधना की जाती है। षष्ठी तिथि के स्वामी भगवान कार्तिकेय माने जाते हैं और षष्ठी देवी को देवसेना के रूप में भी जाना जाता है। इन्हें लोकपरंपरा में छठी मैया कहा जाता है। विष्णु पुराण के अनुसार, तिथियों के विभाजन के समय भगवान सूर्य को सप्तमी तिथि प्रदान की गई थी। वहीं, अथर्ववेद की मान्यता के अनुसार षष्ठी देवी भगवान सूर्य की मानस बहन हैं। इसलिए छठ में सूर्यदेव के साथ षष्ठी माता की पूजा का विशेष महत्व है। मान्यता है कि छठी मैया बच्चों की रक्षा करती हैं और परिवार को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं। बच्चे के जन्म के छठे दिन भी षष्ठी माता की पूजा करने की परंपरा है। नहाय खाय के दिन अरवा चावल, चने की दाल और लौकी की सब्जी का प्रसाद ग्रहण किया जाता है। प्रकृति को समर्पित है छठ, आपसी सौहार्द का देता है संदेश ज्योतिषाचार्य राकेश झा ने बताया कि छठ प्रकृति को समर्पित महापर्व है। इसमें सूर्य, जल, धरती और मौसमी फलों का विशेष महत्व है। पूजा में ईख, नारियल, केला, गागर, ठेकुआ और अन्य मौसमी फलों को प्रसाद के रूप में अर्पित किया जाता है। इस पर्व में जाति, वर्ग और आर्थिक स्थिति का भेद पीछे छूट जाता है। सभी लोग एक साथ घाटों की सफाई करते हैं और एक-दूसरे के सहयोग से पूजा की तैयारियां करते हैं। यही कारण है ।

बैंक ऑफ बड़ौदा की गोल्डन गोल एफडी पर बंपर रिटर्न

मुंबई ।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी 555 दिनों वाली गोल्डन गोल डिपॉजिट स्कीम की ब्याज दर में 10 बेसिस पॉइंट (0.10 फीसदी) का इजाफा किया है। इस बढ़ोतरी के बाद, सामान्य ग्राहकों को अधिकतम 6.85 फीसदी, वरिष्ठ नागरिकों को 7.35 फीसदी और सुपर सीनियर सिटीजन्स को 7.45 फीसदी सालाना ब्याज मिलेगा। यह स्कीम विशेष रूप से उन ग्राहकों के लिए बनाई गई है जो अपनी बचत को सुरक्षित रखते हुए बेहतर रिटर्न चाहते हैं। इसमें मात्र 1,000 रुपये से निवेश शुरू किया जा सकता है। निवेशक बैंक ऑफ बड़ौदा के बीओबी वर्ल्ड मोबाइल ऐप, आधिकारिक वेबसाइट या अपनी नजदीकी बैंक शाखा में जाकर आसानी से एफडी खुलवा सकते हैं। यह बदलाव निवेशकों को बेहतर कमाई का मौका देता है, खासकर वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में अधिक लाभ मिलेगा।

एमके संस में मनुजा श्रॉफ का 26 करोड़ का बड़ा निवेश

नई दिल्ली ।

मशहूर निवेशक मनुजा गौतम श्रॉफ ने हाल ही में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई कंपनी एमके संस फाइन ज्वेल्स में बड़ा निवेश किया है। उन्होंने खुले बाजार से लगभग 26 करोड़ रुपये के 15.44 लाख शेयर खरीदे हैं, जिससे बाजार में कंपनी के प्रति विश्वास बढ़ा है। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक, श्रॉफ ने चार नवंबर को कंपनी की लिस्टिंग के दिन 169.04 रुपये के औसत भाव पर 4.33 लाख से अधिक शेयर (7.32 करोड़ रुपये) खरीदे। इसके बाद, उन्होंने 12 नवंबर को 166.69 रुपये प्रति शेयर के औसत मूल्य पर 11.11 लाख से अधिक शेयर (18.52 करोड़ रुपये) खरीदे। इन दोनों सौदों को मिलाकर, उन्होंने कुल 15.44 लाख शेयर 25.85 करोड़ रुपये में हासिल किए। वर्ष 2012 में स्थापित एमके संस फाइन ज्वेल्स आभूषण डिजाइन, विनिर्माण और खुदरा बिक्री के कारोबार में है। कंपनी के मुंबई और अहमदाबाद में कुल पांच शोरूम हैं।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन का 456 करोड़ का आईपीओ 18 नवंबर को

नई दिल्ली ।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड का 456 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 18 नवंबर को खुलेगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 259 से 272 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी की शुक्रवार को जारी सार्वजनिक घोषणा के अनुसार, तीन दिन का यह निर्गम 20 नवंबर को बंद होगा। बड़े निवेशक 17 नवंबर को बोली लगा पाएंगे। आईपीओ 355 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 101 करोड़ रुपये तक के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। नए शेयर से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनी सैफायर क्रॉप साइंस द्वारा लिए गए कर्ज को चुकाने और रणनीतिक पहलों के वित्तपोषण तथा सामान्य कॉरपोरेट जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा। वर्ष 1994 में स्थापित क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन फसल समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी है। इसके उत्पादों में कृषि रसायन और बीज प्रमुख हैं।कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध किए जाने का प्रस्ताव है।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने 3,050 करोड़ में इंटेलीस्मार्ट का अधिग्रहण किया

स्मार्ट मीटरिंग में मजबूत हुई पैठ एनआईआईएफ और ईईएसएल से हुई डील

नई दिल्ली ।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस (एईएसएल) ने राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष (एनआईआईएफ) और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) से इंटेलिस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड का 3,050 करोड़ रुपये में अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इस महत्वपूर्ण सौदे से अदाणी समूह की कंपनी स्मार्ट मीटरिंग के क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को मजबूत करेगी। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि इस सौदे में इंटेलिस्मार्ट की 100 प्रतिशत शेयर पूंजी का अधिग्रहण और एनआईआईएफ के पास मौजूद वैकल्पिक परिवर्तनीय ऋणपत्र का भुगतान शामिल है। इंटेलिस्मार्ट बिजली के लिए उन्नत मीटरिंग बुनियादी ढांचा (एएमआई) उपलब्ध कराती है और कुछ स्मार्ट गैस मीटर भी स्थापित करती है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने 30 अक्टूबर को इस अधिग्रहण को मंजूरी दी थी। इससे पहले जून में एईएसएल ने अधिग्रहण समझौते की घोषणा की थी। एनआईआईएफ भारत का संप्रभु समर्थित वैकल्पिक परिसंपत्ति प्रबंधक है, जबकि ईईएसएल बिजली मंत्रालय के तहत प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का संयुक्त उद्यम है।

बिकवाली के दबाब से शेयर बाजार में गिरावट

सेंसेक्स 500 अंक गिरकर 81,300, निफ्टी 25,100.85 के स्तर पर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में बीते 10 दिनों की हरियाली के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को बिकवाली का जोर दिखा। शुरुआती कारोबार में प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी टूट गए। सेंसेक्स 537.56 अंकों की गिरावट के साथ 81,373.45 के स्तर पर पहुंच गया। यह 0.65 फीसदी की महत्वपूर्ण कमी दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी लाल निशान में रहा। निफ्टी 198.50 अंक टूटकर 25,100.85 के स्तर पर आ गया। यह सूचकांक में 0.78 फीसदी की गिरावट को दर्शाता है। बाजार खुलने के दौरान निवेशकों में चिंता का माहौल देखा गया। शेयर बाजार में शुरुआत कारोबार में निफ्टी 50 में सिप्ला, ओएनजीसी, डॉ. रेड्डीज लैब्स, मैक्स हेल्थकेयर और एसबीआई सबसे ज्े यादा बढ़ने वाले शेयर हैं। वहीं टॉप लूजर्स में श्रीराम फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, मारुति सुजुकी, जियो फाइनेंशियल और एटीएमपीवी शेयर शामिल हैं।



निफ्टी 50 में शामिल आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई में जोरदार गिरावट आई है।

आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 0.39 फीसदी की गिरावट के साथ 1,583.80 रुपये पर कारोबार कर रहा है। बजाज फाइनेंस का शेयर 0.33 फीसदी टूटकर 1,111.35 रुपये और एचडीएफसी बैंक 1.32 फीसदी की गिरावट के साथ 801.60 रुपये पर कारोबार कर रहा है।

रुपया सात पैसे चढ़कर 94.05 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया गुरुवार को 41 पैसे टूटकर 94.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था



मुंबई ।

रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ सात पैसे की मामूली बढ़त के साथ 94.05 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के निरंतर निवेश, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अनुकूल बाहरी माहौल से रुपये में सकारात्मक रुझान दिख रहा है। हालांकि, विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर की मजबूती से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया करीब 94.07 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 94.05 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को 41 पैसे टूटकर 94.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.15 पर रहा।

जेनसन हुआंग के इस्तीफे के बाद एनवीडिया के शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली।

दुनिया की सबसे बड़ी चिप मेकिंग कंपनी एनवीडिया पिछले कुछ दिनों से अपने सीईओ से जुड़े विवादों के चलते काफी सुर्खियों में थी।

कंपनी के सीईओ जेनसन हुआंग से जुड़े मामले की खबरें जैसे ही बाहर आईं, भूचाल मच गया। जेनसन इन विवादों में आए और विवादों को बढ़ता हुआ देख उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। जेनसन के पद से इस्तीफा देते ही इसका असर कंपनी के शेयरों पर देखने को मिला। अमेरिकी शेयर बाजार खुलने से पहले ही कंपनी के शेयर 10 फीसदी से ज्यादा गिर गए। बाजार खुलने के बाद शेयरों की कीमत में और गिरावट दर्ज की गई, और शुरुआती कारोबार में कंपनी के शेयर लगभग 14 फीसदी तक टूट गए। हालांकि, बाद में गिरावट कुछ कम हुई और शेयर करीब 11.5 फीसदी नीचे कारोबार करने लगे।

यह गिरावट निवेशकों के लिए चिंता का विषय बन गई, जिन्होंने बाजार खुलने के बाद शेयरों की कीमत पर करीब से नजर रखी। पिछले कुछ दिनों से एनवीडिया के शेयर लगातार दबाव में थे। सीईओ से जुड़े विवादों और अन्य आरोपों के कारण कंपनी के शेयरों पर इसका तगड़ा असर देखने को मिल रहा था। अब इस गिरावट के कारण कंपनी दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी की सूची से नीचे खिसक गई है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि एक बड़े विवाद के कारण कंपनी की पूरी वैल्यू पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कंपनी ने जेनसन हुआंग के इस्तीफे की खबर की पुष्टि स्वयं की है।

ऑनलाइन पेमेंट पर मंडराया साइबर फ्रॉड का खतरा,बैंक हुए सख्त

डिजिटल लेनदेन को सुरक्षित बनाने की कवायद तेज, ग्राहकों का पैसा बचाने पर जोर

नई दिल्ली ।

देश में डिजिटल भुगतान का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, जहां छोटी से छोटी खरीद से लेकर बड़े बिलों तक का भुगतान अब ऑनलाइन माध्यम से हो रहा है। हालांकि, इस सुविधा के साथ साइबर धोखाधड़ी का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी चुनौती से निपटने के लिए भारतीय बैंक अब सक्रिय हो गए हैं। बैंकों ने डिजिटल पेमेंट और फिनटेक कंपनियों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ-साथ मर्चेंट वेरिफिकेशन और लेनदेन निगरानी को और सख्त करने के निर्देश दिए हैं ताकि ग्राहकों के डिजिटल लेनदेन को अधिक सुरक्षित बनाया जा सके। बैंकों ने अपनी पार्टनर फिनटेक कंपनियों को साफ निर्देश दिए हैं कि वे अपने प्लेटफॉर्म पर नए व्यापारियों (मर्चेंट) को जोड़ने से पहले उनकी गहन जांच करें। इसके अलावा, उन बैंक खातों की जानकारी भी दोबारा सत्यापित की जाए जिनमें कारोबारियों का पैसा भेजा जाता है। ऑटोमेटेड पेआउट सिस्टम, जिसके जरिए कंपनियां एक साथ हजारों खातों में भुगतान करती हैं, उस पर भी कड़ा नियंत्रण रखने की सलाह दी गई है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है ताकि साइबर अपराधी इन प्रणालियों का दुरुपयोग कर गलत खातों में पैसे ट्रांसफर न कर सकें। डिजिटल



धोखाधड़ी का एक सामान्य तरीका एपीआई की चोरी है। एपीआई की एक गोपनीय कोड होता है जिसका उपयोग मर्चेंट का सॉफ्टवेयर भुगतान कंपनी को निर्देश देने के लिए करता है। यदि ये कोड मर्चेंट के सर्वर से चोरी हो जाते हैं, तो अपराधी इनका इस्तेमाल कर फर्जी भुगतान कर सकते हैं, जिससे असली और नकली निर्देशों में अंतर करना मुश्किल हो जाता है। इस खतरे को कम करने के लिए, पेमेंट कंपनियां अब अपनी एपीआई की को नियमित रूप से बदल रही हैं और सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत कर रही हैं ।

आरबीआई दिसंबर में बढ़ा सकता है 0.25 फीसदी रेपो रेट रिपोर्ट

टर्मिनल रेट 6 फीसदी पर स्थिर होने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) दिसंबर की बैठक में रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत (25 आधार अंक) की वृद्धि कर सकती है। हालांकि, 0.50 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी की संभावना कम है। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि महंगाई, रुपये और वैश्विक दबावों में कमी के शुरुआती संकेत मिल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो आरबीआई की 2-6 प्रतिशत की निर्धारित सीमा से ऊपर है, लेकिन अगले महीने के बाद इसमें गिरावट आने का अनुमान है। भारत के लिए कुछ सकारात्मक संकेत भी मिल रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की धारणा में सुधार से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का निवेश बढ़ा है, जो नवंबर से अब तक 7.65 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसके अलावा, अमेरिका-ईरान संघर्ष में तनाव कम होने की संभावनाओं से कच्चे तेल की कीमतों का दृष्टिकोण बेहतर हुआ है, और अमेरिकी चुनावों के बाद ये 11 प्रतिशत गिरकर लगभग 87 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर रह सकती हैं। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में भी नरमी आने की उम्मीद है, जबकि भारतीय 10-वर्षीय यील्ड में गिरावट का स्पष्ट रुझान दिख रहा है। एसबीआई रिसर्च का कहना है कि लगातार कई बार ब्याज दरें बढ़ाने की पहले की उम्मीदें अब खारिज हो रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, टर्मिनल रेपो रेट 6 प्रतिशत के आसपास स्थिर हो सकता है, जिसमें 5.75 प्रतिशत तक नीचे आने की भी 50-50 संभावना है।

एचडीएफसी बैंक की डिजिटल सेवाएं 14 नवंबर को रहेंगी बाधित

नई दिल्ली ।



एचडीएफसी बैंक ने अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए एक अहम सूचना जारी की है। बैंक की नेटबैंकिंग और मोबाइल ऐप सहित कई डिजिटल सेवाएं 14 नवंबर को तड़के 2:30 बजे से सुबह 6:30 बजे तक, यानी चार घंटे के लिए बंद रहेंगी। यह रोक जरूरी सिस्टम मेंटेनेंस के कारण लगाई गई है। इस अवधि के दौरान ग्राहक फंड ट्रांसफर, ऑनलाइन भुगतान और खाते से जुड़ी कई डिजिटल सेवाओं का उपयोग नहीं कर पाएंगे। बैंक के अनुसार यह मेंटेनेंस डिजिटल सेवाओं की दक्षता और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। हालांकि, ग्राहकों के लिए राहत की बात यह है कि यूपीआई और जेडएपीपी से संबंधित सेवाएं इस दौरान भी जारी रहेंगी। ऐसे में जिन्हें तुरंत भुगतान करना हो, वे इन सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकते हैं।

पेज एक का शेष

योग बना भारत की वैश्विक पहचान ...

उनका व्यक्तित्व विशाल था, लेकिन व्यवहार अत्यंत विनम्र और सहज था। वे स्वयं पीछे रहकर दूसरों को आगे बढ़ाने और लोगों को राष्ट्रकार्य से जोड़ने में विश्वास करते थे।

उन्होंने कहा कि शेषाद्रि जी समाज सेवा को मां की निःस्वार्थ सेवा के समान मानते थे। जिस तरह मां अपने बच्चे की देखभाल बिना किसी प्रतिफल की अपेक्षा के करती है, उसी भावना से समाज की सेवा होनी चाहिए। उन्होंने अपने जीवन में इस विचार को व्यवहार में उतारा। प्रधानमंत्री ने उनके साथ अपने आत्मीय संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका स्नेह और मार्गदर्शन आज भी स्मृतियों में जीवंत है।

प्रधानमंत्री ने प्रशांति कुटीरम की पांच दशक की यात्रा को सेवा, साधना और समर्पण की प्रेरक गाथा बताया। उन्होंने कहा कि पांच दशक पहले शुरू हुआ एक साधारण योग केंद्र आज बड़े शैक्षणिक, अनुसंधान और स्वास्थ्य संस्थान के रूप में विकसित हो चुका है। यहां योग के प्रभावों का आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर अध्ययन किया जा रहा है। संस्थान ने योग प्रशिक्षकों, चिकित्सकों और शोधकर्ताओं की ऐसी पीढ़ी तैयार की है, जो देश-विदेश में मानवता की सेवा कर रही है।

उन्होंने कहा कि योग के साथ आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान को जोड़कर यहां स्वास्थ्य की व्यापक अवधारणा विकसित की गई है। जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के समाधान के लिए भी संस्थान महत्वपूर्ण अनुसंधान कर रहा है। वर्ष 1975 में स्थापित एस-व्यासा ने योग शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने एच.वी. शेषाद्रि के जीवन को भगवद्गीता में वर्णित सात्त्विक कर्मयोग का साक्षात उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि बाल्यकाल से ही देशभक्ति से ओतप्रोत शेषाद्रि जी ने उनके जैसे न जाने कितने स्वयंसेवकों को जीवनभर राष्ट्रकार्य के लिए प्रेरित किया। उनका जीवन त्याग, तपस्या, सादगी, अध्ययन और संगठन के प्रति समर्पण की मिसाल था।

होसबाले ने बताया कि शेषाद्रि जी ने 32 पुस्तकों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, समाज, इतिहास और राष्ट्रचिंतन को व्यापक अभिव्यक्ति दी। उनकी प्रमुख कृतियों में छत्रपति शिवाजी पर 'युगावतार', भारत विभाजन पर 'द ट्रैजिक स्टोरी ऑफ पार्टिशन', आपातकाल पर 'भुगिलु' और संघ के दर्शन पर 'आरएसएस : ए विजन इन एक्शन' शामिल हैं। उनकी पुस्तक 'टोरबेरालु' को कर्नाटक राज्य साहित्य अकादमी पुरस्कार भी मिला था। उनका साहित्य आने वाली पीढ़ियों के लिए महत्वपूर्ण वैचारिक धरोहर है।

सरकार्यवाह ने कहा कि शेषाद्रि जी वर्षभर देश के अलग-अलग क्षेत्रों में प्रवास करते थे और छोटे-छोटे गांवों तक पहुंचकर स्वयंसेवकों से संवाद करते थे। उन्होंने 10 हजार से अधिक पत्र लिखकर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। इन पत्रों में संगठनात्मक गतिविधियों के साथ कार्यकर्ताओं की व्यक्तिगत और पारिवारिक समस्याओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता भी दिखाई देती थी। यादवराव जोशी के मार्गदर्शन में कर्नाटक में शुरू हुई सेवा गतिविधियों को व्यवस्थित स्वरूप देने और आगे बढ़ाने में भी शेषाद्रि जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

होसबाले ने शेषाद्रि जी की सादगी का उल्लेख करते हुए बताया कि एक बार उन्होंने उन्हें दाढ़ी बनाते समय टूटे हुए आईने का इस्तेमाल करते देखा। आईना बदलने की सलाह देने पर शेषाद्रि जी ने सहजता से कहा कि जितना दिखाई देना चाहिए, उतना दिखाई दे रहा है, बाकी देखने की आवश्यकता नहीं है। टूटे आईने को अशुभ बताने पर उन्होंने मुस्कराकर कहा कि इस जीवन में अब और क्या शुभ होना है, जो होना था वह सब हो गया है।

समाधि की अवस्था पर शोध करेगी ऋतंभरा प्रयोगशालाएस-व्यासा के स्वर्ण जयंती समारोह में योग अनुसंधान को नई दिशा देने के लिए अत्याधुनिक 'ऋतंभरा' प्रयोगशाला की स्थापना की पहल भी प्रमुख रही। इसके माध्यम से योग के उच्चतर आयामों, विशेषकर समाधि की अवस्था पर वैज्ञानिक अध्ययन किया जाएगा। उद्देश्य भारतीय योग परंपरा में वर्णित गहन साधनात्मक अनुभवों को आधुनिक शोध पद्धतियों से समझना है। संस्थान के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. एचआर नागेंद्र ने कहा कि प्रयोगशाला योग के उच्चतर आयामों को वैज्ञानिक रूप से ट्रैक करने में मदद करेगी।

एस-व्यासा का स्वर्ण जयंती महोत्सव 13 से 23 नवंबर तक 'विकसित भारत 2047 की ओर' थीम पर आयोजित किया जा रहा है। वर्ष 2002 में इसे डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा मिला था। समारोह में वीवाईएएसए सोसाइटी के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. एचआर नागेंद्र, अंतरराष्ट्रीय मामलों के मुख्य सलाहकार प्रेम भंडारी, उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, उपाध्यक्ष सतीश गुप्ता, राकेश कुमार तिवारी और दक्षिण कोरिया के प्रतिनिधि आह्न ब्योंग-गू सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दिव्या, विदित, तेजस्विन, त्रिशा समेत 17 खिलाड़ी...

बैडमिंटन खिलाड़ी त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने वर्ष 2024 में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। दोनों ने वर्ष 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत और महिला युगल में कांस्य पदक हासिल किया था। हालांकि, जापान मास्टर्स टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के कारण दोनों खिलाड़ी पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हो सकीं। हॉकी खिलाड़ी राजकुमार पाल वर्ष 2024 के पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम का हिस्सा थे। लालरेमसियामी ने भारतीय महिला हॉकी टीम के साथ राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में पदक जीते हैं। कबड्डी खिलाड़ी सुरजीत और पूजा ने भी वर्ष 2023 के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया था।

पैरा खेलों में धनुष श्रीकांत ने वर्ष 2024 की विश्व बधिर निशानेबाजी चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर राइफल की व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीते थे। रुद्रांश खंडेलवाल ने वर्ष 2023 के एशियाई पैरा खेलों और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल किए थे। एकता भ्यान ने वर्ष 2024 की विश्व चैंपियनशिप में क्लब थ्रो स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। रोइंग खिलाड़ी अरविंद सिंह ने वर्ष 2023 के एशियाई खेलों में रजत पदक हासिल किया था।

निशानेबाज अखिल श्योराण ने वर्ष 2023 की विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में पदक जीते थे।

वर्ष 1962 के एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय फुटबॉल टीम के सदस्य इसायाह अरुमनायगम को अर्जुन पुरस्कार की लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी में सम्मानित किया गया। उन्होंने वर्ष 1964 में एएफसी एशियाई कप में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम का भी प्रतिनिधित्व किया था।

द्रोणाचार्य पुरस्कार पाने वाले प्रशिक्षकों में परवीर सिंह ने एथलीट तजिंदरपाल सिंह तूर और अन्नू रानी को प्रशिक्षण दिया है। छोटेलाल यादव ने मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम, जैस्मीन और साक्षी को प्रशिक्षित किया है। नेहा नंदकुमार चव्हाण के प्रशिक्षित खिलाड़ियों में निशानेबाज इलावेनिल वलारिवन, रमीता और धनुष श्रीकांत शामिल हैं। लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी में सम्मानित कुश्ती कोच वीरेंद्र कुमार ने सुशील कुमार, रवि कुमार, अमित कुमार और दीपक पूनिया जैसे खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया है। मुक्केबाजी कोच धर्मेंद्र सिंह यादव के प्रशिक्षित खिलाड़ियों में विकास कृष्ण, मंजीत जांगड़ा और मनीष कौशिक शामिल हैं।

पुणे स्थित आर्मी पैरालंपिक नोड की स्थापना 23 जून 2017 को खड़की स्थित बीईजी एंड सेंटर में की गई थी। इसका उद्देश्य ड्यूटी के दौरान दिव्यांग हुए सैनिकों का पुनर्वास और उन्हें पैरा खेलों के लिए तैयार करना है। इस केंद्र ने अब तक नौ खेलों में 150 से अधिक पैरा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया है। इसके खिलाड़ियों ने 300 से अधिक पदक जीते हैं। वर्ष 2022 से अब तक इसके खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 87 और राष्ट्रीय स्तर पर 170 पदक हासिल किए हैं। केंद्र के खिलाड़ियों ने एक विश्व रिकॉर्ड, एक एशियाई रिकॉर्ड और छह राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाए हैं। पेरिस पैरालंपिक 2024 में होकाटो सेमा ने कांस्य पदक जीता था।

समारोह में तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार 2024 भी प्रदान किए गए। लैंड एडवेंचर श्रेणी में हिमाचल प्रदेश की बलजीत कौर और लद्दाख के स्कलजांग रिग्जिन, वाटर एडवेंचर श्रेणी में पश्चिम बंगाल के रिमो साहा तथा लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी में उत्तराखंड के शिव प्रसाद चमोली को सम्मानित किया गया। बलजीत कौर ने वर्ष 2022 से 2024 के बीच एवरेस्ट, अन्नपूर्णा, किलिमंजारो, मनास्लु, मकालू, ल्होत्से और कंचनजंगा सहित सात पर्वत चोटियों पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की। स्कलजांग रिग्जिन ने ल्होत्से, अन्नपूर्णा और एवरेस्ट की चोटियों पर चढ़ाई की है। रिमो साहा ने 31 घंटे 17 मिनट में इंग्लिश चैनल पार किया। शिव प्रसाद चमोली ने पर्वतारोहण, स्कीइंग और राफ्टिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। करीब 36 मिनट तक चले समारोह में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया और खेल सचिव हरि रंजन राव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। खेल मंत्रालय ने 18 अगस्त को पुरस्कार विजेताओं की अंतिम सूची जारी की थी। यह सूची सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर तैयार की गई थी। समिति में जाने-माने खिलाड़ी, खेल पत्रकारिता से जुड़े लोग और खेल प्रशासक शामिल थे।

उल्लेखनीय है कि अर्जुन पुरस्कार की शुरूआत वर्ष 1961 में हुई थी। यह पुरस्कार लगातार चार वर्षों तक खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन, नेतृत्व क्षमता, खेल भावना और अनुशासन के लिए दिया जाता है। पुरस्कार विजेताओं को 15 लाख रुपये की नकद राशि, अर्जुन की कांस्य प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। द्रोणाचार्य पुरस्कार की शुरूआत वर्ष 1985 में हुई थी। नियमित श्रेणी के विजेताओं को 10 लाख रुपये और लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी के विजेताओं को 15 लाख रुपये की नकद राशि दी जाती है। परंपरागत रूप से राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 29 अगस्त को महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर दिए जाते रहे हैं। हालांकि, कोविड-19 महामारी के बाद से समारोह की तारीख में निरंतरता नहीं रही है।



बाल दिवस

नेहरू जी का बाल प्रेम



चाचा जी ने सोचा शायद वह बगीचे में ही कहीं माली के साथ काम कर रही होगी। नेहरू जी यह सोच ही रहे थे कि बच्चे ने रोना तेज कर दिया। इस पर उन्होंने उस बच्चे की मां की भूमिका निभाने का मन बना लिया। नेहरू जी ने बच्चे को उठाकर अपनी बांहों में लेकर उसे थपकियां दीं, तो बच्चा चुप हो गया और मुस्कुराने लगा। बच्चे को मुस्कुराते देख चाचा जी खुश हो गए और बच्चे के साथ खेलने लगे। जब बच्चे की मां दौड़ते वहां पहुंची तो उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। उसका बच्चा नेहरू जी की गोद में मंद-मंद मुस्कुरा रहा था।

जब पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रधानमंत्री थे और तीन मूर्ति भवन उनका सरकारी निवास था। एक दिन तीन मूर्ति भवन के बगीचे में लगे पेड़-पौधों के बीच से गुजरते हुए घुमावदार रास्ते पर नेहरू जी टहल रहे थे और पौधों पर छाई बहार देखकर खुशी से निहाल हो ही रहे थे, तभी उन्हें एक छोटे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। नेहरू जी ने आसपास देखा तो उन्हें पेड़ों के बीच एक-दो माह का बच्चा दिखाई दिया, जो दहाड़ मारकर रो रहा था। नेहरू जी ने मन ही मन सोचा- इसकी मां कहां होगी? उन्होंने इधर-उधर देखा। वह कहीं भी नजर नहीं आ रही थी। चाचा जी ने सोचा शायद वह बगीचे में ही कहीं माली के साथ काम कर रही होगी। नेहरूजी यह सोच ही रहे थे कि बच्चे ने रोना तेज कर दिया। इस पर उन्होंने उस बच्चे की मां की भूमिका निभाने का मन बना लिया। नेहरू जी ने बच्चे को उठाकर अपनी बांहों में लेकर उसे थपकियां दीं,तो बच्चा चुप हो गया और मुस्कुराने लगा। बच्चे को मुस्कुराते देख चाचा जी खुश हो गए और बच्चे के साथ खेलने लगे। जब बच्चे की मां दौड़ते वहां पहुंची तो उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। उसका बच्चा नेहरू जी की गोद में मंद-मंद मुस्कुरा रहा था। ऐसे ही एक बार जब पंडित नेहरू जी तमिलनाडु के दौरे पर गए, तब जिस सड़क से वे गुजर रहे थे वहां वे लोग साइकिलों पर खड़े होकर तो कहीं दीवारों पर चढ़कर नेताजी को निहार रहे थे। प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए हर आदमी इतना उत्सुक था कि जिसे जहां समझ आया वहां खड़े होकर नेहरू को निहारने लगा। इस भीड़भरे इलाके में नेहरू जी ने देखा कि दूर खड़ा एक गुब्बारे वाला पंजों के बल खड़ा डगमगा रहा था। ऐसा लग रहा था कि उसके हाथों के तरह-तरह के रंग-बिरंगी गुब्बारे मानो पंडितजी को देखने के लिए डोल रहे हो। नेहरू जी की गाड़ी जब गुब्बारे वाले तक पहुंची तो गाड़ी से उतर कर वे गुब्बारे खरीदने के लिए आगे बढ़े तो गुब्बारे वाला हक्का-बक्का सा रह गया। नेहरू जी ने अपने तमिल जानने वाले सचिव से कहकर सारे गुब्बारे खरीदवाएं और वहां उपस्थित सारे बच्चों को वे गुब्बारे बंटवा दिए। ऐसे प्यारे चाचा नेहरू को बच्चों के प्रति बहुत लगाव था। नेहरूजी के मन में बच्चों के प्रति विशेष प्रेम और सहानुभूति देखकर लोग उन्हें चाचा नेहरू के नाम से संबोधित करने लगे और जैसे-जैसे गुब्बारे बच्चों के हाथों तक पहुंचे, बच्चों ने चाचा नेहरू-चाचा नेहरू की तेज आवाज से वहां का वातावरण उल्लासित कर दिया। तभी से वे चाचा नेहरू के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाते हैं

14 नवंबर को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन होता है। इसे बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि उन्हें बच्चों से बहुत प्यार था और बच्चे उन्हें चाचा नेहरू पुकारते थे। बाल दिवस बच्चों को समर्पित भारत का राष्ट्रीय त्यौहार है। देश की आजादी में भी नेहरू का बड़ा योगदान था। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने देश का उचित मार्गदर्शन किया था। बाल दिवस बच्चों के लिए महत्वपूर्ण दिन होता है। इस दिन स्कूली बच्चे बहुत खुश दिखाई देते हैं। वे सज-धज कर विद्यालय जाते हैं। विद्यालयों में बच्चे विशेष कार्यक्रम आयोजित करते हैं। वे अपने चाचा नेहरू को प्रेम से स्मरण करते हैं। बाल मेले में बच्चे अपनी बनाई हुई वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाते हैं। इसमें बच्चे अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। नृत्य, गान, नाटक आदि प्रस्तुत किए जाते हैं। नुक्कड़ नाटकों के द्वारा आम लोगों को शिक्षा का महत्व बताया जाता है। बच्चे देश का भविष्य हैं। इसलिए हमें सभी बच्चों की शिक्षा की तरफ ध्यान देना चाहिए। बच्चों के रहन-सहन के स्तर ऊंचा उठाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इन्हें स्वस्थ, निर्भीक और योग्य नागरिक बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए। यह बाल दिवस का संदेश है। बाल दिवस के अवसर पर केंद्र और राज्य सरकार बच्चों के भविष्य के लिए कई कार्यक्रमों की घोषणा करती है। बाल श्रम रोधी कानूनों को सही मायनों में पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए। अनेक कानून बने होने के बावजूद बाल श्रमिकों की संख्या में वर्ष दर वर्ष वृद्धि होती जा रही है। इन बच्चों का सही स्थान कल-कारखानों में नहीं बल्कि स्कूल है।



अन्य देशों में बाल दिवस

भारत में यह दिन स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन 14 नवंबर को मनाया जाता है। कहा जाता है कि पंडित नेहरू बच्चों से बेहद प्यार करते थे, इसलिए बाल दिवस मनाने के लिए उनका जन्मदिन चुना गया। दरअसल, बाल दिवस की नींव 1925 में रखी गई थी, जब बच्चों के कल्याण पर विश्व कान्फ्रेंस में बाल दिवस मनाने की सर्वप्रथम घोषणा हुई। 1954 में दुनिया भर में इसे मान्यता मिली। संयुक्त राष्ट्र ने यह दिन 20 नवंबर के लिए तय किया, लेकिन अलग-अलग देशों में यह अलग दिन मनाया जाता है। कुछ देश 20 नवंबर को भी बाल दिवस मनाते हैं। 1950 से बाल संरक्षण दिवस यानी 1 जून भी कई देशों में बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन इस बात की याद दिलाता है कि हर बच्चा खास है और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उनकी मूल जरूरतों और पढ़ाई लिखाई की जरूरतों का पूरा होना बेहद जरूरी है। यह दिन बच्चों को उचित जीवन दिए जाने की भी याद दिलाता है।

संविधान में बाल अधिकार

भारत का संविधान, संयुक्त राष्ट्र की योजनाओं के ही अनुरूप बच्चों के संरक्षण एवं अधिकारों की रक्षा के लिए कई सुविधाएं देता है। संविधान हर तरह से देश में बच्चों के कल्याण और उनकी शिक्षा एवं बालश्रम से मुक्ति के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से उन्मूलन के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ है।

- अनुच्छेद 15 (3) : राज्य को बच्चों एवं महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अधिकार देता है।
- अनुच्छेद 21ए : राज्य को 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए अनिवार्य और मुफ्त शिक्षा देना क़ानूनी रूप से बाध्यकारी है।
- अनुच्छेद 24 : बालश्रम को प्रतिबंधित और गैर-कानूनी कहा गया है।
- अनुच्छेद 39 (ई) : बच्चों के स्वास्थ्य और रक्षा के लिए व्यवस्था करने के लिए राज्य क़ानूनी रूप से बाध्य है।
- अनुच्छेद 39 (एफ) : बच्चों को गरिमामय रूप से विकास करने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य की नैतिक ज़िम्मेदारी है।

अमूमन हर अविभावक अपने बच्चे के लिए अच्छा सोचता है, अच्छे से अच्छा करना चाहता है। और उसे सबसे आगे देखना चाहता है। इतना तक तो ठीक है और बहुत स्वाभाविक भी, लेकिन यहां देखना होगा कि हम बच्चे की प्रतिभा के संपूर्ण विकास की नींव रख रहे हैं या उसे अपनी महत्वाकांक्षा का हिस्सा बनाकर उसकी जिंदगी में अंधेरी दलदल और तनाव परोस रहे हैं।



चाचा नेहरू बच्चों के साथ

नेहरूजी ने बच्चे को उठाकर अपनी बांहों में लेकर उसे थपकियां दीं, झुलाया तो बच्चा चुप हो गया और मुस्कुराने लगा। बच्चे को मुस्कुराते देख चाचा खुश हो गए और बच्चे के साथ खेलने लगे। जब बच्चे की मां दौड़ते वहां पहुंची तो उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। उसका बच्चा नेहरू जी की गोद में मंद-मंद मुस्कुरा रहा था। ऐसे ही एक बार जब पंडित नेहरू तमिलनाडु के दौरे पर गए, तब जिस सड़क से वे गुज़र रहे थे, वहां वे लोग साइकिलों पर खड़े होकर तो कहीं दीवारों पर चढ़कर नेताजी को निहार रहे थे। प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए हर आदमी इतना उत्सुक था कि जिसे जहां समझ आया, वहां खड़े होकर नेहरू को निहारने लगा। इस भीड़भरे इलाके में नेहरू जी ने देखा कि दूर खड़ा एक गुब्बारे वाला पंजों के बल खड़ा डगमगा रहा था। ऐसा लग रहा था कि उसके हाथों के तरह-तरह के रंग-बिरंगी गुब्बारे मानो पंडित जी को देखने के लिए डोल रहे हो। जैसे वे कह रहे हों हम तुम्हारा तमिलनाडु में स्वागत करते हैं। नेहरू जी की गाड़ी जब गुब्बारे वाले तक पहुंची तो गाड़ी से उतरकर वे गुब्बारे ख़रीदने के लिए आगे बढ़े तो गुब्बारे वाला हक्का-बक्का-सा रह गया।

बाल शोषण

आज भी चाचा नेहरू के इस देश में लगभग 5 करोड़ बच्चे बाल श्रमिक हैं, जो चाय की दुकानों पर नौकरों के रूप में, फैक्ट्रियों में मजदूरों के रूप में या फिर सड़कों पर भटकते भिखारी के रूप में नजर आ ही जाते हैं। इनमें से कुछेक ही बच्चे ऐसे हैं, जिनका उदाहरण देकर हमारी सरकार सीना ठोककर देश की प्रगति के दावे को सच होता बताती है। यही नहीं, आज देश के लगभग 53.22 प्रतिशत बच्चे शोषण का शिकार हैं। इनमें से अधिकांश बच्चे अपने रिश्तेदारों या मित्रों के यौन शोषण का शिकार हैं। अपने अधिकारों के प्रति अनभिज्ञता एवं अज्ञानता के कारण ये बच्चे शोषण का शिकार होकर जाने-अनजाने कई अपराधों में लिप्त होकर अपने भविष्य को अंधकारमय कर रहे हैं। बचपन आज भी भोला और भावुक ही होता है लेकिन हम उन पर ऐसे-ऐसे तनाव और दबाव का बोझ डाल रहे हैं कि वे कुम्हला रहे हैं। उनकी खनकती-खिलखिलाती किलकारियां बरकरार रहें, इसके ईमानदार प्रयास हमें ही तो करने हैं। देश के ये गुलाबी नवांकुर कोमल बचपन की यादें सहेजें, इसके लिए ज़रूरी है कि हम उन्हें कठोर और क्रूर नहीं, बल्कि मयूर पंख सा लहलहाता बचपन दें। चाचा नेहरू को दो बातें बहुत पसंद थी। पहली वे अपनी शेरवानी की जेब में रोज़ गुलाब का फूल रखते थे और दूसरी वे बच्चों के प्रति बहुत ही मानवीय और प्रेमपूर्ण थे।

समारोह

हर वर्ष बचपन की यादों को ताजा करने के लिए बाल दिवस का आयोजन किया जाता है। यह दिन हमें सिखाता है कि एक निर्दोष और जिज्ञासु बच्चे की तरह हमें सदैव खुश रहना चाहिए और हमेशा सीखने की कोशिश करते हुए मुस्कुराते रहना चाहिए। यह बच्चों के लिए उल्लास में डूब जाने का दिन है। स्कूलों में भी यह दिन बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। संपूर्ण भारत में इस दिन स्कूलों में प्रश्नोतरी, फैंसी परिधान प्रतियोगिता और बच्चों की कला प्रदर्शनियों जैसे कई विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। हाल के वर्षों में विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक और कॉर्पोरेट संस्थाओं ने सभी पृष्ठभूमि के बच्चों के लिए विशेष समारोह और प्रतियोगिताओं का आयोजन शुरू किया है। इस तरह के आयोजन देश के हर कोने में लोकप्रिय हुए हैं। अब टेलीविजन और अन्य मीडिया नेटवर्क समाज के प्रत्येक स्तर पर 14 नवंबर को बच्चों के लिए ख़ास कार्यक्रम बना रहे हैं।

राष्ट्रपति सहभागिता

हर वर्ष राष्ट्रपति भवन में देश भर से आए चुनिंदा बच्चों से भारत के राष्ट्रपति मुलाकात करते हैं। बाल दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति बच्चों का मनोबल बढ़ाते हैं और उन्हें उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। बच्चे भी इस मौके पर देश के प्रति अपने विश्वास और भविष्य में चुनौतियों का सामना करने की भावना को व्यक्त करते हैं। राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल का मानना है कि देश के विकास में बच्चों की शिक्षा और अनुशासन का अमूल्य योगदान होता है। उन्होंने देश के शिक्षकों एवं छात्रों की प्रशंसा करते हुए कहा था कि इनकी कड़ी मेहनत तथा संस्कृति ने दुनियाभर में देश का नाम रोशन किया है। देश के 11वें राष्ट्रपति (भूतपूर्व) डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम भी देश के विकास के लिए बच्चों का विकास आवश्यक मानते हैं। उन्होंने पद पर रहते हुए और बाद में भी कई मौकों पर यह संदेश दिया है कि देश का विकास बच्चों के हाथों में ही है। उन्होंने कहा था कि आज के साथ समझौता करने पर ही हम देश के बच्चों के लिए बेहतर कल दे सकेंगे। बच्चों के साथ उनके सवाल-जवाब पूरे देश में काफ़ी लोकप्रिय हैं।

जारी डाक टिकट

नेहरू जी ने अपने तमिल जानने वाले सचिव से कहकर सारे गुब्बारे ख़रीदवाए और वहां उपस्थित सारे बच्चों को वे गुब्बारे बंटवा दिए। ऐसे प्यारे चाचा नेहरू को बच्चों के प्रति बहुत लगाव था। नेहरू जी के मन में बच्चों के प्रति विशेष प्रेम और सहानुभूति देखकर लोग उन्हें चाचा नेहरू के नाम से संबोधित करने लगे और जैसे-जैसे गुब्बारे बच्चों के हाथों तक पहुंचे बच्चों ने चाचा नेहरू-चाचा नेहरू की तेज़ आवाज़ से वहां का वातावरण उल्लासित कर दिया।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा डी बी कॉर्प लिमिटेड ,प्लॉट नंबर- 535 व 1272, नियर फारेस्ट ऑफिस, ललगुटवा, रांची - 835303, झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com